चार्ट विझर्ड पब्लिकेशन

गाईड टु ट्रेडींग

चार्ट पॅटर्न्स्

कँन्डलस्टिक + ब्रेकआउट पॅटर्न्स
इंडिकेटर्स | रिस्क मॅनेजमेंट

जगन्नाथ पटाईत

Scanned with CamScanner

गाईड टु ट्रेडिंग

चार्ट पॅटर्न्स

जगन्नाथ पटाईत

चार्ट विझर्ड पब्लिकेशन, पुणे

Scanned with CamScanner

DISCLAIMER

इस किताब का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है और यह किसी भी निवेश के लिए सलाह नहीं है। इसमें दी गई जानकारी की सटीकता और पुर्णता की हम कोई गॅरंटी नही देते है और न ही किसी नुकसान के लिए ज़िम्मेदार होंगे। निवेश करने से पहले संबंधित नियमों, नियमक अधिकारियों और अन्य निवेशकों से परामर्श लें और अपनी स्वयं की विश्लेषण भी करें। इस तरह के निवेश से आपका नुकसान होने का खतरा होता है इसलिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

Scanned with CamScanner

कॉपीराइट © २०२३ जगन्नाथ पटाईत सर्वाधिकार सुरक्षित।

लेखक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना, इस पुस्तक के किसी भी हिस्से को पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है, एक पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहित नही किया जा सकता, या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्यथा प्रेषित नही किया जा सकता.

चार्ट विझर्ड पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित।

आईएसबीएन: ९७८-९३-५९०६-५३०-४

एमआरपी: ३५० रुपये

Scanned with CamScanner

CONTENT

१. सपोर्ट और रेजिस्टेंस ९
२. ट्रेंडलाइन ६
३. कैंडलस्टिक क्या है? ८

कैंडलस्टिक पैटर्न्स पार्ट १

४. हैमर १०
५. शूटिंग स्टार १२
६. बेयरिश एनगल्फिंग पैटर्न १४
७. बुलिश एनगल्फिंग पैटर्न १६
८. डोजी १८
९. मॉर्निंग स्टार २०
१०. ईवनिंग स्टार २२

ब्रेकाउट पैटर्न्स

११. हेड एंड शोल्डर २४
१२. इनवर्स हेड एंड शोल्डर २६
१३. कप एण्ड हैंडल २८
१४. बुलिश फ्लैग ३०
१५. बेयरीश फ्लैग ३२
१६. रेक्टैंगल ३४
१७. बुलिश सीमेट्रिकल ट्राइएंगल ३६
१८. असेंडिंग ट्रायएंगल ३८
१९. डिसेंडिंग ट्रायएंगल ४०
२०. ट्रिपल टॉप ४२
२१. ट्रिपल बॉटम ४४
२२. डबल टॉप ४६
२३. डबल बॉटम ४८

Scanned with CamScanner

कँडलस्टिक पॅटर्न्स पार्ट २

२४. थ्री व्हाइट सोल्जर्स	५०
२५. थी ब्लैक क्रो	५२
२६. बुलिश हरामी	५४
२७. बेयरिश हरामी	५६
२८. डार्क क्लाउड कवर	५७
२९. इनवर्टेड हैमर	५९
३०. हँगिंग मॅन	६१
३१. ट्वीजर टॉप	६२
३२. पियर्सिंग पैटर्न	६४
३३. ट्वीजर बॉटम	६५
३४. राइजिंग थ्री मेथडस्	६७
३५. फॉलिंग ३ मेथड्स	६८
३६. फिबोनाची रिट्रेसमेंट	६९
३७. ब्रेकआउट्स के प्रकार	७३

इंडिकेटर्स

३८ मूविंग एवरेज	७५
३९. MACD	८१
४०. RSI	८५
४१ वॉल्यूम	९०
४२. रिस्क मैनेजमेंट	९१
४३. महत्वपूर्ण सायकॉलॉजीकल पॉईंट्स	९५

Scanned with CamScanner

१) सपोर्ट और रेजिस्टेंस

सपोर्ट:

सपोर्ट एक विशेष प्राइस लेवल को रेफर करता है जिस पर विक्रेताओं से सप्लाई की तुलना में खरीदारों से अधिक मांग होती है। दूसरे शब्दों में, यदि प्राइस इस लेवल तक गिर जाती है तो खरीदारों के आने और खरीदने की अधिक संभावना होती है, जो कीमत को और गिरने से रोकता है। इस स्तर पर खरीदारी का दबाव कीमत को स्थिर और पलटाव का कारण बन सकता है। इसलिए, सपोर्ट लेवल ट्रेडर्स के लिए मार्केट में एंट्री करने और संभवित प्राइस के बढ़ने का लाभ उठाने के लिए एक सिग्नल के रूप में कार्य कर सकता है।

राऊंड नंबर सपोर्ट और रेजिस्टेंस लेवल के रूप में काम करता हैं।

बैंक निफ्टी में ४१५००, ४२००० जैसे लेवल और निफ्टी में १७१००, १७२०० जैसे लेवल सपोर्ट और रेजिस्टेंस के रूप में काम करते हैं।

रेजिस्टेंस:

रेजिस्टेंस एक ऐसा लेवल है जिस पर बायर(खरीदार) की डिमांड की तुलना में सेलर (विक्रेता) की सप्लाय अधिक होती है। यदि कीमत इस लेवल तक पहुंच जाती है, तो विक्रेता अधिक सक्रिय हो जाते हैं और उनके होल्डिंग्स को बेचने की संभावना होती है, जिससे एक रुकावट पैदा होती है जो कीमत को और बढ़ने से रोकती है।

Scanned with CamScanner

यह लेवल कीमत के लिए एक छत की तरह है, क्योंकि बिक्री का दबाव प्राइस को स्थिर कर सकता है या अपट्रेंड को रिवर्स भी कर सकता है। इसलिए, रेजिस्टेंस लेवल को ट्रेडर के लिए संभावित रूप से बाजार से बाहर निकलने या अधिक सतर्क दृष्टिकोण अपनाने के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि प्राइस को इस स्तर को तोड़ने में कठिनाई हो सकती है।

सपोर्ट लेवल के पीछे की सायकॉलजी:

आम तौर पर जब प्राइस सपोर्ट लेवल तक पहुंचती है, तो सपोर्ट लेवल को टच करके पहले थोडा रिबॉऊंड होती है और फिर से सपोर्ट लेवल को रिटेस्ट करती है। निचे दिए गए डायग्राम में, पॉइंट २ देखो। इस रिटेस्ट पॉइंट पर, विभिन्न मार्केट फोर्स खेल में आती हैं, जो कीमत को और गिरने से रोकने के लिए काम करती हैं और इसके बजाय इसके बढ़ने का कारण बनती हैं। इसमें नीचे दिये गये फोर्स शामिल हो सकते हैं।

Scanned with CamScanner

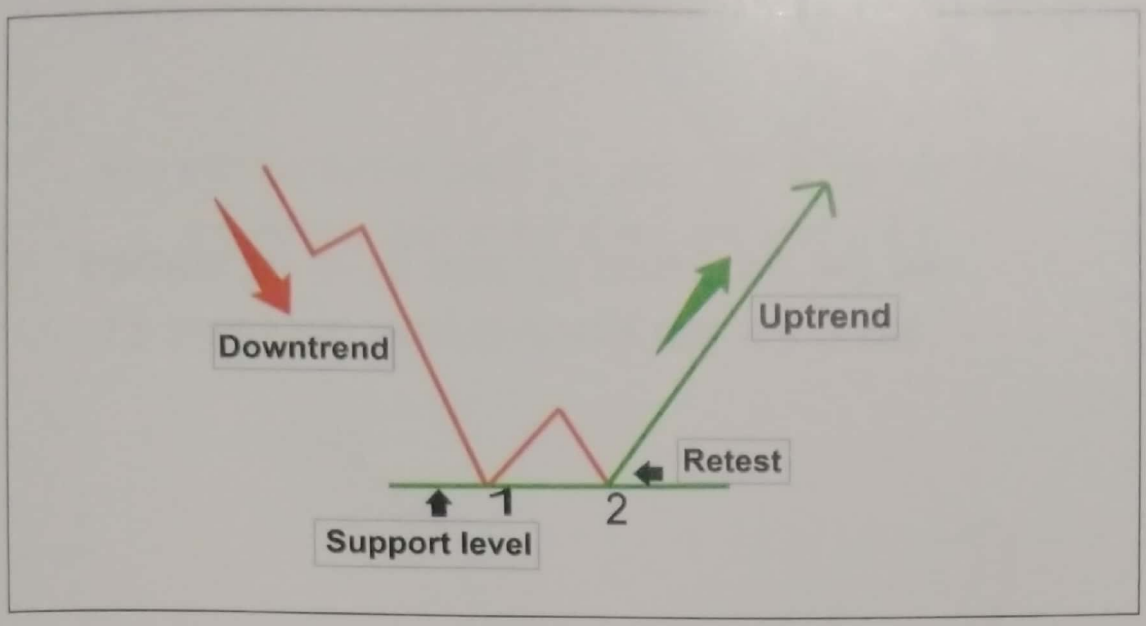

१) जो लोग क्षेत्र १ में खरीदारी करने का अवसर खो देते हैं, देखते हैं कि कीमत फिर से उसी स्तर पर आ गई है और अब वे २ पर बाय ऑर्डर डालते है।

२) पॉइंट २ पर, जब विक्रेता देखते हैं कि बाजार में वृद्धि शुरू हो रही है, तो वे बाय ऑर्डर डालकर अपनी सेल पोजिशन से बाहर निकलने का विकल्प चुन सकते हैं।

३) नए खरीदार जो पहले मार्केट के डायरेक्शन की पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहे थे, वे भी बाय ऑर्डर डालकर मार्केट में प्रवेश कर सकते हैं जब उन्हें लगता है कि प्राइस बढ़ना शुरू हो रही है।

४) क्षेत्र १ में खरीदारी करने वाले ट्रेडर्स क्षेत्र २ में अपनी पोजिशन मे और क्वान्टिटी ॲड कर सकते है.

५) ऊपर उल्लिखित सभी फॅक्टर्स, जैसे कि नए खरीदारों से खरीदारी का बढ़ता दबाव, ट्रेडर अपनी पोजीशन में जोड़ रहे हैं, और विक्रेता अपनी शॉर्ट पोजीशन को कवर कर रहे हैं, डिमांड की वृद्धि में योगदान कर सकते हैं। जैसे ही डिमांड बढ़ती है, हाय बाईंग प्रेशर के वजह से कीमत बढ़ने लगती है। यह एक आत्म-सुदृढ़ीकरण चक्र बन सकता है जहां अधिक खरीदार आकर्षित होते हैं क्योंकि कीमत में वृद्धि जारी रहती है। अंततः, इन फॅक्टर्स का कॉम्बीनेशन प्राइस के अपवर्ड ट्रेंड में योगदान कर सकता है।

Scanned with CamScanner

जब एक सपोर्ट लेवल टूट जाता है, तो यह संभावित रूप से एक नया रेसिस्टन्स लेवल बन सकता है।

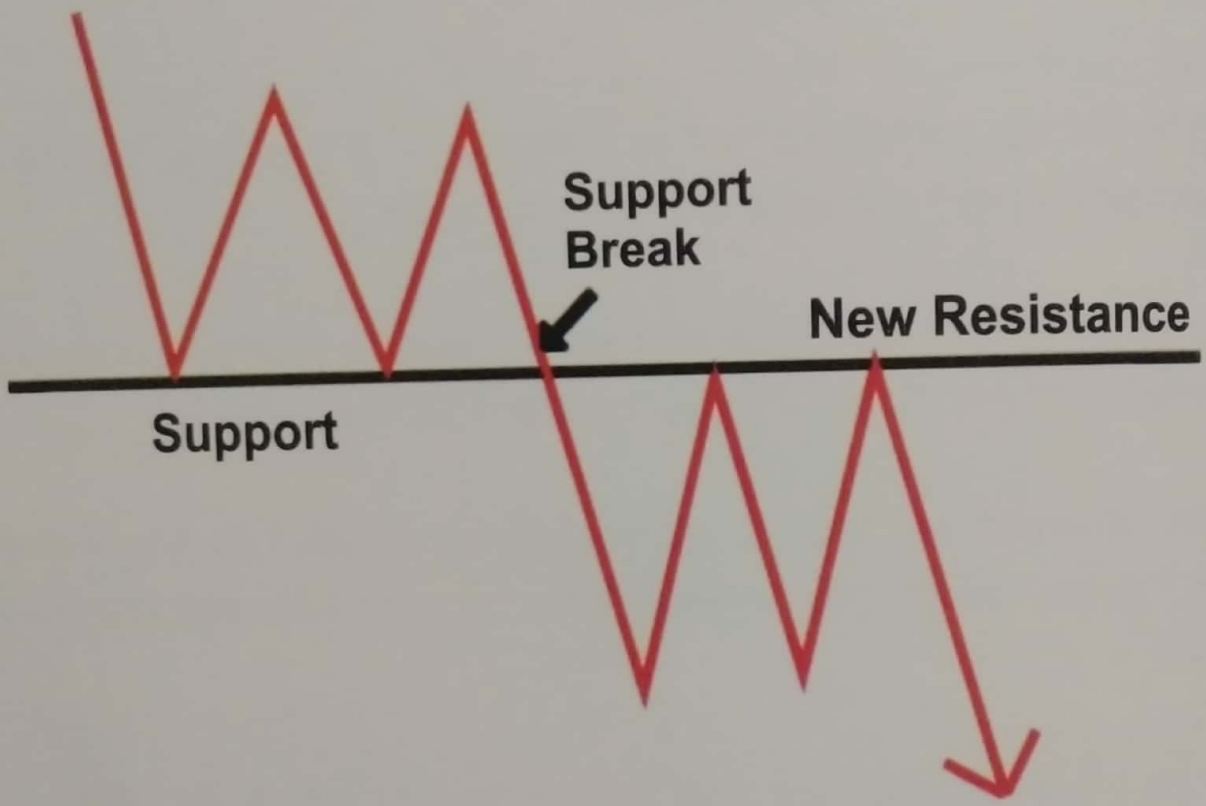

Scanned with CamScanner

जब एक रेसिस्टन्स लेवल टूट जाता है, तो यह संभावित रूप से एक नया सपोर्ट लेवल बन सकता है।

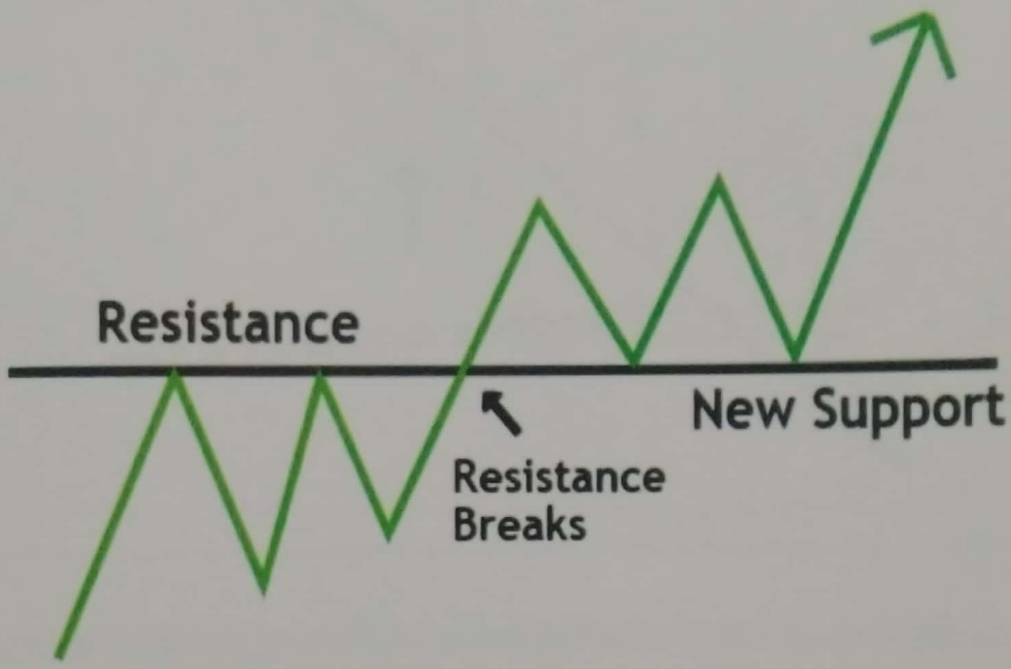

हर ट्रेड जीतने की जरूरत नहीं है। उदाहरण के लिए यदि आप अपने ट्रेडों मे से ७०% टाइम्स लॉस करते है , तब भी आप लंबे समय में प्रॉफीटेबल हो सकते हैं यदि आप १:२ रिस्क /रिवार्ड रेशियो का उपयोग करते हैं।

Scanned with CamScanner

२) ट्रेंडलाइन

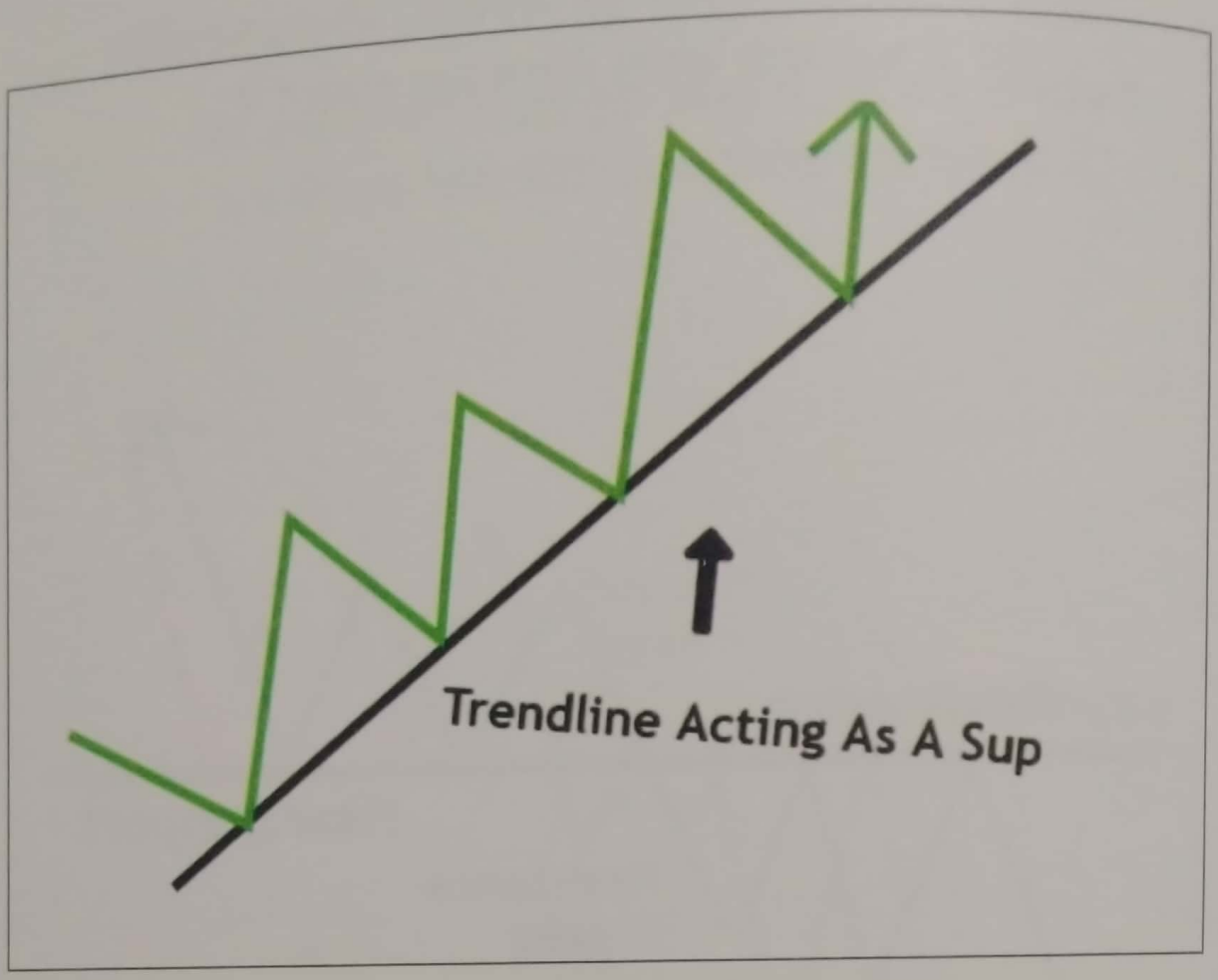

यह एक सीधी लाइन है जिसे २ या अधिक हाय या लो स्विंग प्राइस पॉईंट्स को जोड़कर खींचा जा सकता है और संभावित सपोर्ट और रेसिस्टन्स स्तरों को खोजने के लिए भविष्य में इसका विस्तार किया जा सकता है।

✓ इसका उपयोग सपोर्ट / रेसिस्टन्स लेवल और एंट्री / एक्जिट पॉइंट्स की पहचान करने के लिए किया जा सकता है।

✓ किमत को ट्रेंड लाइन के रूप में गिनने के लिए ट्रेंडलाइन को कम से कम ३ बार छूना चाहिए।

✓ सर्वश्रेष्ठ ट्रेंडलाइन के कोण ३० से ६० डिग्री के बीच होते हैं। बहुत खड़ी या होरीझोंटल ट्रेंडलाइन गलत परिणाम देती हैं।

Scanned with CamScanner

ट्रेंड लाइन को जितने जादा टच पॉइंट है, उसके टूटने की संभावना उतनी ही अधिक होती है।

एंट्री/ एक्जिट निर्णयों के लिए अन्य तकनीकी संकेतों/विश्लेषण के साथ ट्रेंडलाइन का उपयोग किया जाना चाहिए और ट्रेडिंग निर्णयों के लिए केवल इस पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

ट्रेड करने से पहले हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि प्राइस हमारे स्टॉप लॉस लेवल को हिट कर सकती है और यह कोई समस्या नहीं होगी क्योंकि मेरी स्ट्रैटिजी लंबे समय मे काम करेगी।

Scanned with CamScanner

३) कैंडलस्टिक क्या है?

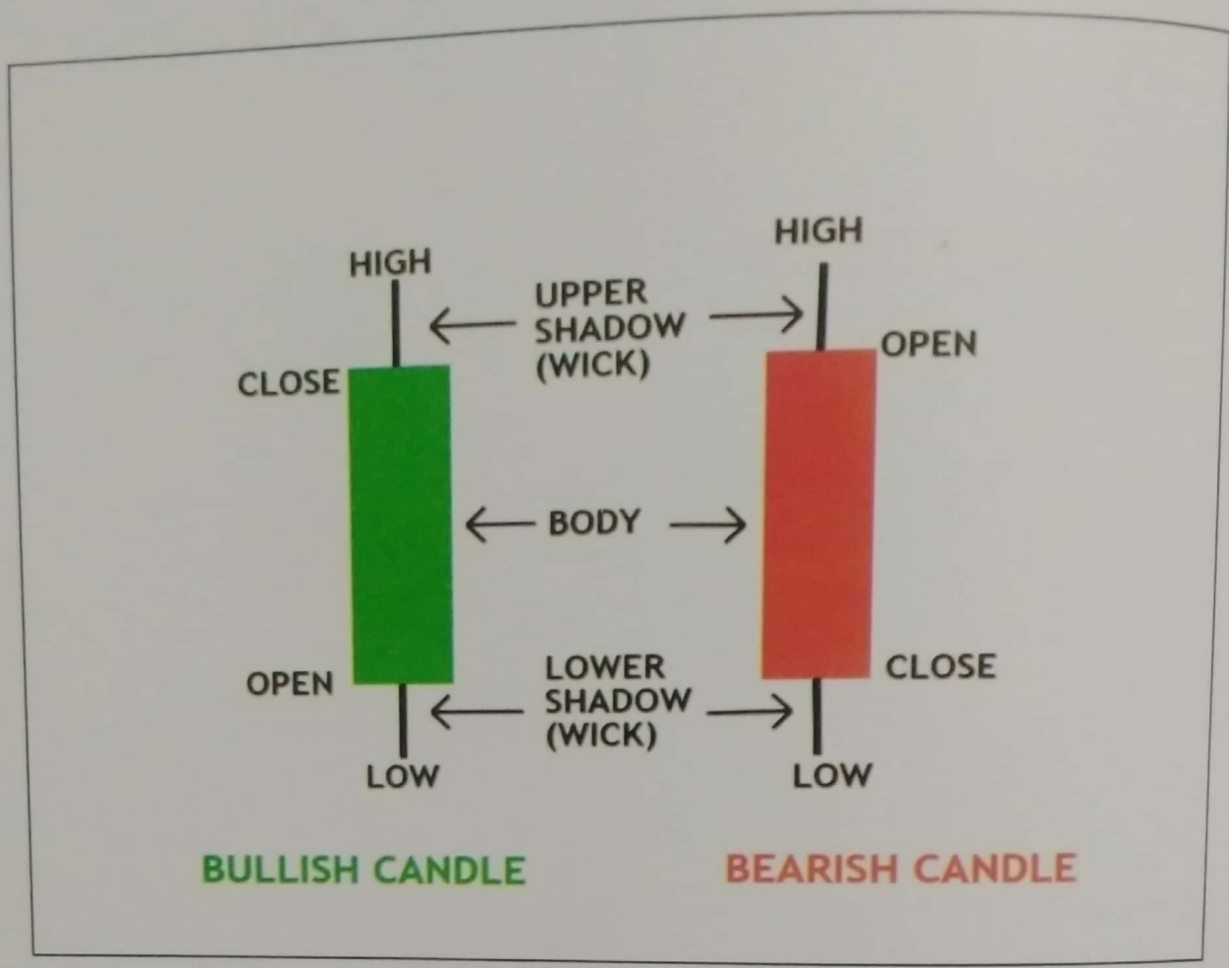

कैंडलस्टिक्स यह दिखाने का एक तरीका है कि समय के साथ कीमत कैसे बदली है। कैंडलस्टिक्स हाय और लो प्राइस के साथ–साथ उस अवधि के लिए ओपन और क्लोज कीमतों को भी दिखाते हैं।

जब आप कैंडलस्टिक्स को देखते हैं तो, बाजार की स्थिती का अवलोकन करणे के लीये सीर्फ एक कॅन्डल को न देखते हुए पिछले चार्ट के पुरे कोन्टेक्स्ट को देखणा जरूरी है। क्या हो रहा है इसकी अच्छी समझ पाने के लिए आपको बाजार का ओवरॉल ट्रेंड और अन्य सिग्नल को देखने की जरूरत है।

Scanned with CamScanner

✓ कैंडल की बॉडी ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस के बीच के अंतर को दर्शाती है। बॉडी के ऊपर और नीचे की रेखाओं को विक्स या शाडो कहा जाता है। वे दिखाते हैं कि ओपन या क्लोज से प्राइस कितनी ऊपर या नीचे गई।

✓ यदि क्लोजिंग प्राइस ओपनिंग प्राइस से अधिक है, तो कैंडल हरे रंग की होती है और इसे बुलिश कैंडल कहा जाता है। यदि क्लोजिंग प्राइस ओपनिंग प्राइस से कम है, तो कैंडल लाल होती है और इसे मंदी की कैंडल (बेयरिश कैंडल) कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

४) हैमर

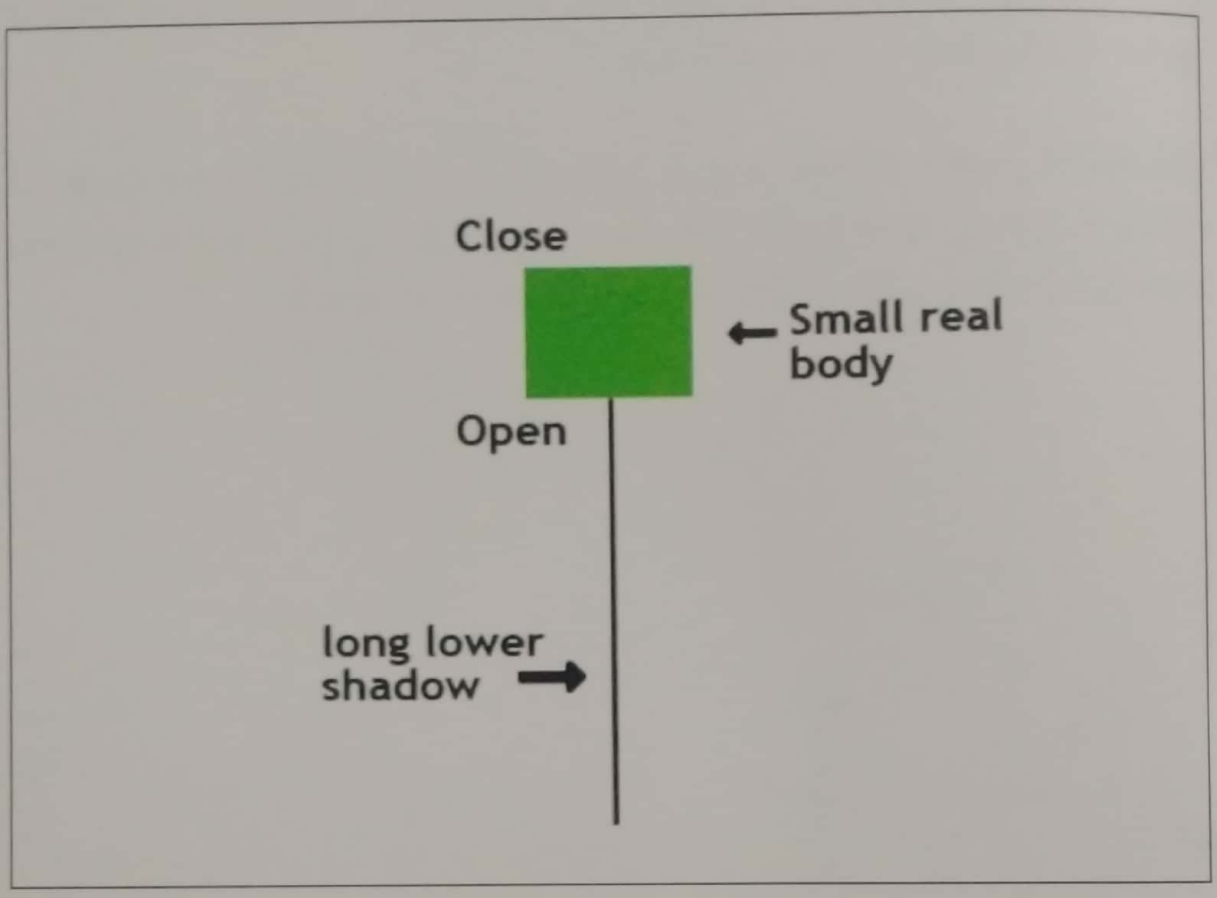

हैमर एक बुलिश, रिवर्सल कैंडलस्टिक पैटर्न है जो डाउनट्रेंड के अंत में पाया जाता है। इसकी रीयल बॉडी छोटी और निचली शाडो लंबी होती है। कैंडलस्टिक की ओपन और क्लोज कीमत एक बहुत ही छोटे रेंज के भीतर होनी चाहिए, जिससे एक छोटी रीयल बॉडी बनती है।

- ✓ कैंडलस्टिक की निचली शाडो/विक रीयल बॉडी की लंबाई से कम से कम दोगुनी होनी चाहिए, यह दर्शाता है कि वहा बडी मात्रा मे खरीदारी गतिविधि हुई है ।
- ✓ डाउनट्रेंड में जब हैमर दिखाई देता है, तो इसमें ट्रेंड को रिवर्स करने की क्षमता होती है।
- ✓ बॉडी का रंग हरा या लाल भी हो सकता है।

Scanned with CamScanner

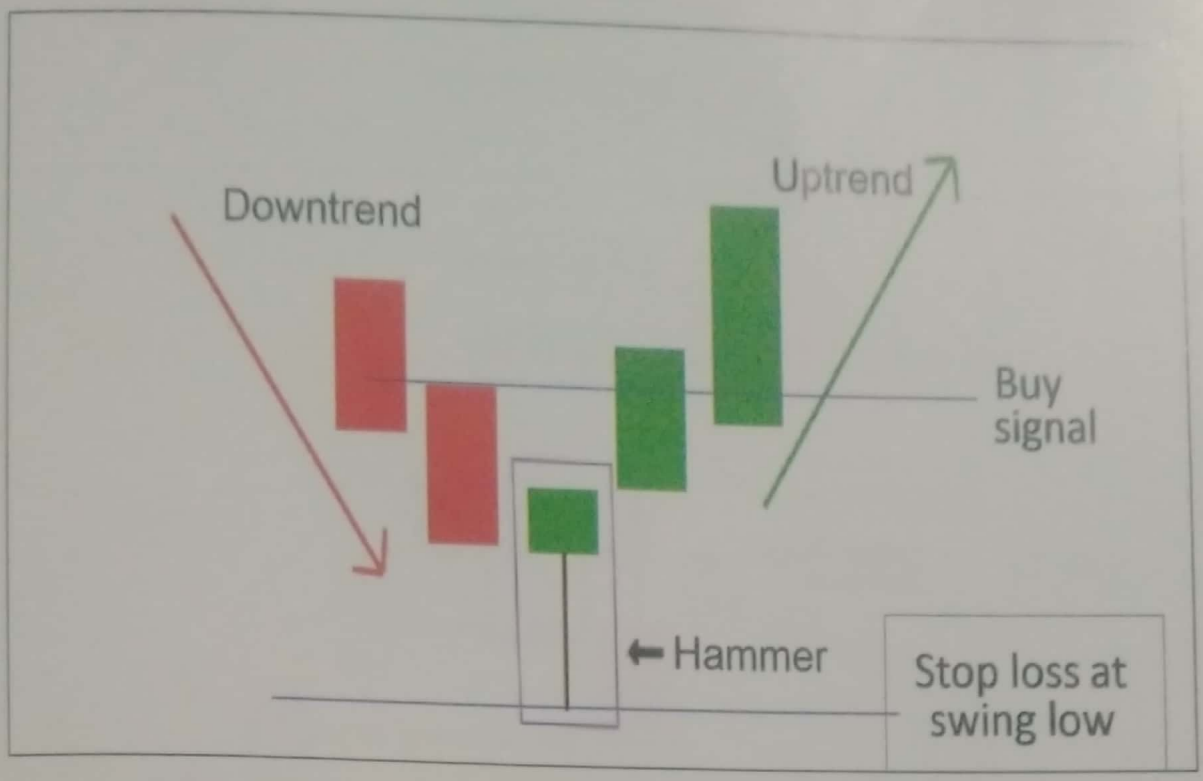

हैमर पैटर्न के पीछे की साइकॉलजी:

१) हैमर कैन्डल पर पहले विक्रेता कीमत को नीचे धकेलते हैं।

२) फिर खरीदार आए और कीमत को वापस ऊपर लेके गये और इसे

हैमर कैन्डल के ओपन प्राइस से भी ऊपर बंद कर दिया।

३) यह दर्शाता है कि बुल्स नियंत्रण प्राप्त कर रहे हैं और ट्रेंड रिर्वस हो सकता है।

४) रिवर्सल की पुष्टि हैमर कॅन्डल के ऊपर अगले कॅन्डल के क्लोज होने पर की जाएगी।

अपने लॉस वाले ट्रेड को जलदी कट करे और अपने प्रॉफिट के ट्रेड की सवारी करें!

Scanned with CamScanner

५) शूटिंग स्टार

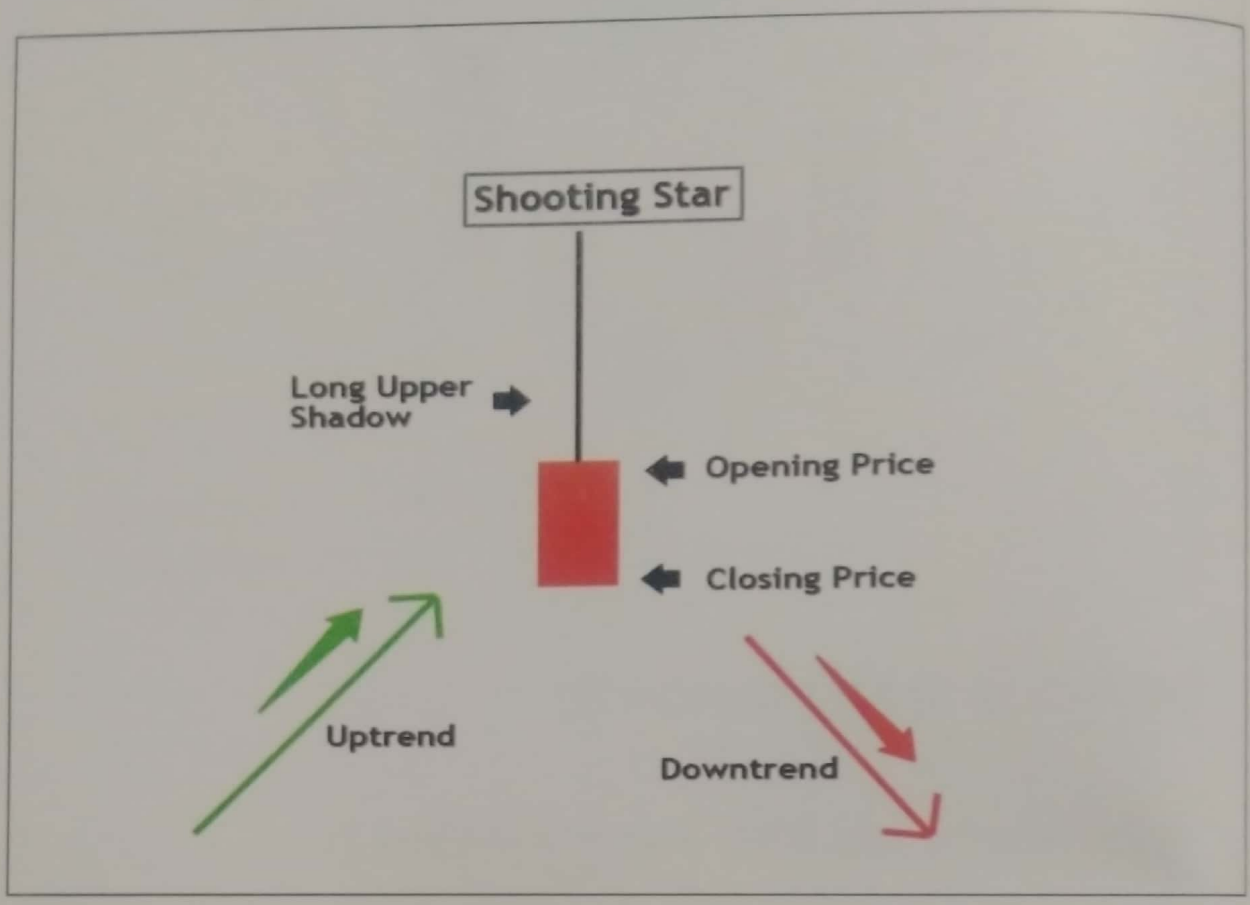

शूटिंग स्टार बेयरिश, सिंगल कैंडलस्टिक रिवर्सल पैटर्न है जो अपट्रेंड के टॉप पर नजर आता है। इसकी बॉडी छोटी और ऊपरी विक लंबी होती है।

- ✓ ओपन और क्लोज कीमतें बहुत छोटी सीमा के भीतर होनी चाहिए
- ✓ कैंडलस्टिक की ऊपरी विक बॉडी की लंबाई से कम से कम दोगुनी होनी चाहिए।
- ✓ कॅन्डल मे निचली विक बहुत छोटी या नहीं होनी चाहिए।
- ✓ कॅन्डल का रंग महत्वपूर्ण नहीं है। वो लाल या हरा भी हो सकता है।

Scanned with CamScanner

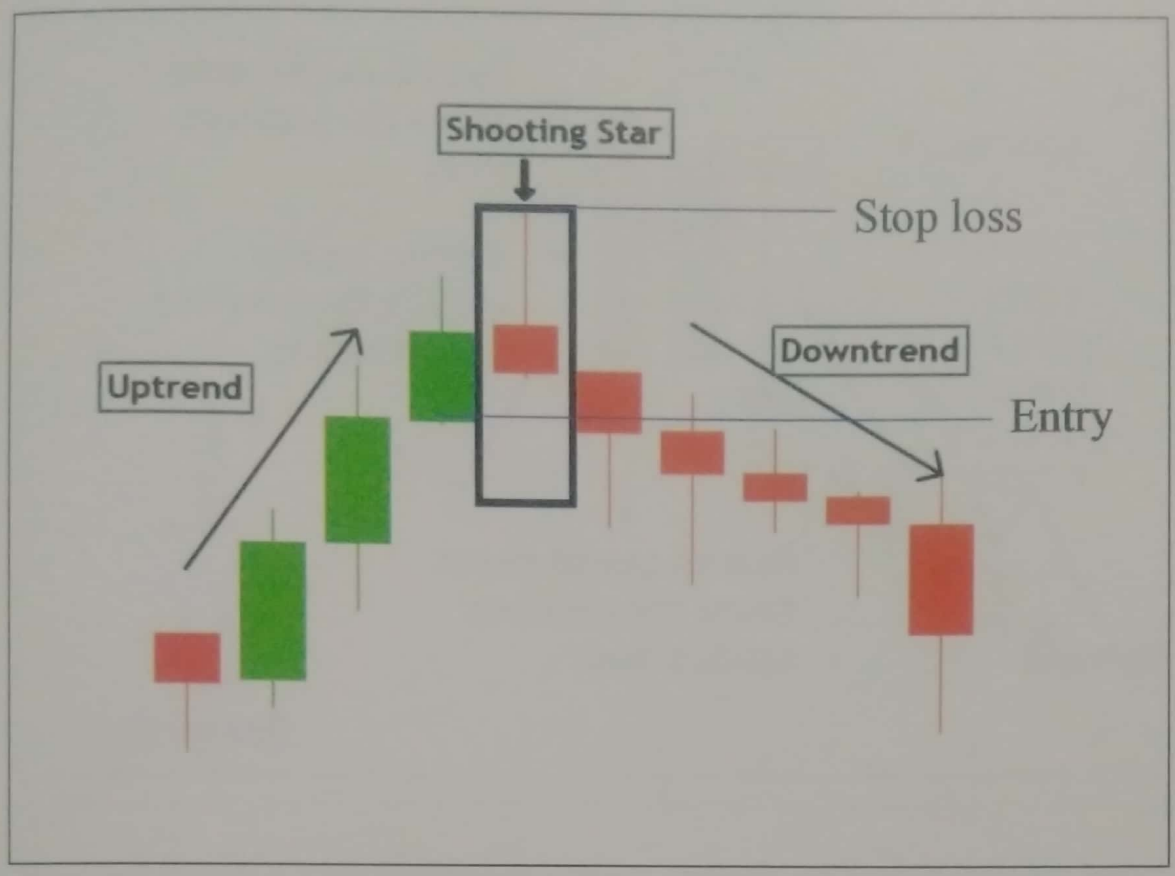

शूटिंग स्टार कैंडल के पीछे की साइकॉलजी:

१) शूटिंग स्टार कैंडल में, पहले बुल्स कीमत को ऊपर धकेलते हैं।

२) फिर बेयर्स आए, इसे वापस नीचे धकेल दिया और इसे शुरुआती कीमत के पास बंद कर दिया।

३) इससे पता चलता है कि बेयर्स नियंत्रण प्राप्त कर रहे हैं और ट्रेंड रिर्वस हो सकता है।

४) रिवर्सल की पुष्टि अगली कैंडल शूटिंग स्टार कैंडल के नीचे बंद होने पर की जाएगी।

Scanned with CamScanner

६) बेयरिश एनगल्फिंग पैटर्न

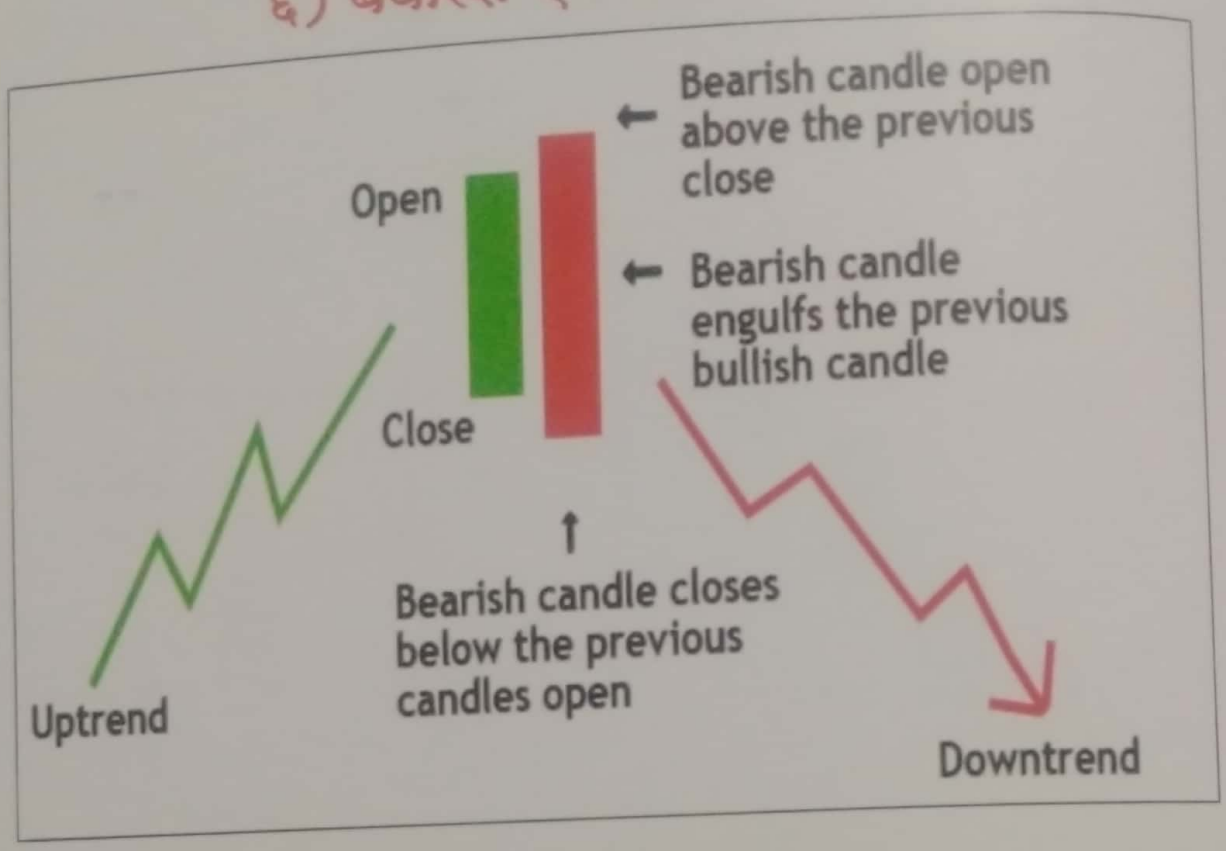

बेयरिश एनगल्फिंग पैटर्न एक बेयरिश, रिवर्सल कैंडलस्टिक पैटर्न है जिसमें एक छोटी बुलिश (ग्रीन) कैंडल होती है जिसके बाद एक बड़ी बेयरिश (रेड) कैंडल होती है जो छोटी ग्रीन कैंडल को घेरती है या निगल लेती है। यह एक अपट्रेंड में दिखाई देता है और एक संभावित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है।

बेयरिश एनगल्फिंग पैटर्न को सभी बेयरिश रिवर्सल पैटर्न में सबसे मजबूत माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बेयर्स दूसरी कैंडल पर नियंत्रण कर लेते हैं और पहली कैंडल के ओपन प्राइस से नीचे बंद होने से बुलिश सेंटीमेंट को मिटा देते हैं। नतीजतन, बुल्स का ऊपर की ओर का दबाव पूरी तरह से बेअसर हो जाता है।

✓ एक अपट्रेंड में दिखाई देने पर यह एक संभावित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है।

✓ शुरुवात में, छोटी ग्रीन बुलिश कैंडल पर, खरीददार बाजार के नियंत्रण में थे। हालांकि, स्थिति बदल गई जब एक दूसरी बड़ी लाल कॅन्डल दिखाई दी,यह दर्शाता है कि विक्रेताओं ने बाजार पर नियंत्रण कर लिया है।

Scanned with CamScanner

✓ रेड कैंडल गैप अप ओपन होती है लेकिन ग्रीन कैंडल के नीचे बंद होती है। यह ये दर्शाता है की सेलर (विक्रेता) नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं और ट्रेंड रिवर्सल हो सकता है।

✓ कुछ ट्रेडर्स बड़ी रेड कॅन्डल के बाद ही ट्रेड में प्रवेश करते हैं जबकि कुछ अगले कॅन्डल के बड़े रेड कॅन्डल के नीचे बंद होने की प्रतीक्षा करते हैं।

Scanned with CamScanner

७) बुलिश एनगल्फिंग पैटर्न

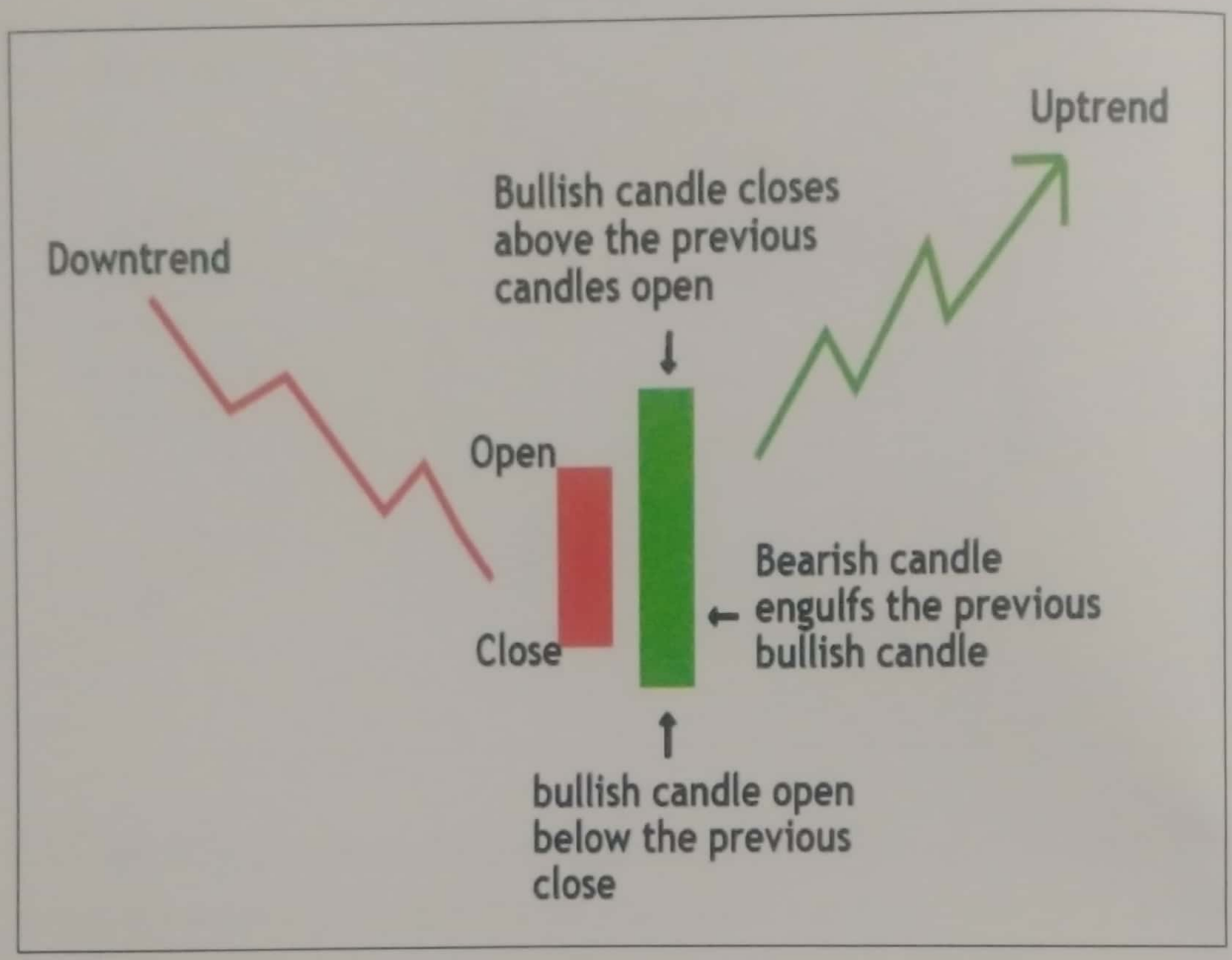

बुलिश एनगल्फिंग पैटर्न एक बुलिश, रिवर्सल कैंडलस्टिक पैटर्न है जिसमें एक छोटी बेयरिश कैंडल होती है जिसके बाद एक बड़ी बुलिश कैंडल होती है जो छोटी रेड कैंडल को घेरती है या निगल लेती है। बुलिश एनगल्फिंग पैटर्न को सभी बुलिश रिवर्सल पैटर्न में सबसे मजबूत माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बुल्स दूसरी कैंडल पर नियंत्रण प्राप्त कर लेते हैं और पहली कैंडल के ओपनिंग प्राइस के ऊपर बंद होकर बेयरिश सेंटीमेंट को मिटा देते हैं। नतीजतन, बेअर्स का नीचे का दबाव पूरी तरह से बेअसर हो जाता है।

Scanned with CamScanner

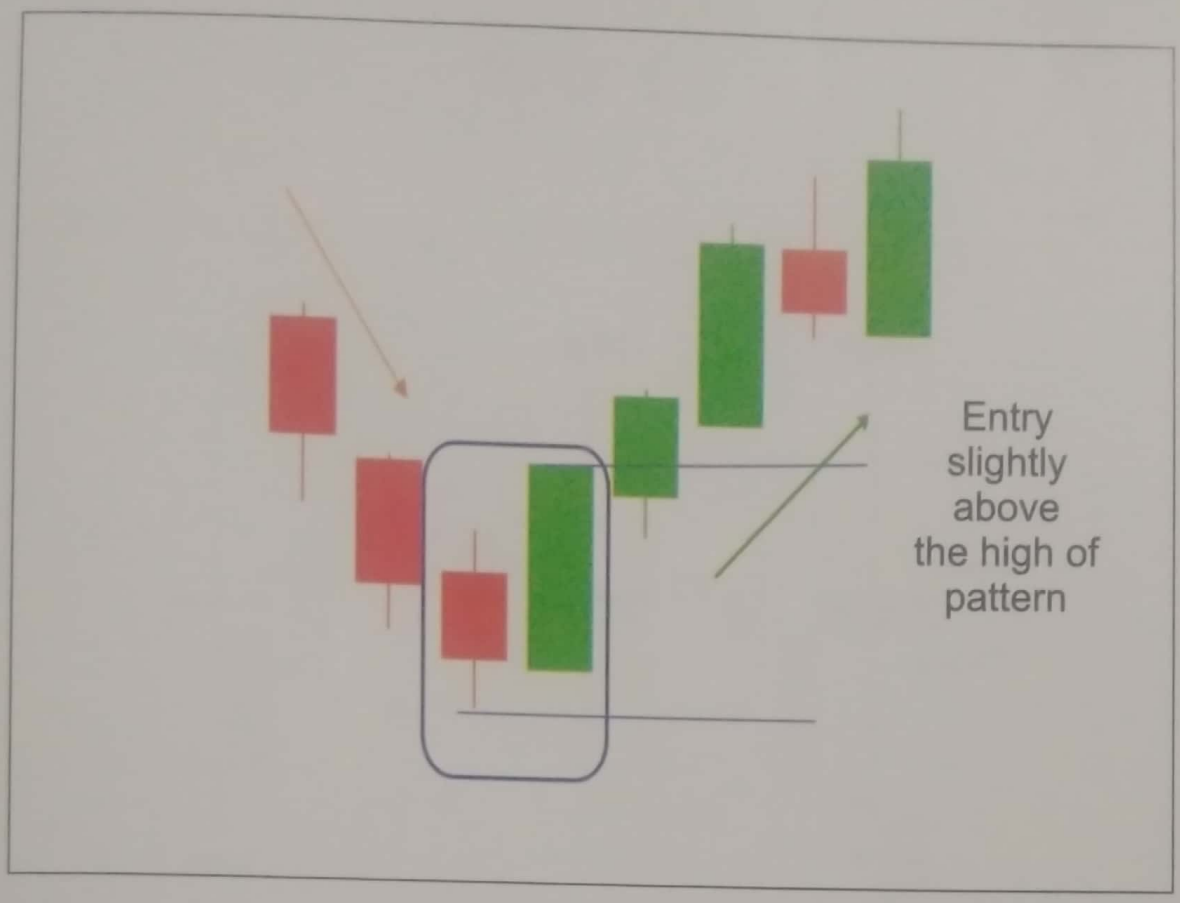

✓ इस पैटर्न के अंत में छोटी रेड कैंडलस्टिक बताती है कि विक्रेता, जिन्हें बेअर्स के रूप में भी जाना जाता है, बाजार के नियंत्रण में थे, जिससे कीमत नीचे चली गई। हालांकि, स्थिति तब बदल गई जब दूसरी बड़ी ग्रीन कैंडलस्टिक दिखाई दी, यह दर्शाता है कि खरीदारों, जिन्हें बुल के रूप में भी जाना जाता है, ने बाजार पर नियंत्रण कर लिया है। ग्रीन कैंडल नीचे गैप डाऊन ओपन है लेकिन रेड कैंडल के ऊपर बंद होती है। यह ये दर्शाता है की बायर नियंत्रण प्राप्त कर रहे हैं और ट्रेंड रिवर्सल हो सकता है।

✓ कुछ ट्रेडर बडे ग्रीन कैंडल के बाद ट्रेड में प्रवेश करते हैं जबकि कुछ अगले कैंडल को बड़े ग्रीन कैंडल के ऊपर बंद होने का इंतजार करते हैं।

Scanned with CamScanner

८) डोजी

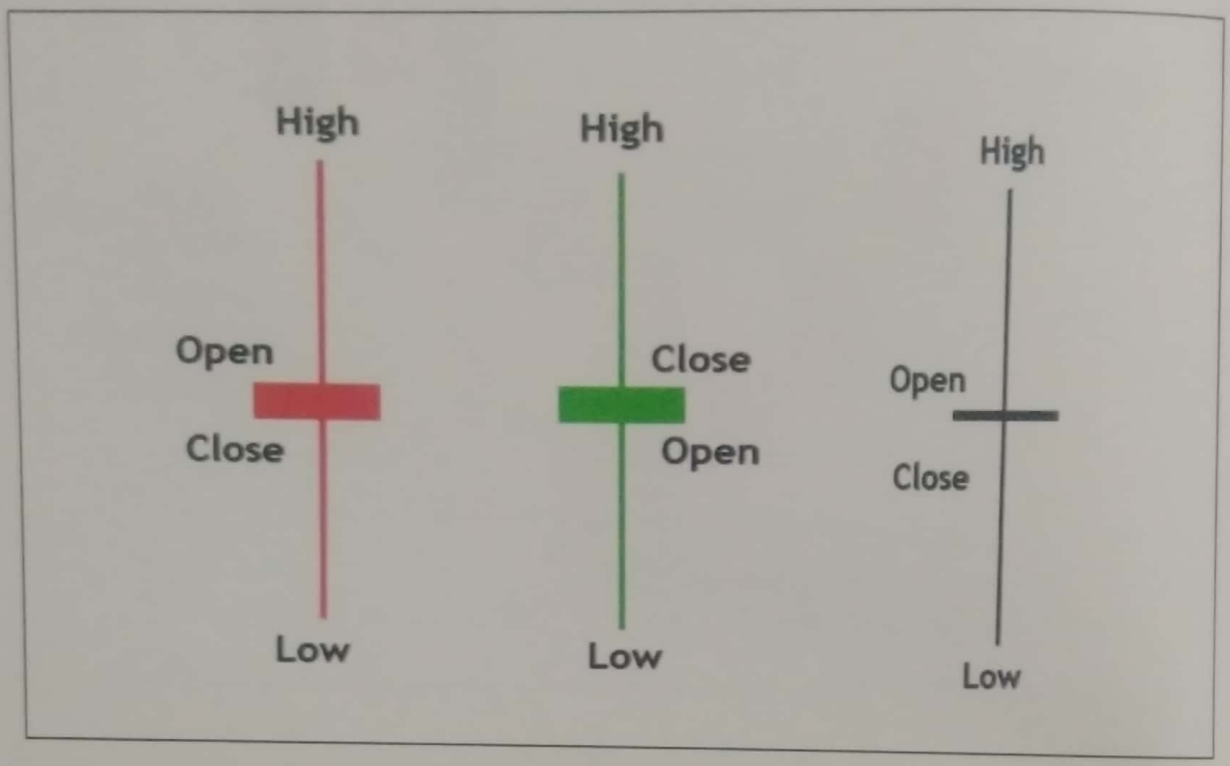

डोजी एक अनिर्णय कॅन्डल है जिसकी बॉडी छोटी होती है और ऊपरी और निचली विक लंबी होती है। कैंडल का ओपन और क्लोज प्राइस बराबर या करीबकरीब बराबर होता है। यह दिखाता है कि सेलर और बायर दोनों लड़ रहे हैं, और कोई भी जीता नहीं है।

- ✓ डोजी कैन्डल बाजार की स्थिति में अनिर्णय को दर्शाता है।
- ✓ यह दर्शाता है की बुल्स या बेअर्स कोई भी नियंत्रण में नहीं है।
- ✓ डोजी की रीयल बॉडी बहुत छोटी और विक बड़ी होती है।
- ✓ यह दिखाता है की पिछला ट्रेंड कमजोर हो रहा है।

Scanned with CamScanner

मार्केट सर्वोच्च है। कभी भी कुछ भी हो सकता है। इसलिए, यदि मार्केट
आपके विपरीत काम कर रहा है, तो लॉस को स्वीकार करें
और ट्रेड से बाहर निकलें।

Scanned with CamScanner

९) मॉर्निंग स्टार

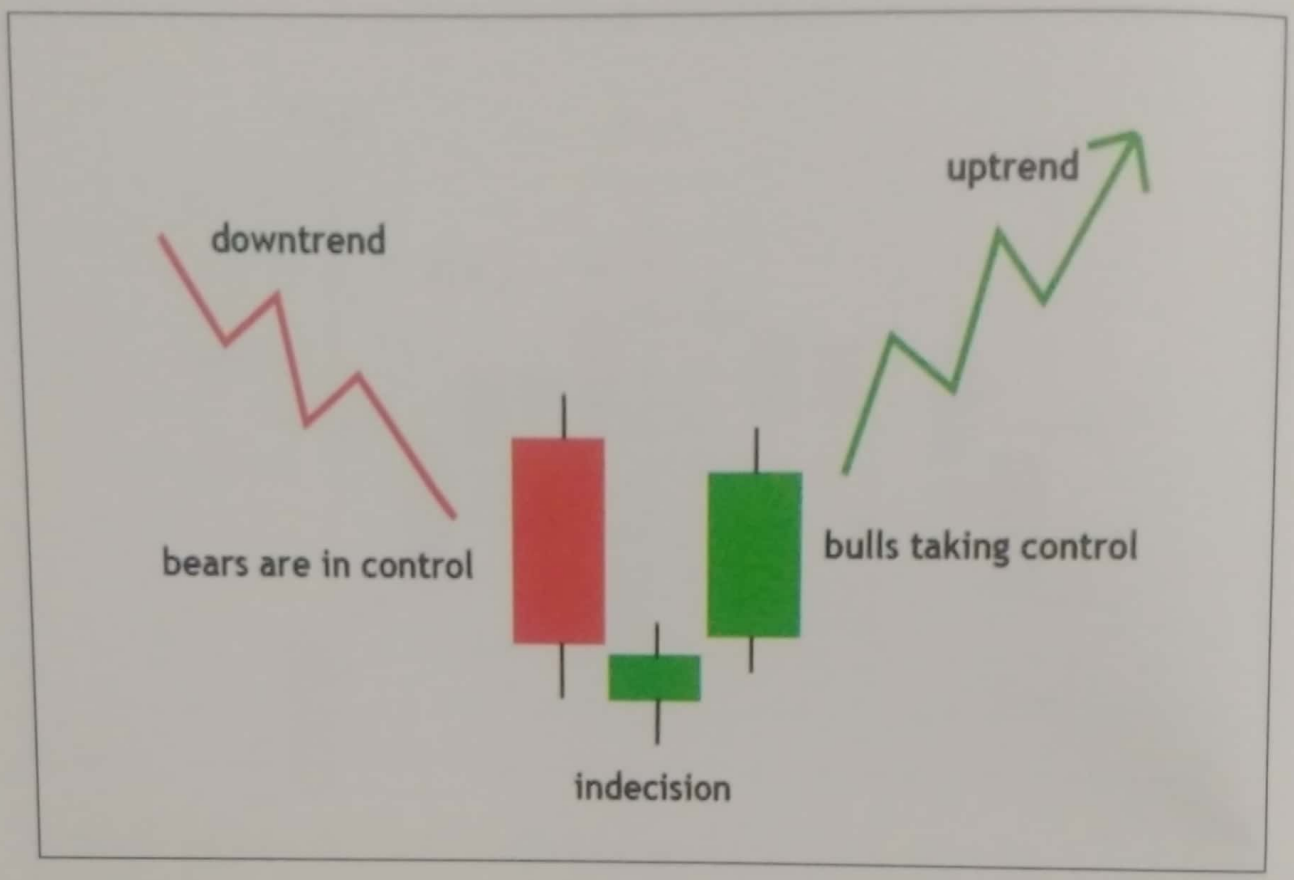

मॉर्निंग स्टार एक बुलिश कैंडलस्टिक पैटर्न है जिसमें ३ कैंडल्स होती हैं। यह डाउनट्रेंड के अंत में दिखाई देता है और संकेत देता है कि डाउनट्रेंड रिवर्स हो सकता है।

मॉर्निंग स्टार पैटर्न के पीछे की साइकॉलजी:

- ✓ पहली कैंडल लाल रंग की है जो दर्शाती है कि बेयर्स नियंत्रण में हैं।
- ✓ दूसरी कैंडल डोजी है जो बाजार में अनिर्णय को दर्शाती है।
- ✓ तीसरी कैंडल हरे रंग की है जो दर्शाती है कि बुल्स नियंत्रण प्राप्त कर रहे हैं और डाउनट्रेंड अपट्रेंड में बदल सकता है।

Scanned with CamScanner

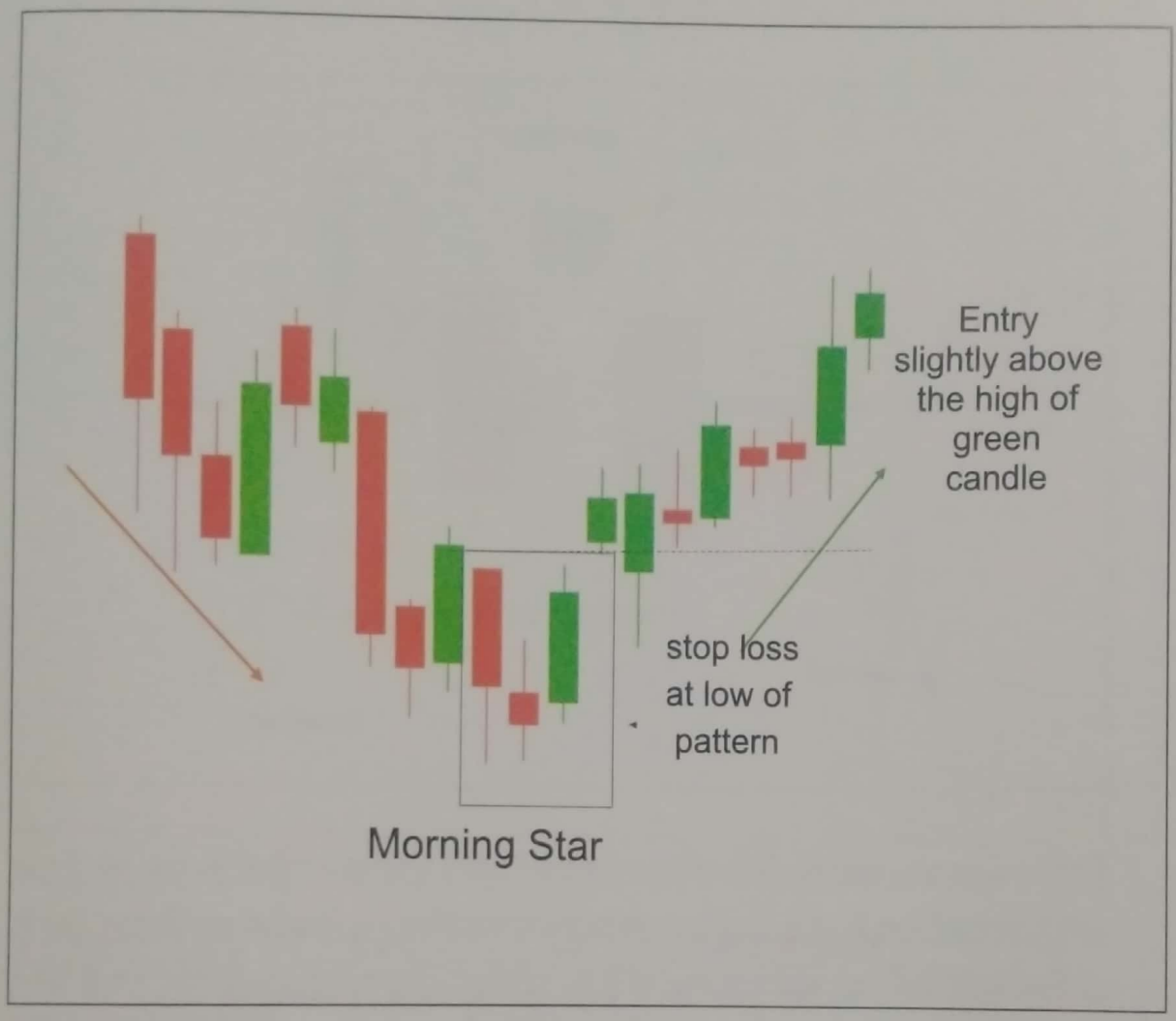

हर ट्रेड और हर मार्केट की स्थिति युनिक होती है। एक ट्रेड
दूसरे के समान कार्य नहीं कर सकता।

Scanned with CamScanner

90) ईवनिंग स्टार

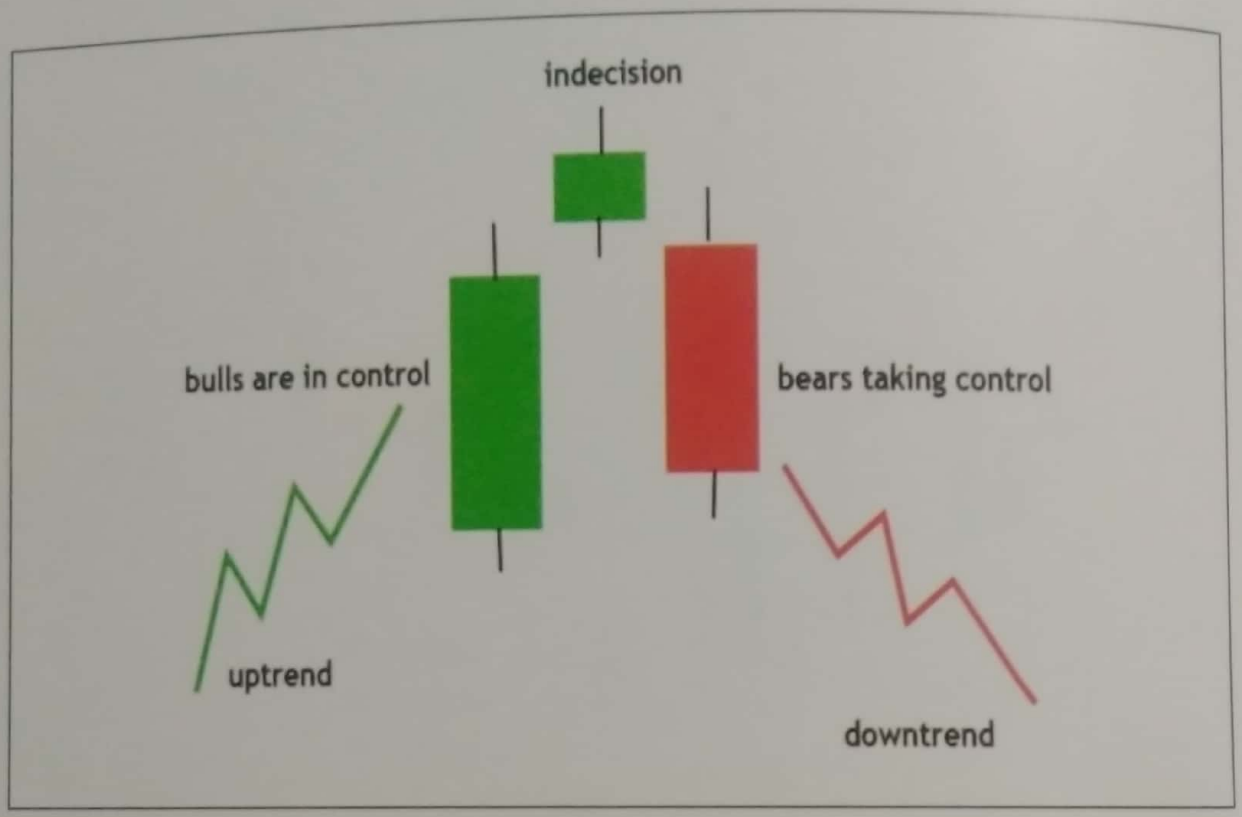

ईवनिंग स्टार एक बेयरिश कैंडलस्टिक पैटर्न है जिसमें ३ कैंडल्स होती हैं। यह अपट्रेंड के अंत में दिखाई देता है और अपट्रेंड से डाउनट्रेंड में संभवित ट्रेंड रिवर्सल का सिग्नल देता है। इवनिंग स्टार पैटर्न यह संकेत दे सकता है कि बुलिश मोमेंटम खो रहा है और बेयर्स जल्द ही कंट्रोल ले सकते हैं। यह ट्रेडर् और निवेशकों के लिए एक चेतावनी संकेत हो सकता है कि वे अपने लॉन्ग पोजिशन को बंद करने या संभवित रूप से नए शॉर्ट पोजिशन मे एंटर होने पर विचार कर सकते है।

इवनिंग स्टार पैटर्न के पीछे की साइकॉलजी

- ✓ पहली कैंडल ग्रीन है जो दर्शाती है कि बुल्स नियंत्रण में हैं।
- ✓ दूसरी कैंडल एक डोजी है जो बाजार में अनिर्णय को दर्शाती है।

Scanned with CamScanner

11) हेड एंड शोल्डर

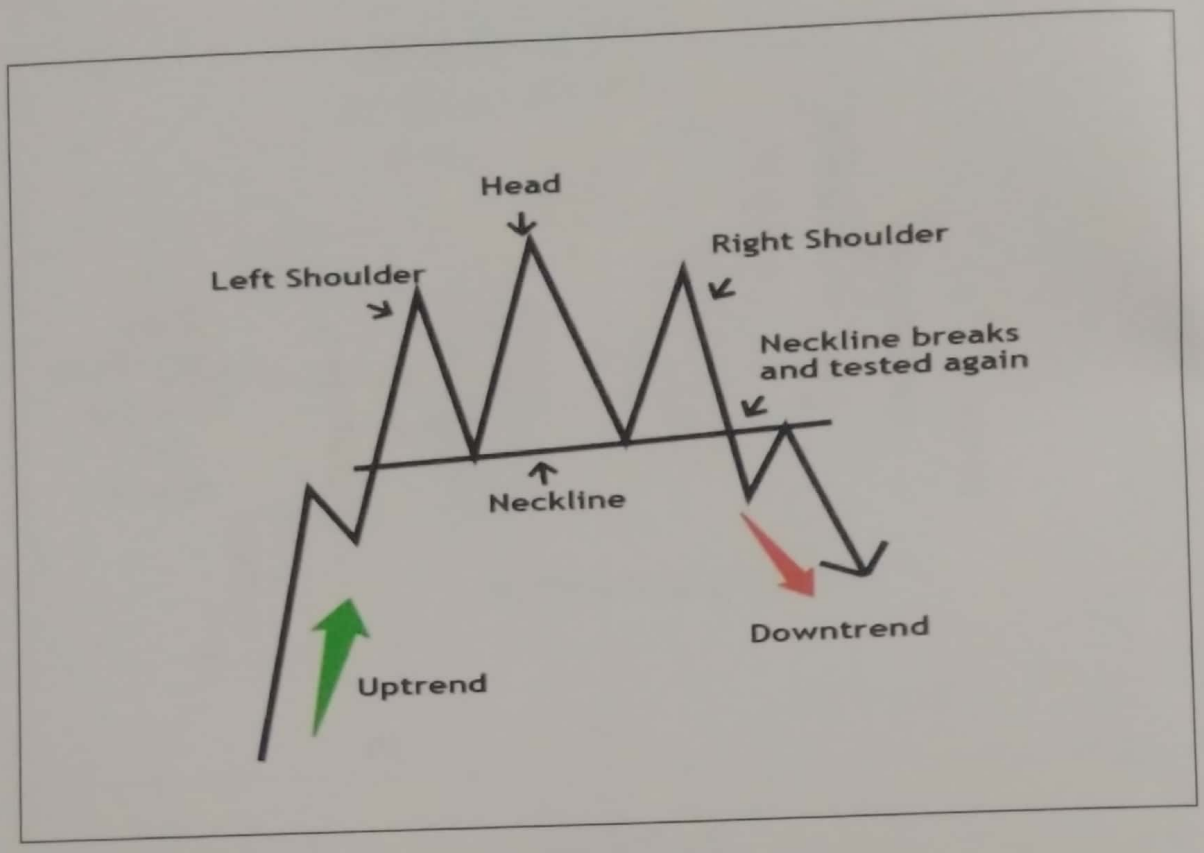

हेड एंड शोल्डर पैटर्न एक बेयरिश रिवर्सल पैटर्न है जो एक अपट्रेंड के अंत में दिखाई देता है।

- ✓ इसमें २ शोल्डर (लेफ्ट शोल्डर और राइट शोल्डर) हैं जो एक ही स्तर पर हैं और मिडल हेड उच्च स्तर पर है।
- ✓ पैटर्न तब पूरा हो जाता है जब प्राइस नेकलाइन के नीचे गिर जाती है। नेकलाइन एक सपोर्ट लेवल है जो दो शोल्डर्स के निचले हिस्से को जोड़ता है।
- ✓ वॉल्यूम लेफ्ट शोल्डर से राइट शोल्डर तक घटना चाहिए।

Scanned with CamScanner

✓ राइट शोल्डर, हेड की ऊंचाई तक पहुंचने में विफल रहता है।

✓ जब नेकलाइन टूट जाती है, तो कीमत आमतौर पर इसे कम वॉल्यूम पर फिर से रिटेस्ट करती है।

✓ मिनीमम टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से नीचे की ओर प्रक्षेपित हेड की ऊंचाई के बराबर हो सकता है। टार्गेट सपोर्ट लेवल, गॅपस् और अन्य तकनीकी विश्लेषण पर भी निर्भर करेगा।

अगर आपका कोई बड़ा लॉस हो गया है तो उस दिन ब्रेक लें, अगला ट्रेड करने से पहले कुछ और चीज करें। लॉस और अगले ट्रेड के बीच कुछ समय लगाएं।

Scanned with CamScanner

१२) इनवर्स हेड एंड शोल्डर

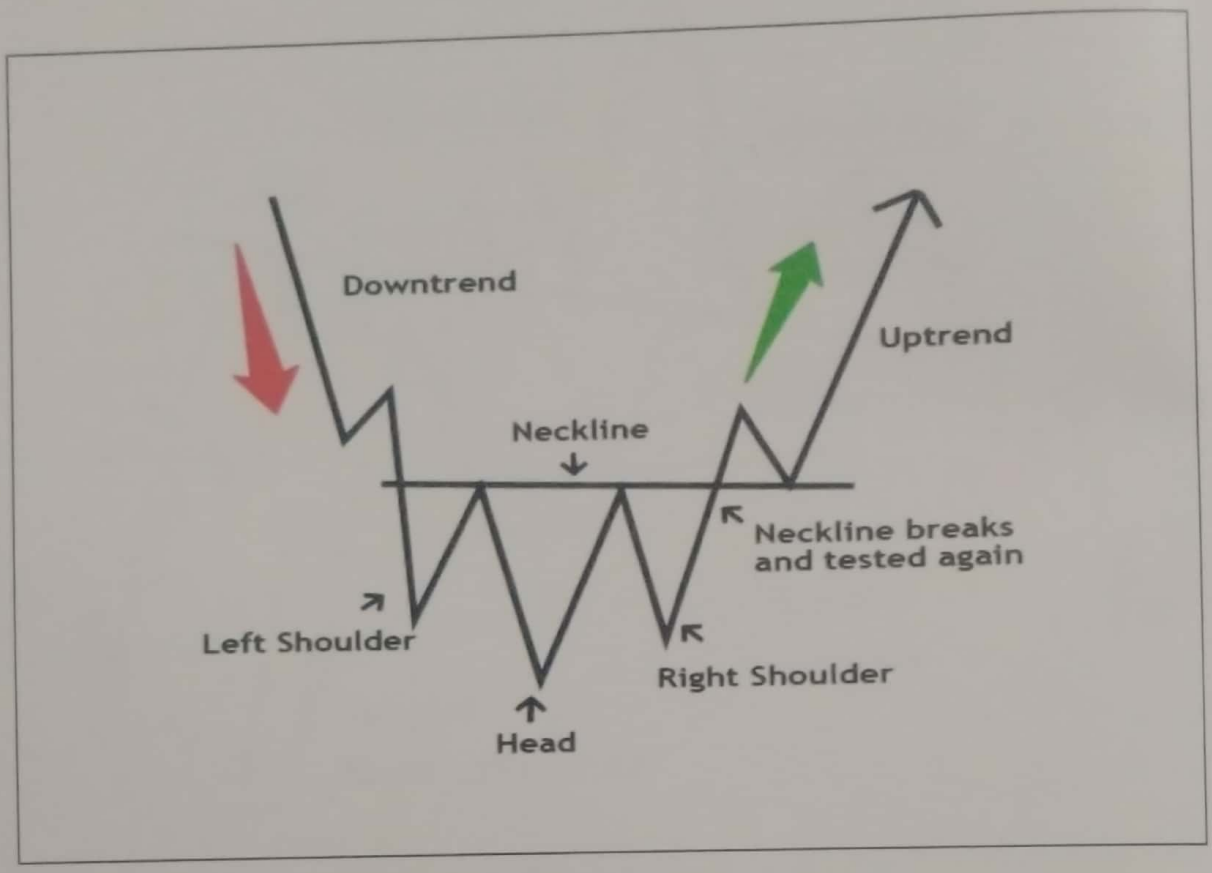

इनवर्स हेड एंड शोल्डर एक बुलिश, ट्रेंड रिवर्सल पैटर्न है जो डाउनट्रेंड के अंत में दिखाई देता है।

- ✓ इसमें २ घाटियाँ/ व्हॅली है (लेफ्ट शोल्डर और राइट शोल्डर),जो एक ही स्तर पर हैं और मिडल हेड थोड़ा नीचले स्तर पर है।
- ✓ प्राइस जब नेकलाइन को ब्रेक करके उसके ऊपर क्लोज़ देती है तो पैटर्न की पुष्टि हो जाती है।
- ✓ इस पैटर्न मे नेकलाइन पर प्राइस का रिटेस्ट, हेड अँड शोल्डर पैटर्न की तुलना में अधिक सामान्य होता है।

Scanned with CamScanner

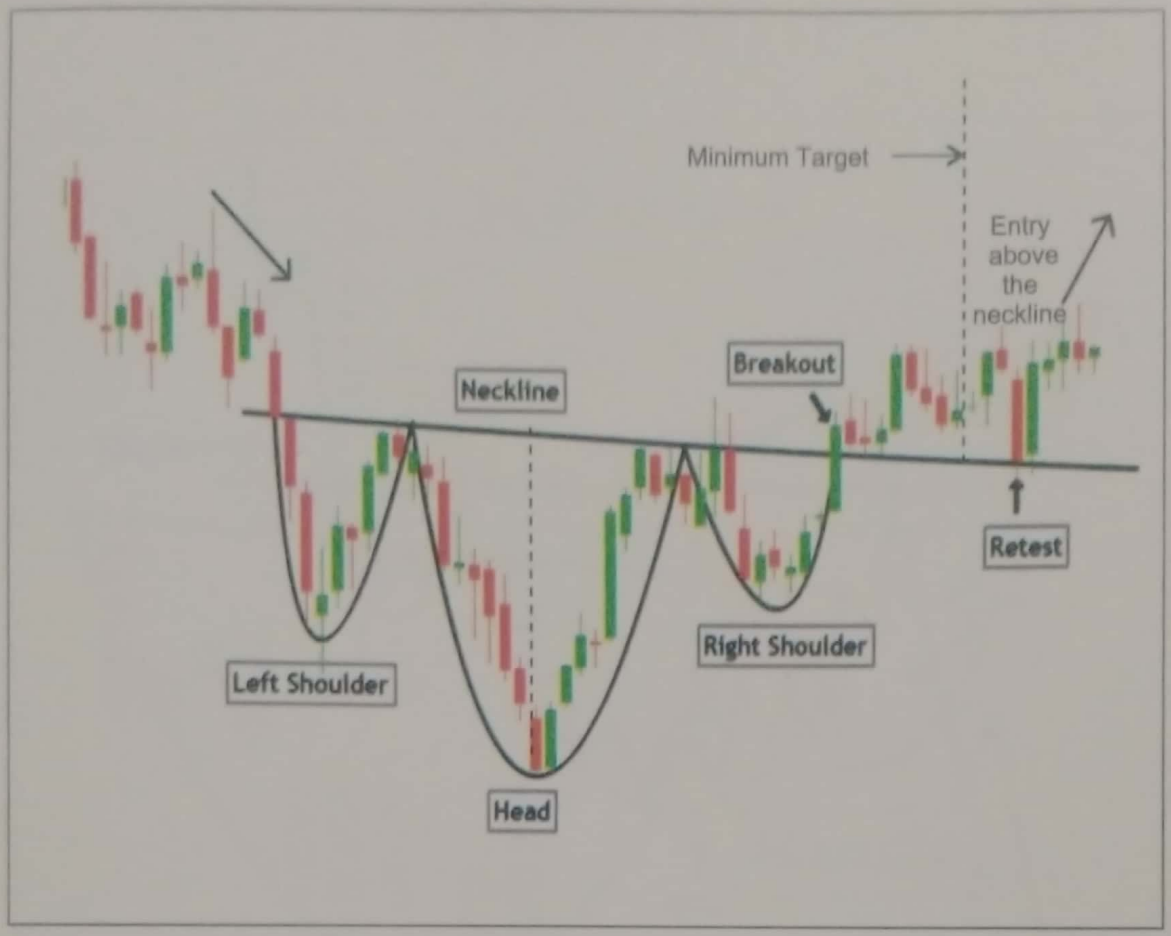

✓ प्राइस नेकलाइन को ब्रेक करने के बाद उसे कम वॉल्यूम पर रिटेस्ट करता है।

✓ मिनीमम टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से ऊपर की ओर प्रक्षेपित हेड की लंबाई के बराबर हो सकता है। लक्ष्य रेसिस्टनस् लेवल, गॅपस् और अन्य तकनीकी विश्लेषण पर भी निर्भर करेगा।

Scanned with CamScanner

१३) कप एण्ड हैंडल

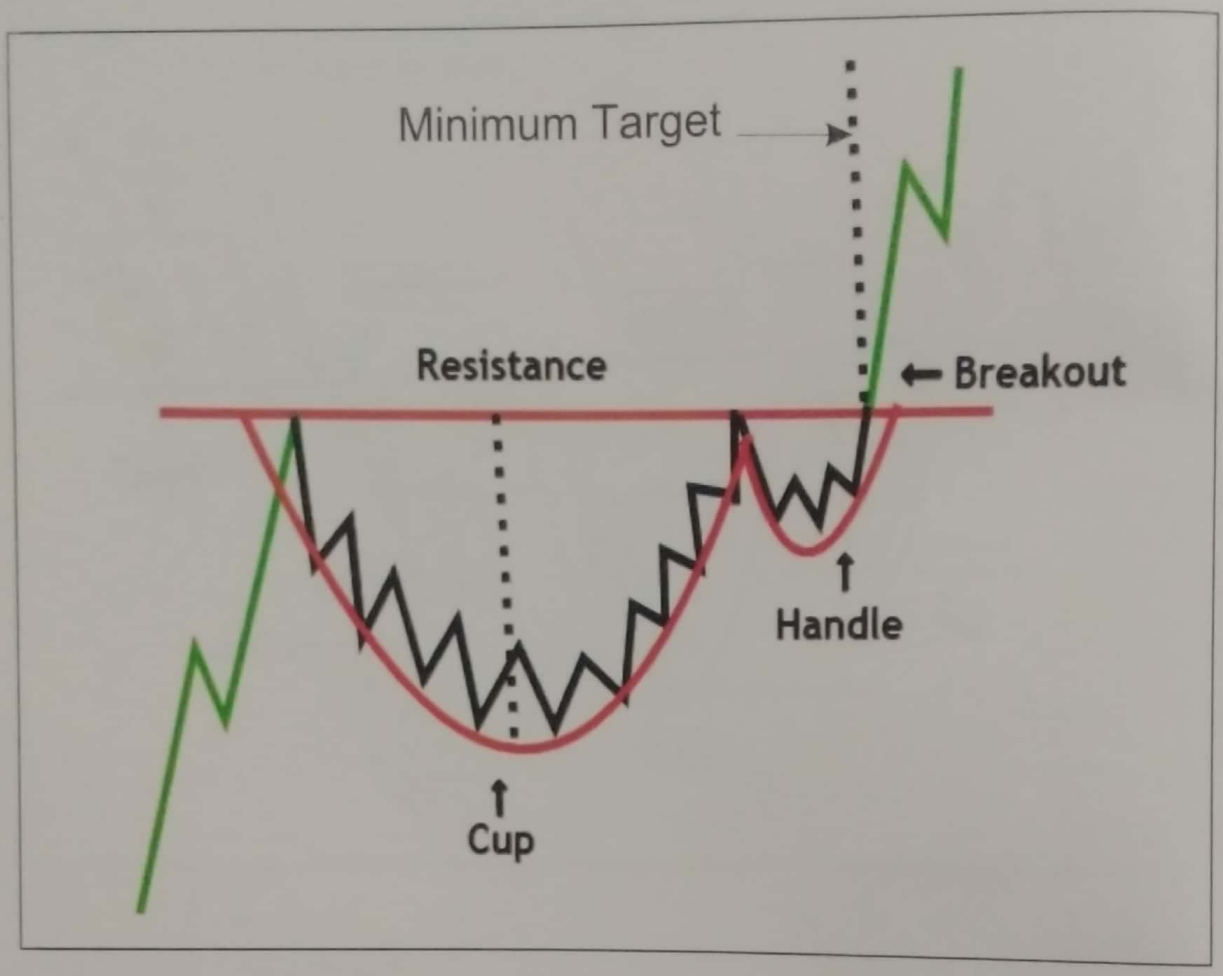

- ✓ कप एण्ड हैंडल एक तेजी को जारी रखने वाला पैटर्न है जो एक कप के आकार के तल और छोटे रिट्रेसमेंट द्वारा बनता एक हैंडल की तरह दिखता है।
- ✓ हैंडल कम वॉल्यूम के साथ बनता है।
- ✓ रेसिस्टनस् लाइन को तोड़ना और उसके उपर प्राइस बंद होना पैटर्न की पुष्टि करता है।
- ✓ टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से ऊपर की ओर प्रक्षेपित कप की ऊंचाई हो सकता है।

Scanned with CamScanner

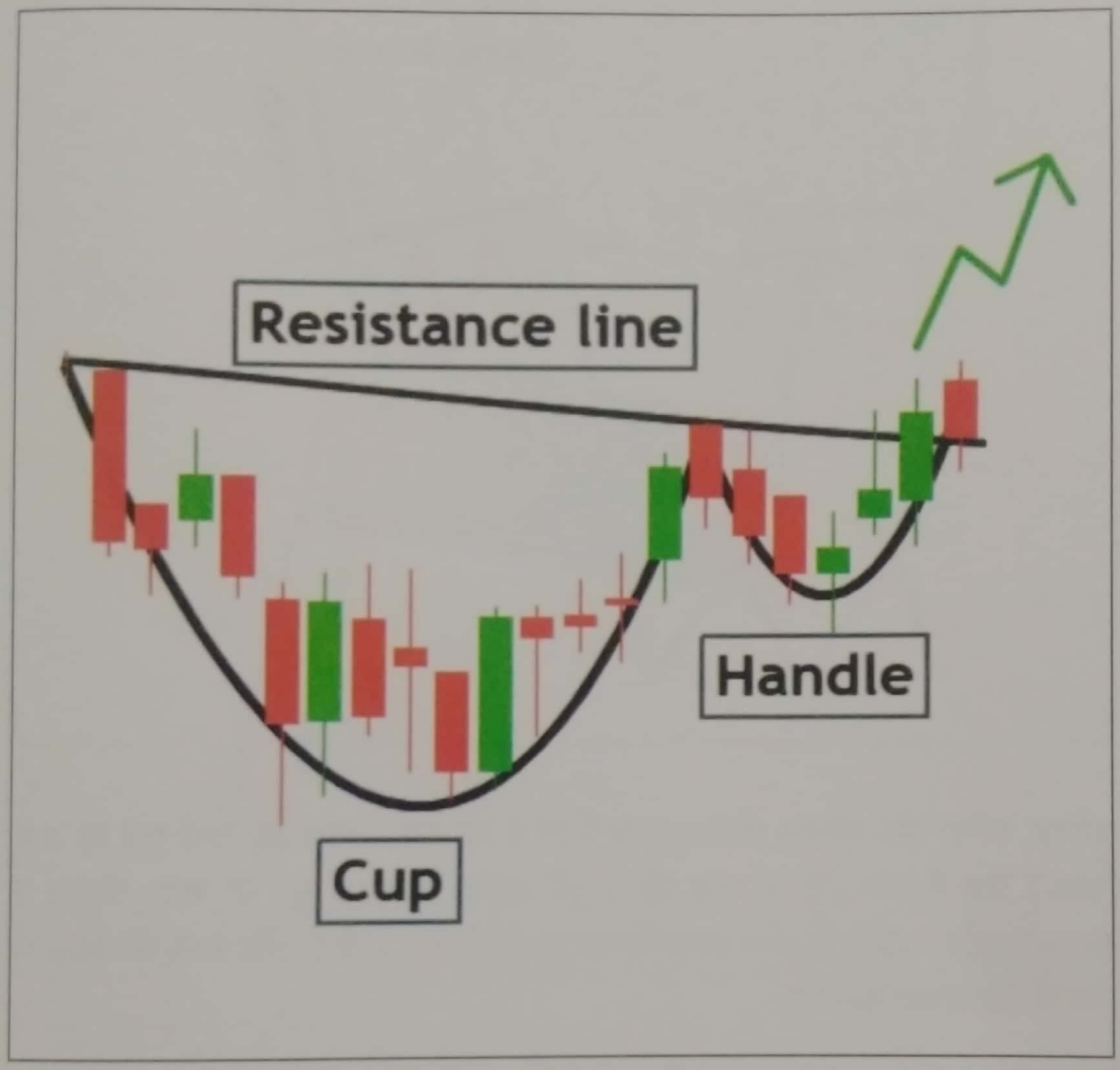

हमारा फोकस पैसा कमाने पर नही बल्की हमारे पास जो कॅपिटल है
उसको प्रोटेक्ट करने पर होना चाहिये ।

Scanned with CamScanner

१४) बुलिश फ्लैग

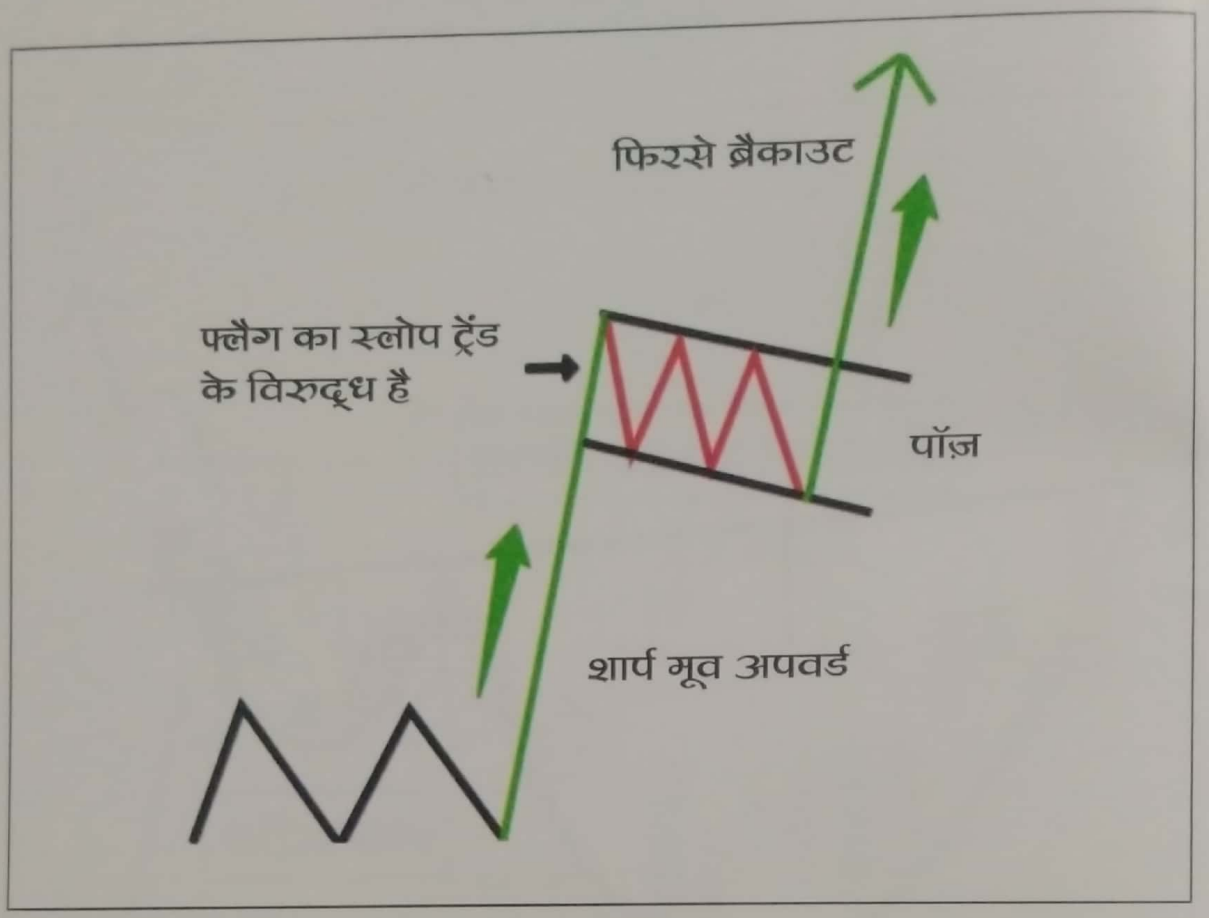

बुलिश फ्लैग एक बुलिश कंटीन्यूएशन पैटर्न है जो एक अपसाइड शार्प मुव के बाद दिखाई देता है और ट्रेंड के पॉज़ एरिया को दर्शाता है। शार्प मुव के बाद, कीमत २ समानांतर ट्रेंड लाइनों के बीच कनसॉलिडेट करके विराम लेती है और ऊपर की दिशा में फिर से ब्रेकआउट करती है।

- ✓ आमतौर पर यह अपट्रेंड के बीच में दिखाई देता हैं।
- ✓ कनसॉलिडेशन क्षेत्र में वॉल्यूम थोड़ा कम होता है।
- ✓ प्राइस जब ऊपरी ट्रेंडलाइन को ब्रेक करके उसके ऊपर क्लोज़ देती है, तो ट्रेडर एंट्री कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

✓ टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से ऊपर की ओर प्रक्षेपित पिछले पोल की लंबाई हो सकता है।

Scanned with CamScanner

१५) बेयरीश फ्लैग

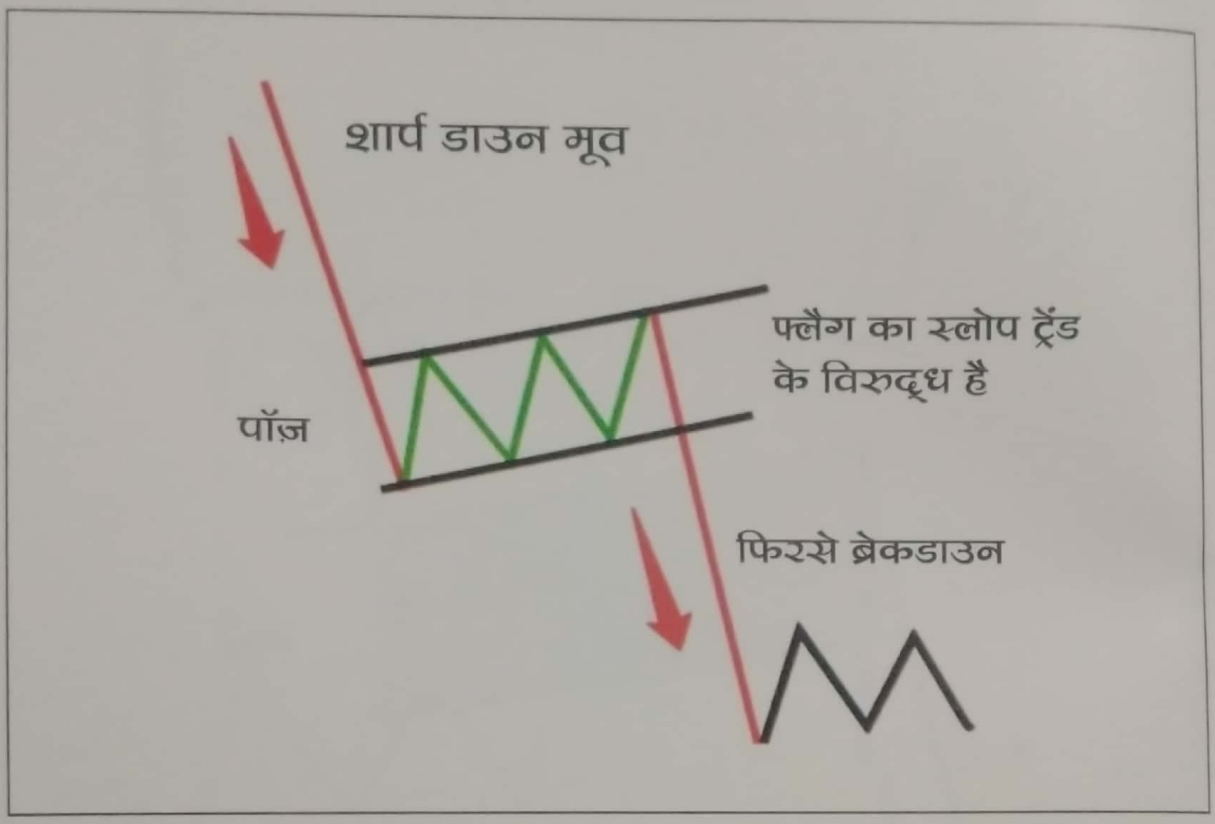

बेयरिश फ्लैग एक बेयरिश, कंटीन्यूएशन पैटर्न है जो शार्प डाउन मूव के बाद दिखाई देता है और ट्रेंड मे पॉज़ को दर्शाता है। तेज गिरावट के बाद, कीमत रुक जाती है और २ समानांतर ट्रेंड लाइनों के बीच कनसॉलिडेट हो जाती है और फिर से नीचे की दिशा में ब्रेकाउट देती है।

- ✓ आमतौर पर बेयरिश फ्लैग डाउनट्रेंड के बीच में दिखाई देता हैं।
- ✓ पॉज एरिया में वॉल्यूम थोड़ा कम होता है।
- ✓ प्राइस जब नीचे के ट्रेंड लाइन को ब्रेक करे और उसके नीचे बंद हो तो ट्रेडर एंट्री कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

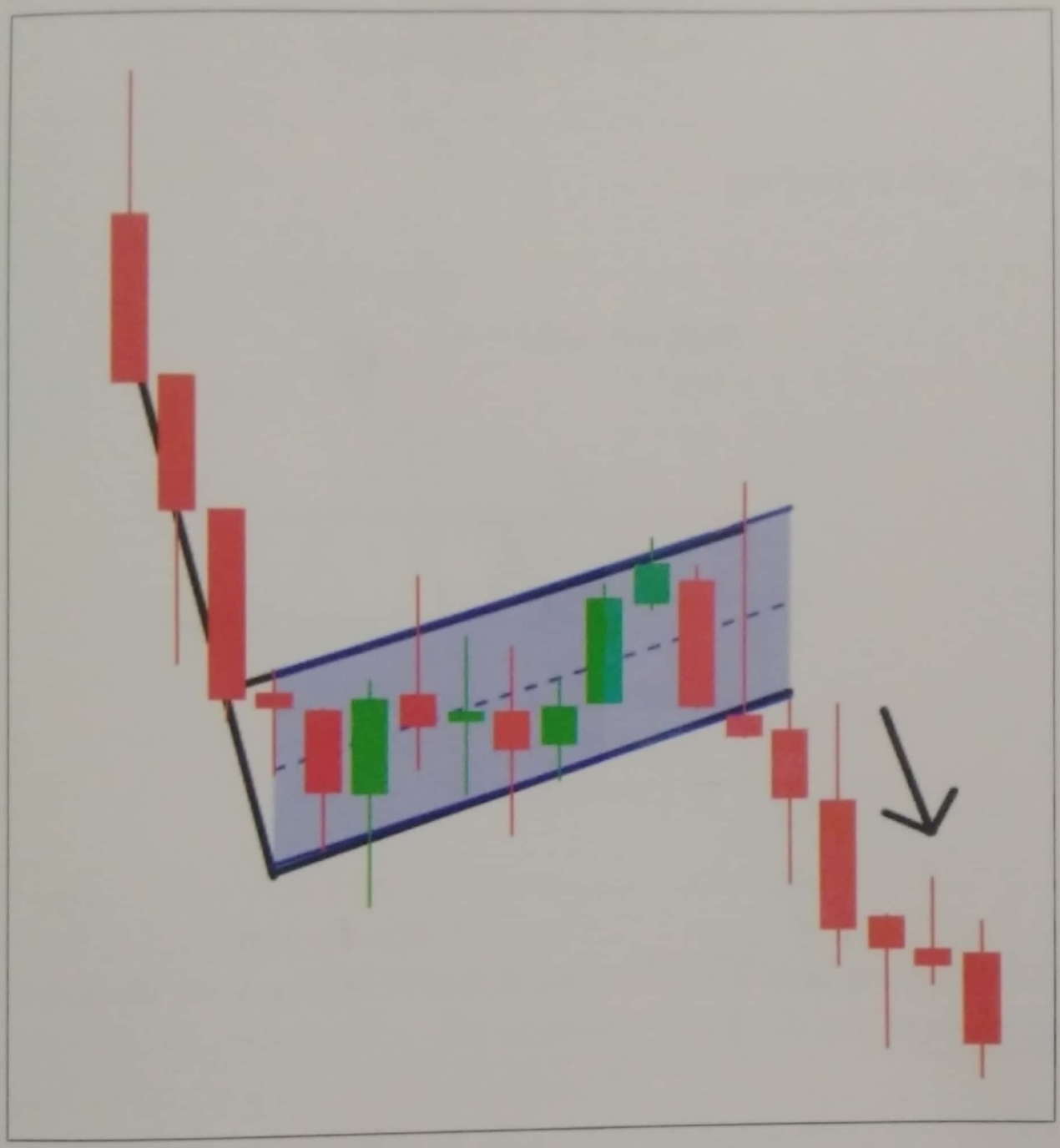

✓ टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से नीचे की ओर प्रक्षेपित पिछले पोल की लंबाई हो सकता है।

Scanned with CamScanner

१६) रेक्टेंगल

अ) बुलिश रेक्टेंगल

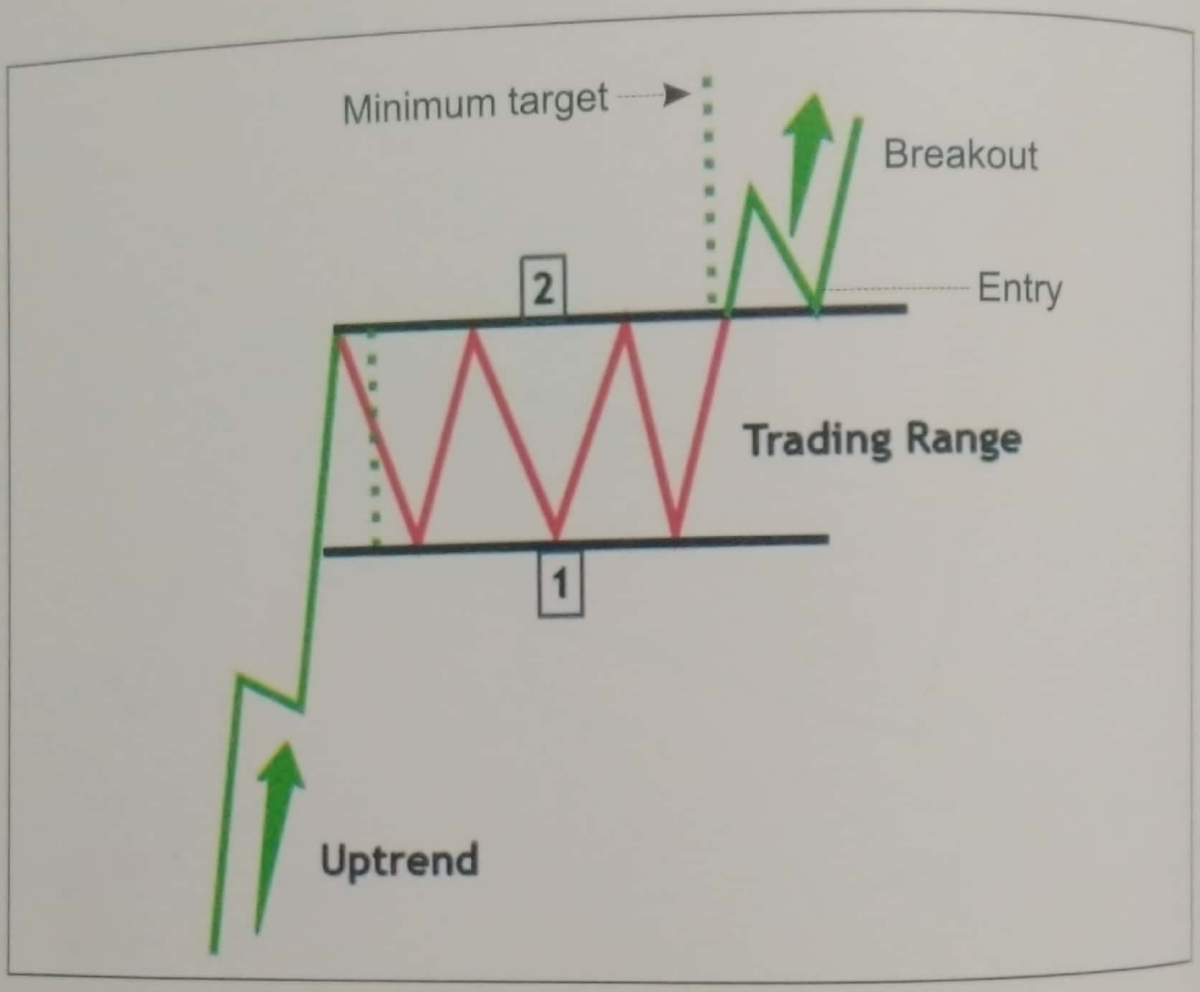

रेक्टेंगल पैटर्न अपट्रेंड या डाउनट्रेंड में बन सकता है। बुलिश रेक्टेंगल के मामले में, यह अपट्रेंड में बनता है जहां प्राइस २ होरीझोंटल सपोर्ट और रेसिस्टनस् लाइनों के बीच कनसॉलिडेट होती हैं और आमतौर पर ट्रेंड की दिशा में ब्रेकआउट करती हैं।

Scanned with CamScanner

ब) बेयरिश रेक्टेंगल

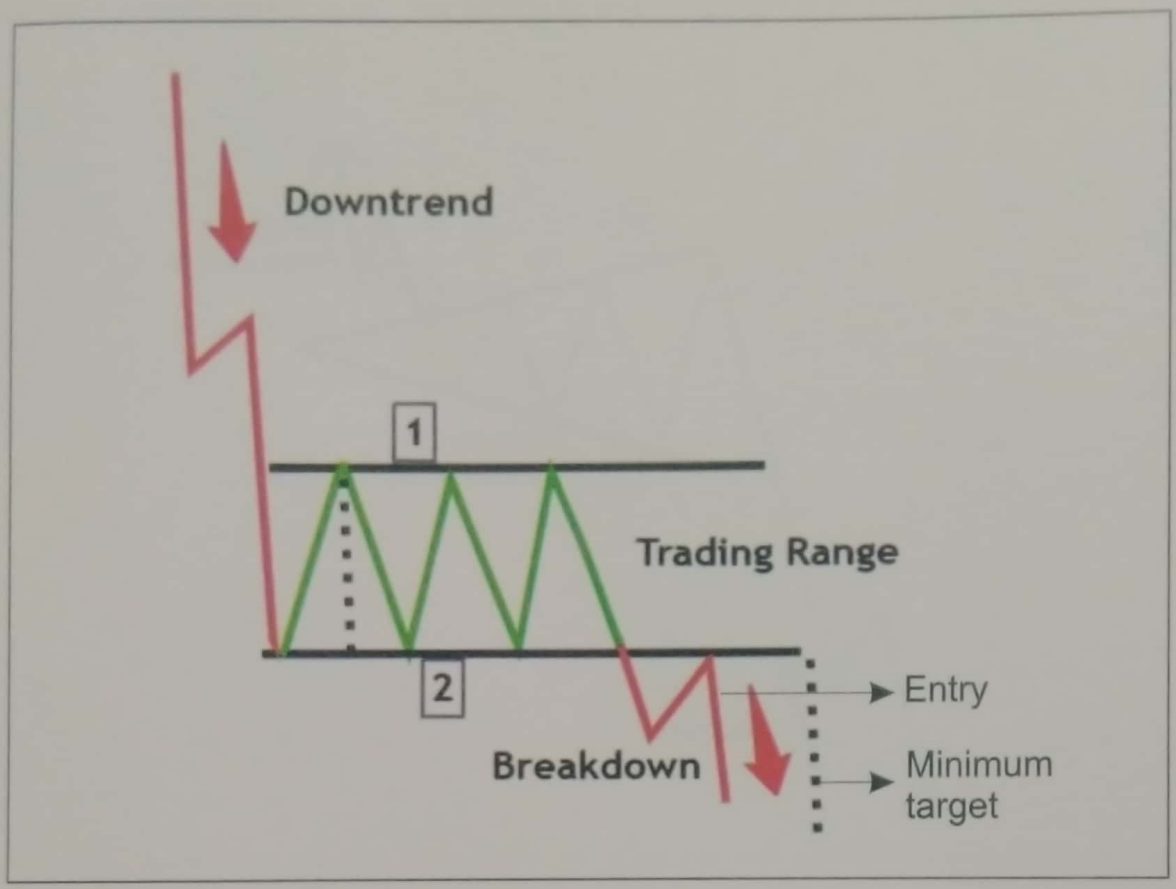

✓ बेयरिश रेक्टेंगल के मामले में, यह एक डाउनट्रेंड में बनता है जहां प्राइस २ होरीझोंटल सपोर्ट और रेसिस्टनस् लाइनों के बीच कनसॉलिडेट होती हैं और आमतौर पर ट्रेंड की दिशा में ब्रेकआउट होती हैं, जो नीचे की ओर होती है।

✓ मीनीमम टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से प्रक्षेपित आयत (रेक्टेंगल) की ऊंचाई हो सकता है।

✓ कुछ ट्रेडर रेक्टेंगल कनसॉलिडेशन क्षेत्र में भी ट्रेड करते हैं जहां वे ऊपरी रेसिस्टनस् ट्रेंडलाइन क्षेत्र में बेचते हैं और निचले ट्रेंडलाइन पर खरीदते है।

Scanned with CamScanner

१७) बुलिश सीमेट्रिकल ट्राइएंगल

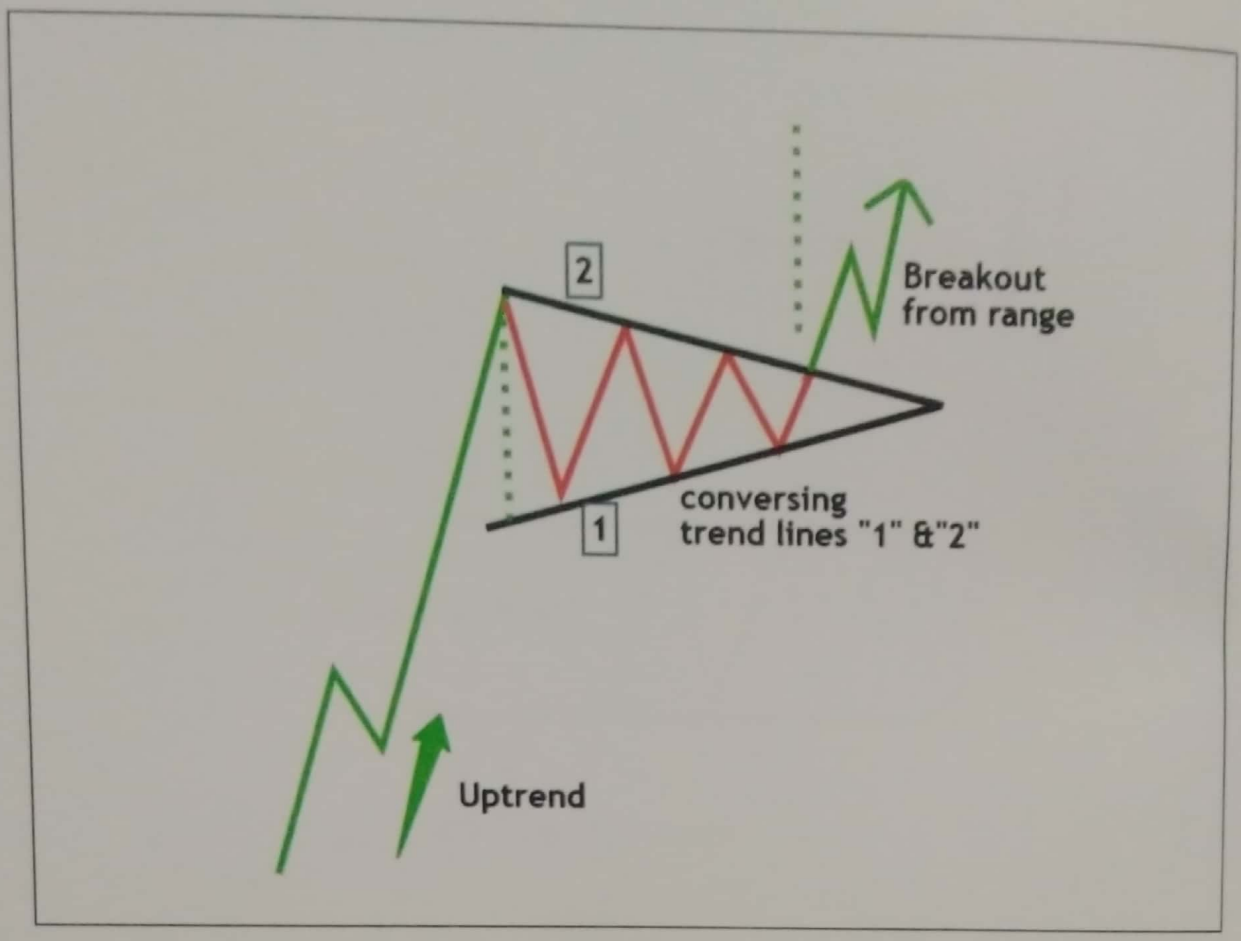

बुलिश सीमेट्रिकल ट्राइएंगल एक ट्रेंड कन्टिन्यूऐशन पैटर्न है जो अपट्रेंड में तयार होता है। प्राइस २ ट्रेंडलाइनों के बीच कनसॉलिडेट होती हैं, जिनमें एक समान स्लोप होता है। पैटर्न जैसे जैसे डिवेलप होता जाता है, ट्रेंडलाइन के बीच का अंतर कम होता जाता है और लास्ट मे प्राइस एक छोटी रेंज मे ट्रेड करने लगती है जहा बायर्स और सेलर्स लगभग समान हो जाते है।

✓ ट्रेंडलाइन के उपर ब्रेकआउट, पैटर्न को पूरा करता है।

✓ टार्गेट ऊपर की ओर प्रक्षेपित ट्राइएंगल बेस की लंबाई हो सकता है।

Scanned with CamScanner

१८) असेंडिंग ट्रायअँगल

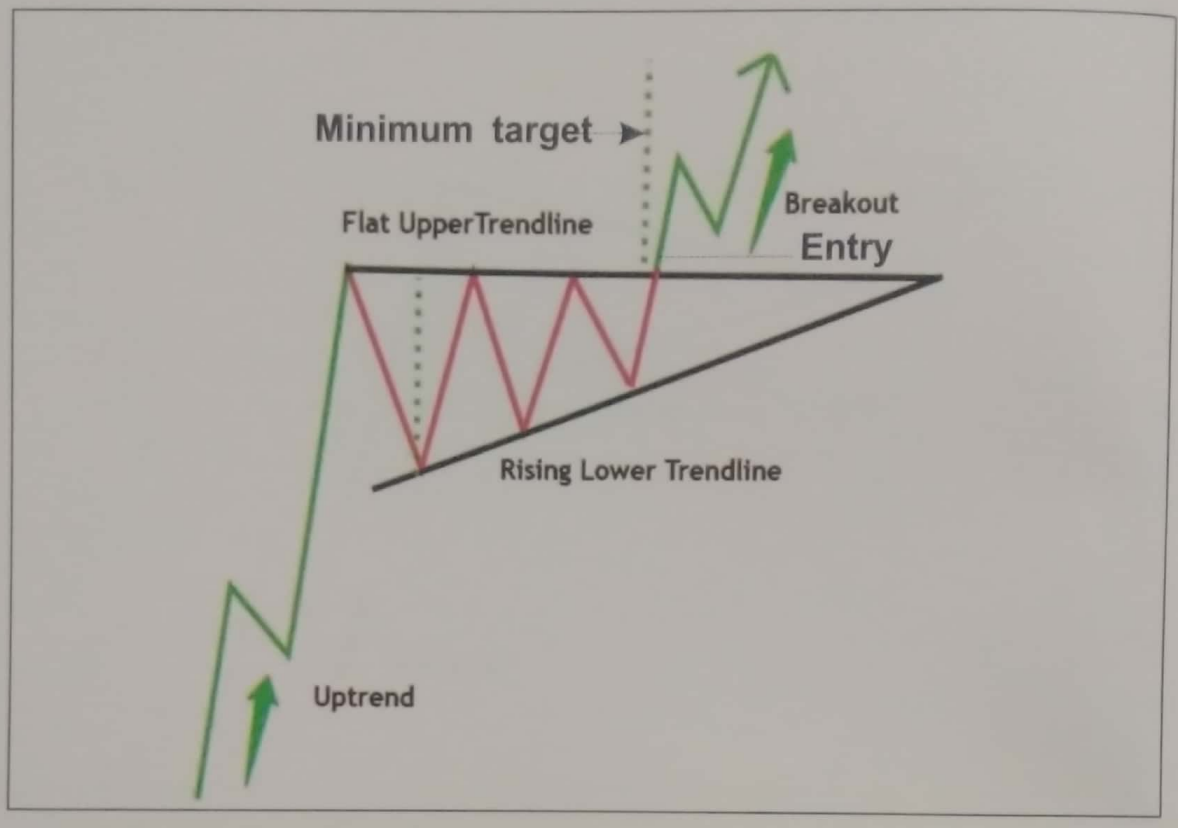

असेंडिंग ट्रायअँगल एक तेजी को जारी रखने वाला पैटर्न है जो एक अपट्रेंड में दिखाई देता है। ऊपरी ट्रेंडलाइन सपाट है और निचली ट्रेंडलाइन बढ़ रही है। यह दर्शाता है कि खरीदार (बुल्स) हाय प्राइस पर भी खरीदारी करने को तैयार हैं और यह दर्शाता है कि वे विक्रेताओं (बेअर्स) की तुलना में अधिक आक्रामक हैं।

✓ हॉरिझोंन्टल लाइन के ऊपर ब्रेक और कैन्डल क्लोज, पैटर्न की पुष्टि करता है।

✓ ब्रेकआउट पॉइंट से ऊपर की ओर प्रक्षेपित त्रिकोण की ऊंचाई मिनीमम टार्गेट हो सकता है।

Scanned with CamScanner

✓ ब्रेकआउट के बाद ऊपरी रेसिस्टनस् ट्रेंडलाइन सपोर्ट बन जाती है।

Scanned with CamScanner

१९) डिसेंडिंग ट्रायअँगल

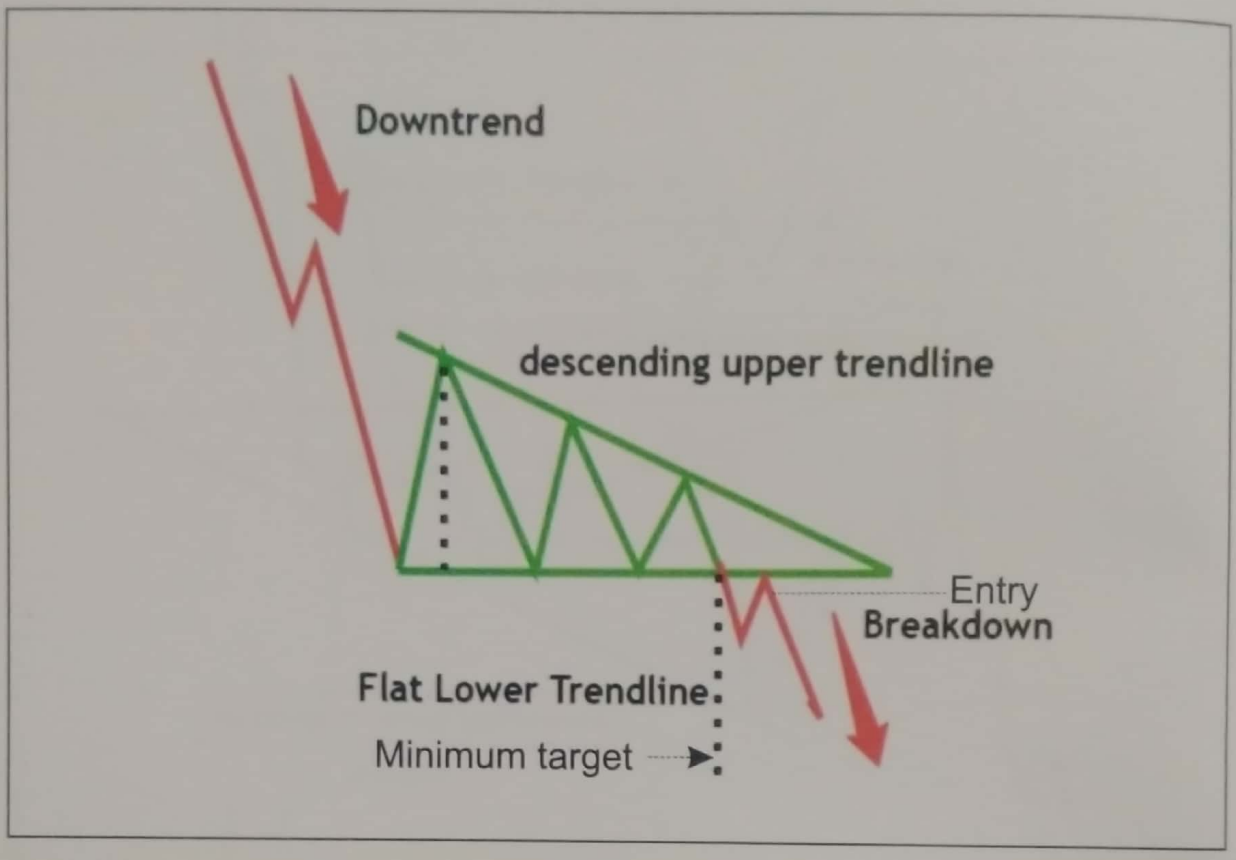

डिसेंडिंग ट्रायअँगल एक मंदी को जारी रखने वाला पैटर्न है जो एक डाउनट्रेंड में दिखाई देता है। फ्लैट निचली ट्रेंडलाइन और डिसेंडिंग ऊपरी ट्रेंडलाइन दर्शाती है कि सेलर्स और भी कम कीमतों पर बेचने को तैयार हैं और यह दर्शाता है कि वे बायर्स की तुलना में अधिक आक्रामक हैं।

- ✓ हॉरिझोंन्टल लाइन के नीचे ब्रेक और कैन्डल क्लोज, पैटर्न की पुष्टि करता है।
- ✓ ब्रेकडाउन पॉइंट से नीचे की ओर प्रक्षेपित ट्रायअँगल की ऊंचाई मीनीमम टार्गेट हो सकता है।

Scanned with CamScanner

✓ ब्रेकडाउन के बाद लोवर ट्रेंडलाइन रेजिस्टेंस बन जाती है।

Scanned with CamScanner

२०) ट्रिपल टॉप

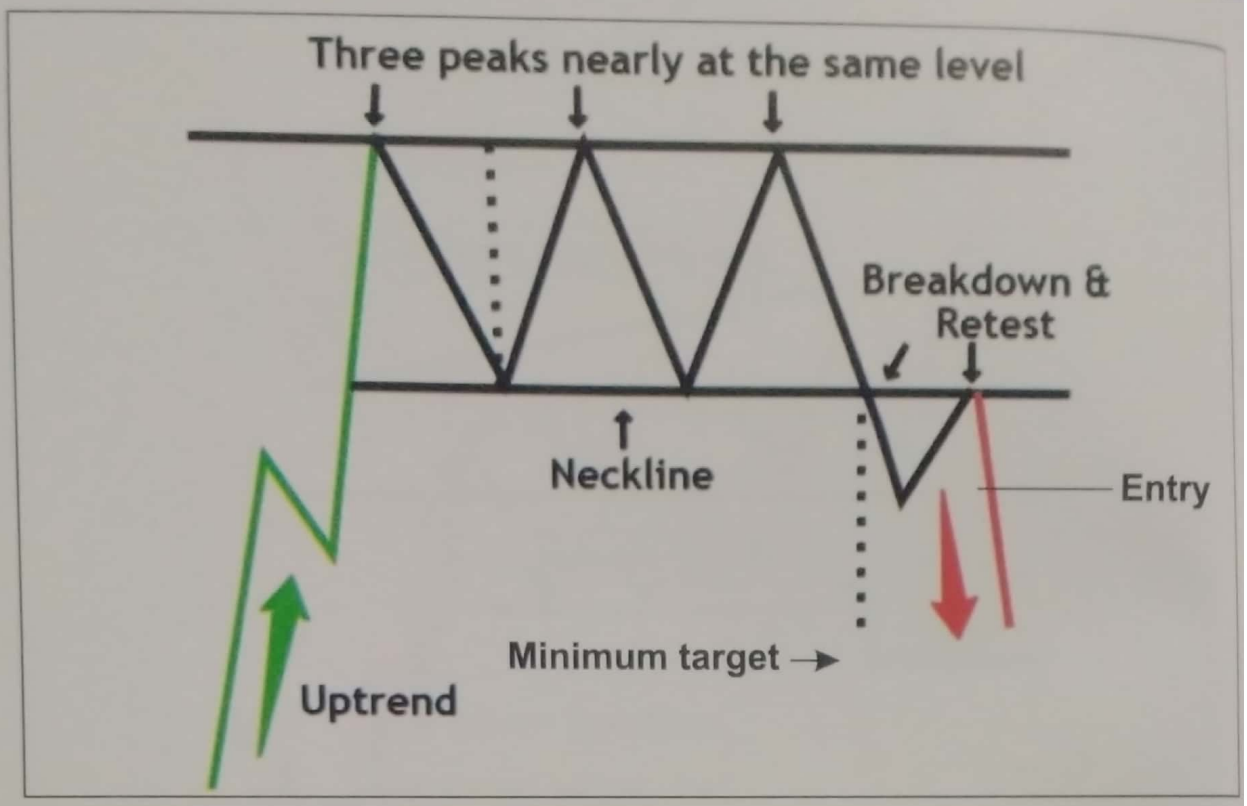

ट्रिपल टॉप एक मंदी का पैटर्न है जो अपट्रेंड के अंत में बनता है और एक संभवित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है। इस पैटर्न में, ३ शिखर लगभग समान स्तर पर हैं और उनके हाई की ओर प्रत्येक रॅली रिलेटिवली कम वॉल्यूम पर होती है।

- ✓ कीमत ३ बार रेसिस्टनस् लेवेल्स पर पहुंची लेकिन इससे ऊपर जाने में विफल रही।
- ✓ यह दर्शाता है कि बायर्स मोमेंनटम खो रहे हैं और अपट्रेंड डाउनट्रेंड में बदल सकता है।
- ✓ जब कैन्डल नेकलाइन को तोड़ती है और उसके नीचे बंद हो जाती है तो पैटर्न की पुष्टि हो जाती है।
- ✓ ब्रेकडाउन पॉइंट से नीचे की ओर प्रक्षेपित चोटी की ऊंचाई टार्गेट हो सकती है।
- ✓ इसका उपयोग लॉन्ग पोजिशन से बाहर निकलने या नई शॉर्ट पोजिशन लेने के लिए किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

२१) ट्रिपल बॉटम

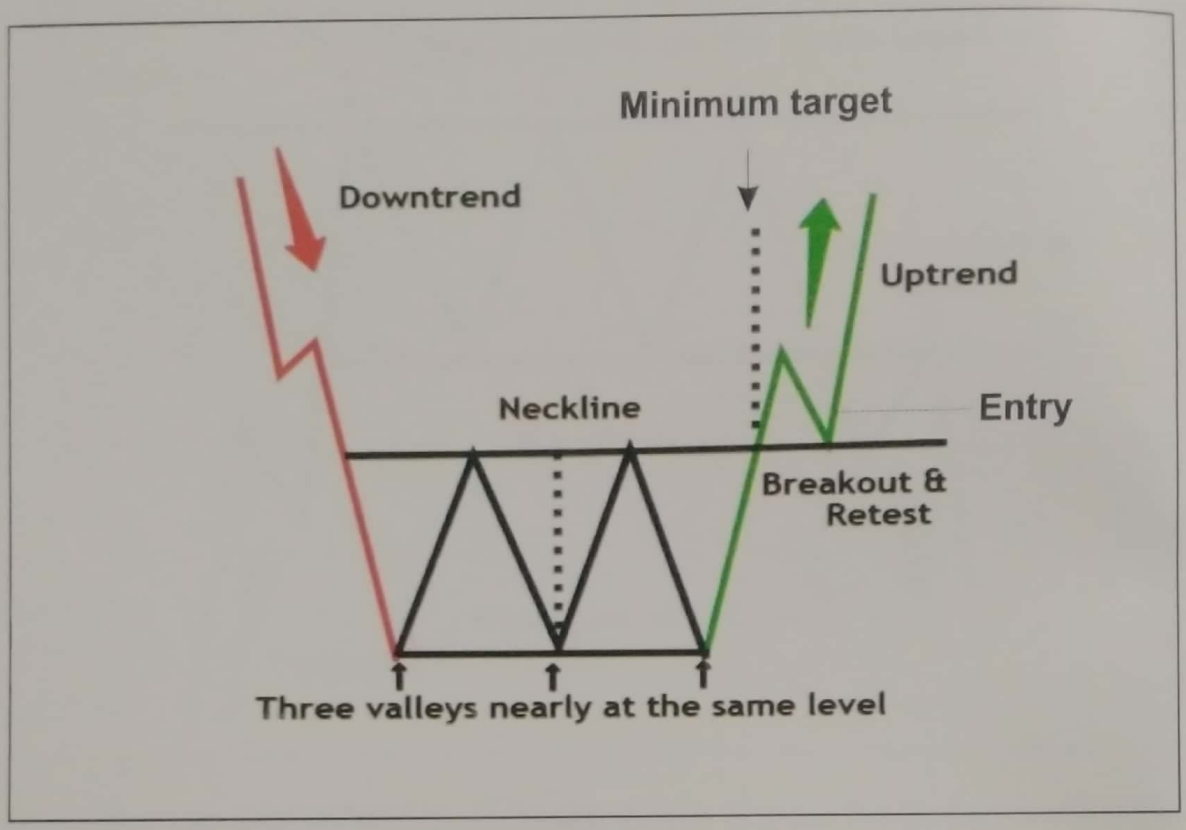

ट्रिपल बॉटम एक बुलिश, रिवर्सल पैटर्न है जो डाउनट्रेंड के अंत मे बनता है और यह एक संभवीत ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है। इसमें मोटे तौर पर समान तल पर ३ घाटियाँ (valleys) हैं।

- ✓ प्राइस ३ बार सपोर्ट लेवल पर पहुंच गया लेकिन इससे नीचे जाने में विफल रहा।
- ✓ यह दर्शाता है कि सेलर्स मोमेंनटम खो रहे हैं और डाउनट्रेंड अपट्रेंड में बदल सकता है।
- ✓ जब प्राइस नेकलाइन को तोड़ती है और उसके ऊपर बंद होती है तो पैटर्न की पुष्टि हो जाती है।

Scanned with CamScanner

✓ मिनीमम टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से ऊपर की ओर प्रक्षेपित valley की ऊंचाई हो सकता है।

✓ इसका उपयोग शॉर्ट पोजीशन से बाहर निकलने या नई लॉन्ग पोजीशन में एंट्री करने के लिए किया जा सकता है।

यदि आपने प्रॉफिट कमाया है तो उस दिन आपको प्रॉफिट के अमाऊंट पर रिस्क लेना चाहिए और प्रॉफिट से अधिक का लॉस नहीं करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

२२) डबल टॉप

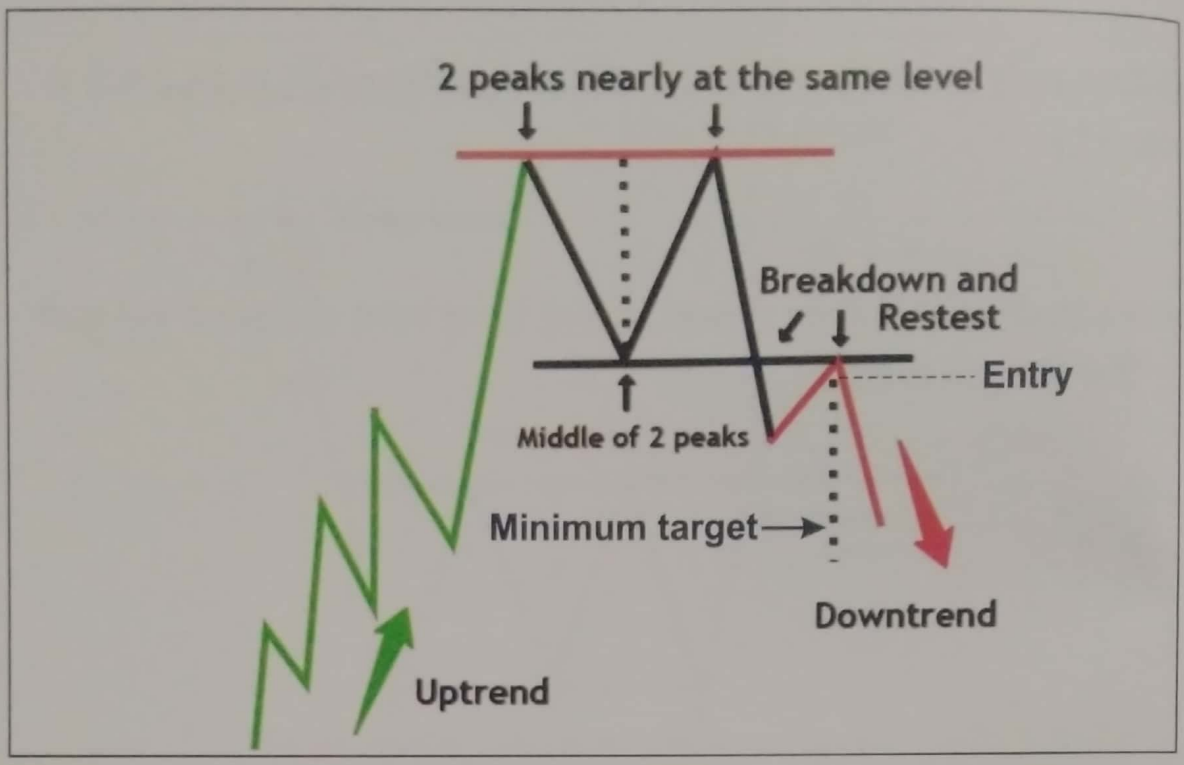

डबल टॉप या 'M' पैटर्न एक बेयरिश पैटर्न है जिसका उपयोग संभवित ट्रेंड रिवर्सल की पहचान करने के लिए किया जाता है। इस पैटर्न में, मोटे तौर पर एक ही स्तर पर २ लगातार चोटियां हैं और उच्च की ओर प्रत्येक रैली रिलेटिवली कम वॉल्यूम पे होगी।

- ✓ प्राइस २ बार रेसिस्टनस् लेवल पर पहुंच गया लेकिन इससे ऊपर जाने में विफल रहा।
- ✓ यह दर्शाता है कि बायर मोमेंनटम खो रहे हैं और अपट्रेंड डाउनट्रेंड में बदल सकता है।
- ✓ जब कीमत नेकलाइन को तोड़ती है और उसके नीचे बंद हो जाती है तो पैटर्न की पुष्टि हो जाती है।

Scanned with CamScanner

✓ ब्रेकडाउन पॉइंट से नीचे की ओर प्रक्षेपित चोटी की ऊंचाई टार्गेट हो सकती है।

✓ इसका उपयोग लॉन्ग पोजिशन से बाहर निकलने या नई शॉर्ट पोजिशन में एंट्री करने के लिए किया जा सकता है।

अनएक्सपेक्टेड कभी भी हो सकता है। अनएक्सपेक्टेड का स्वीकार करें।

Scanned with CamScanner

२३) डबल बॉटम

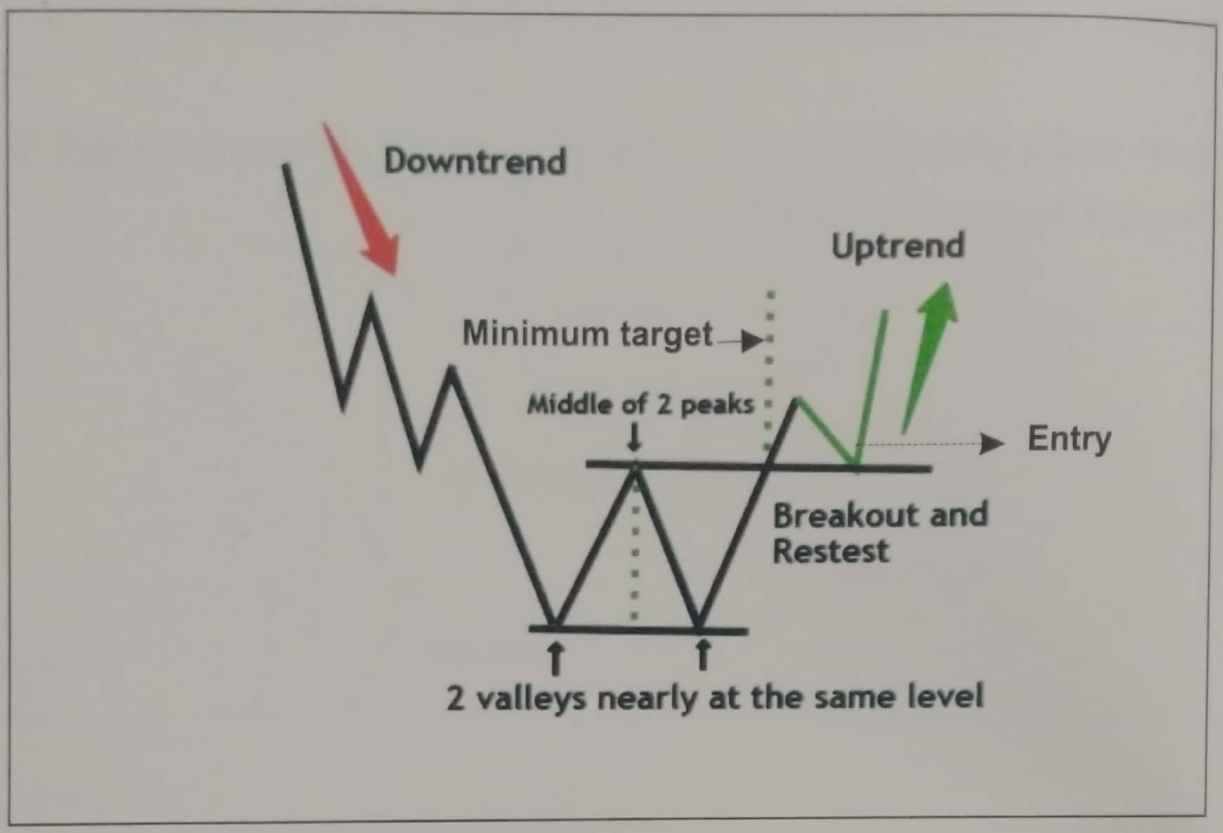

डबल बॉटम या 'W' एक बुलिश पैटर्न है जिसका उपयोग संभावित ट्रेंड रिवर्सल की पहचान करने के लिए किया जाता है। इस पैटर्न में, लगभग समान स्तर पर लगातार २ घाटियाँ (valleys) होती हैं और उच्च स्तर पर प्रत्येक रैली रिलेटिवली कम वॉल्यूम पर होगी।

- ✓ प्राइस २ बार सपोर्ट लेवल पर पहुंच गया लेकिन इससे नीचे जाने में विफल रहा।
- ✓ यह दर्शाता है कि सेलर्स मोमेंनटम खो रहे हैं और डाउनट्रेंड अपट्रेंड में बदल सकता है।

Scanned with CamScanner

- ✓ कीमत के नेकलाइन को तोड़ने और उसके ऊपर बंद होने के बाद पैटर्न की पुष्टि हो जाती है।
- ✓ मिनीमम टार्गेट ब्रेकआउट पॉइंट से ऊपर की ओर प्रक्षेपित valley की ऊंचाई हो सकता है।
- ✓ इसका उपयोग शॉर्ट पोजीशन से बाहर निकलने या नई लॉन्ग पोजीशन लेने के लिए किया जा सकता है।

पोजिशन साइजिंग ऐसी होनी चाहिए कि बड़ा गैप अप/
गैप डाउन महत्वपूर्ण रूप से अफेक्ट न करे।

Scanned with CamScanner

२४) थ्री व्हाइट सोल्जर्स

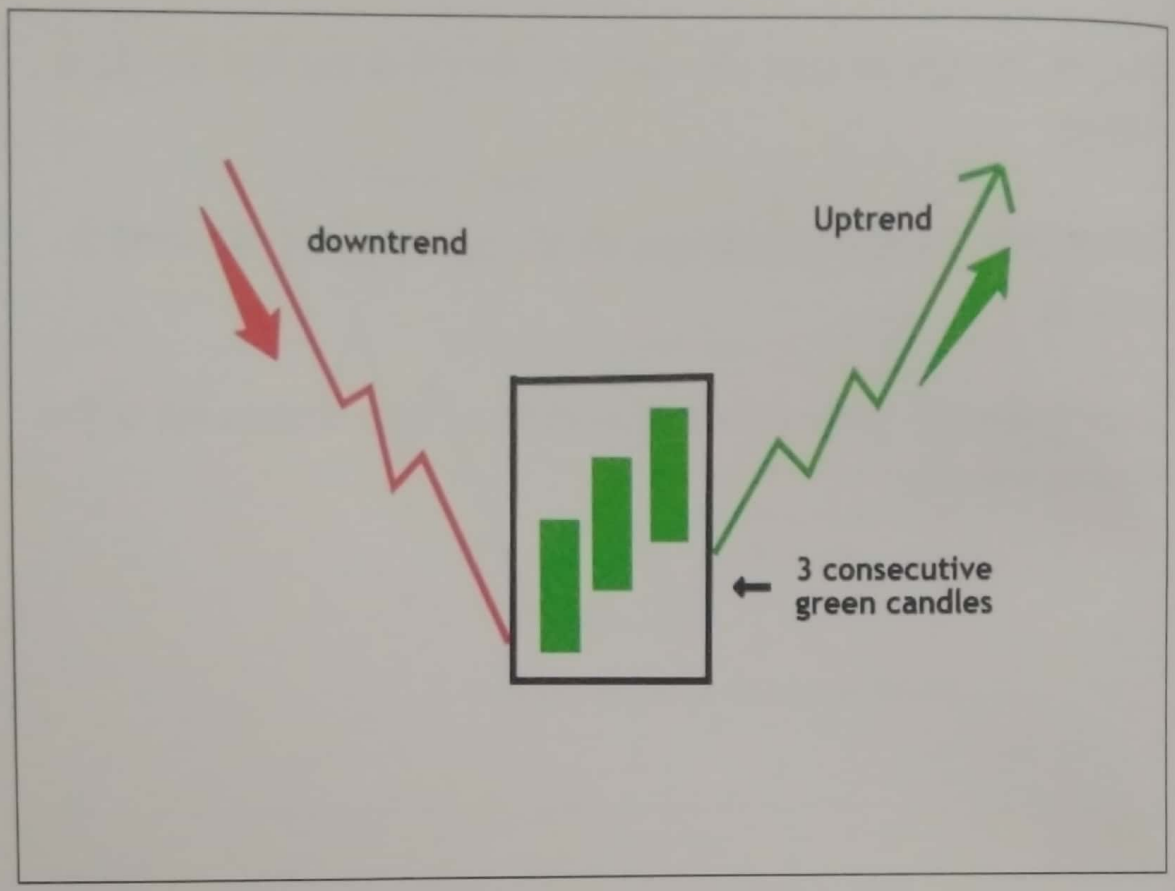

थ्री व्हाइट सोल्जर्स एक बुलिश पैटर्न है जिसमें बिना विक वाली या छोटी विक वाली ३ हरी कैंडल्स होती हैं। यह एक डाउनट्रेंड में दिखाई देता है और दर्शाता है कि बेअर्स मोमेन्टम खो रहे हैं और ट्रेंड अपट्रेंड में बदल सकता है।

✓ लगातार ३ हरी कैंडल्स हाय पर क्लोज होती है और ये दर्शाता हैं कि बुल्स नियंत्रण में हैं।

✓ सभी ३ कैंडल्स को अपने हाई पर या उसके पास क्लोज होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

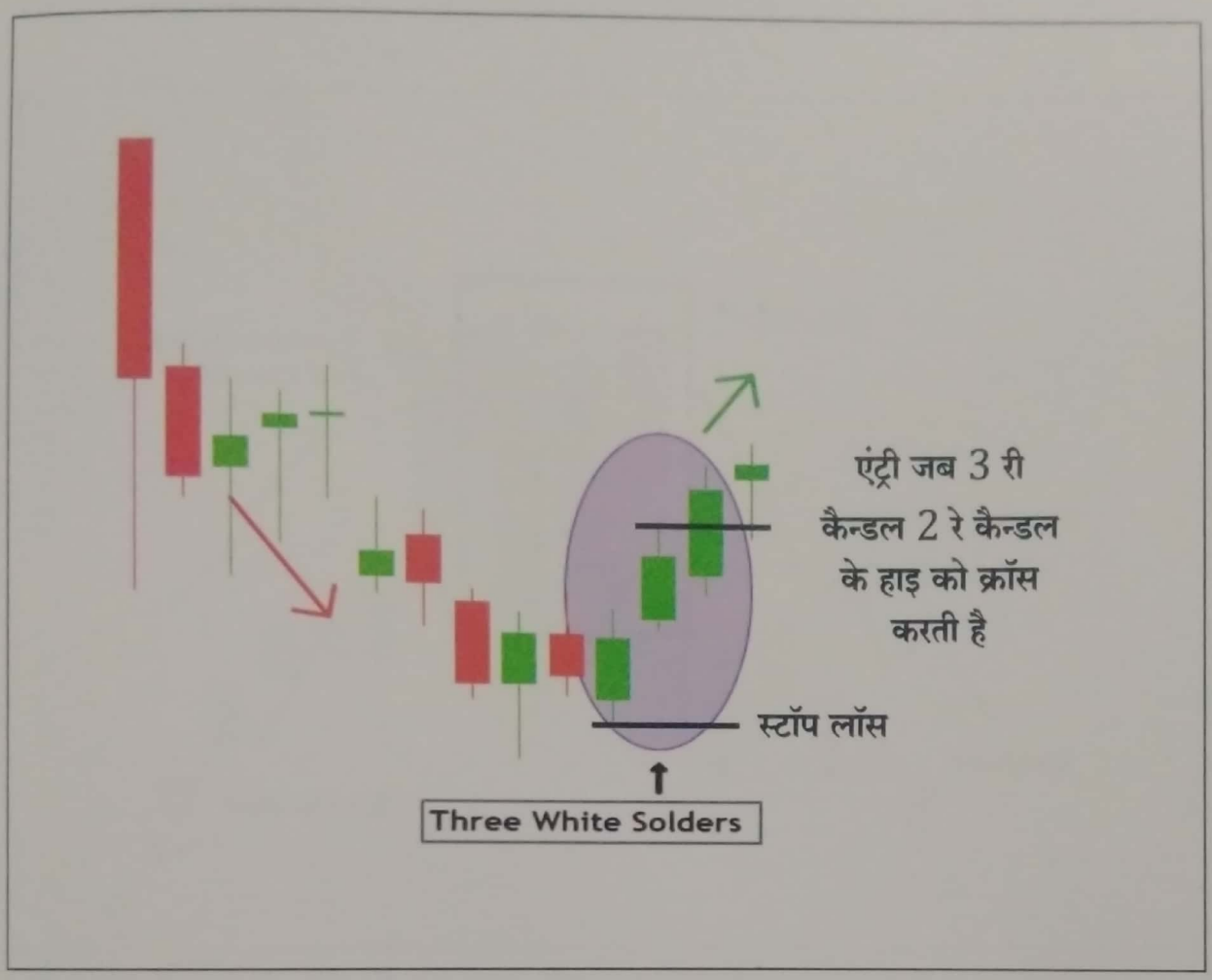

यदि आप कोई नई चीज या strategy सीखते हो, तो आपको पहले उसका बॅकटेस्ट करना चाहिए और उसके बाद ही उसे ट्रेडिंग में लागू करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

२५) थ्री ब्लैक क्रो

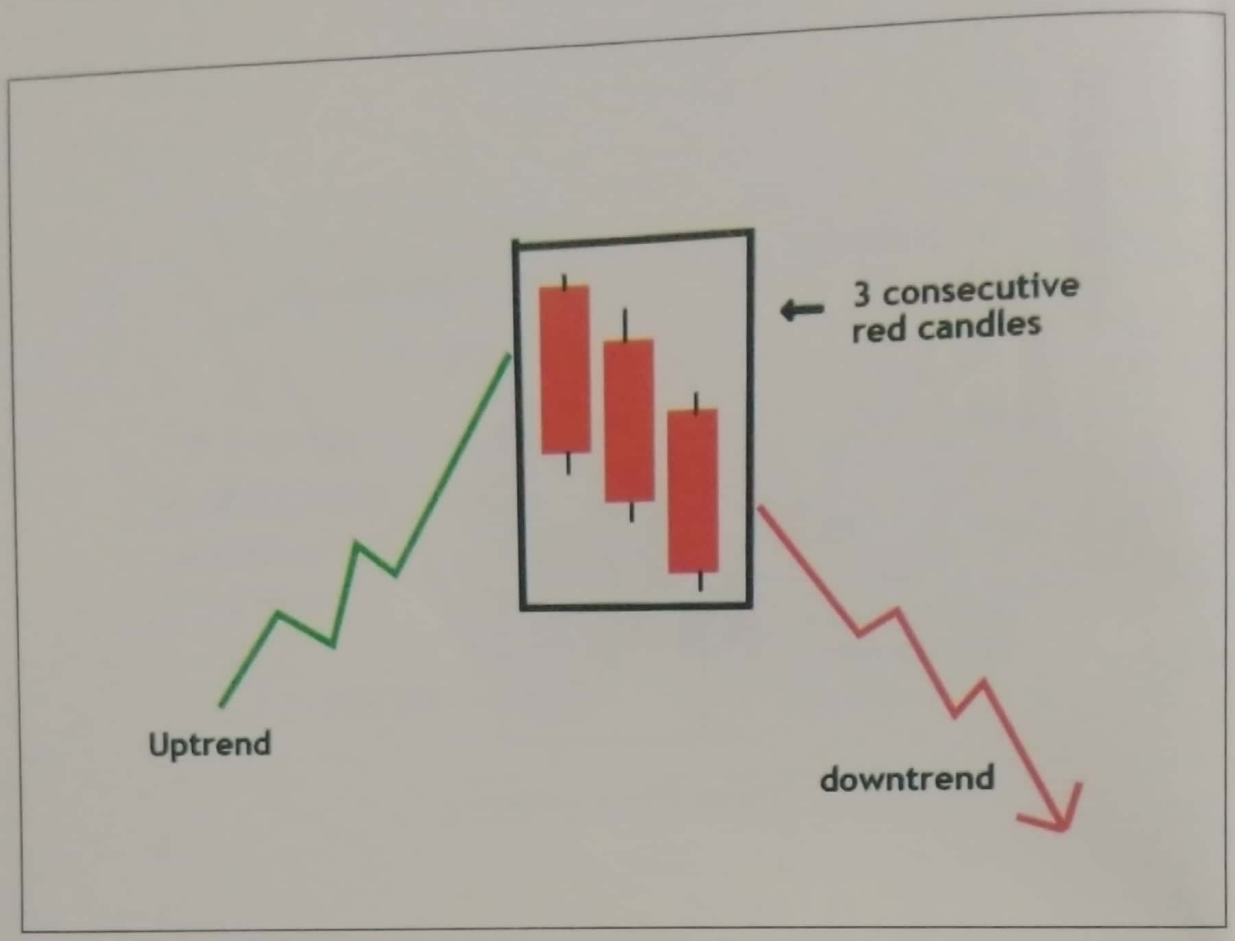

थ्री ब्लैक क्रो एक बेयरिश पैटर्न है जिसमें छोटी या बिना विक वाली ३ रेड कैंडल्स होती हैं। यह एक अपट्रेंड में दिखाई देता है और दर्शाता है कि बुल्स मोमेन्टम खो रहे हैं और अपट्रेंड समाप्त हो सकता है।

✓ लगभग लो पर क्लोज़ होने वाली ३ रेड कैंडल्स दर्शाती हैं कि बेयर्स नियंत्रण में हैं।

✓ सभी ३ कैंडल्स को अपने निचले स्तर पर या उसके पास बंद होना चाहिए

Scanned with CamScanner

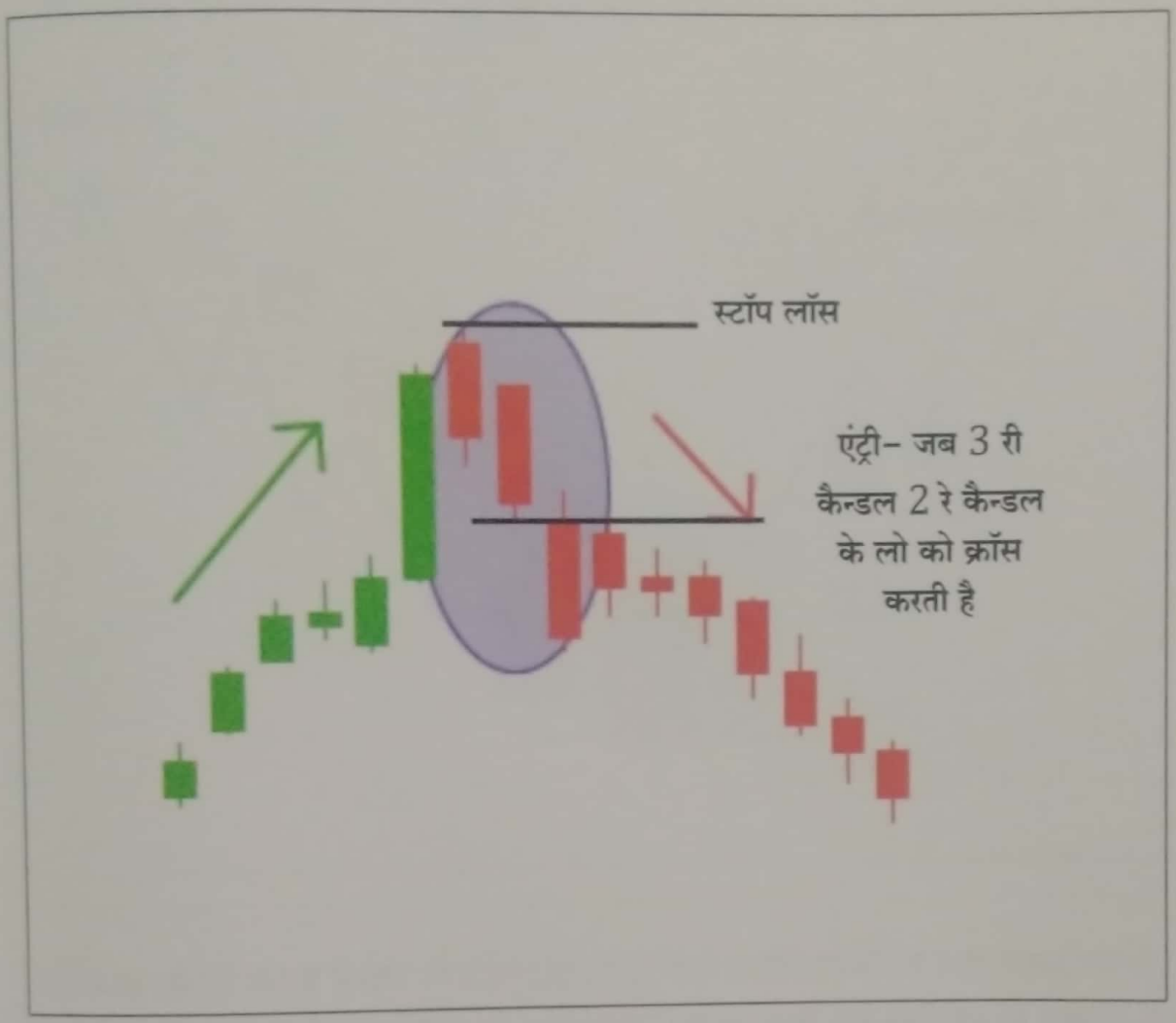

कभी भी मार्केट के साथ माच्चो मॅन जैसा बरताव ना करे। जैसे की
कभी भी ओवरट्रेड न करें या अचानक बड़ी quantity ना ले।

Scanned with CamScanner

२६) बुलिश हरामी

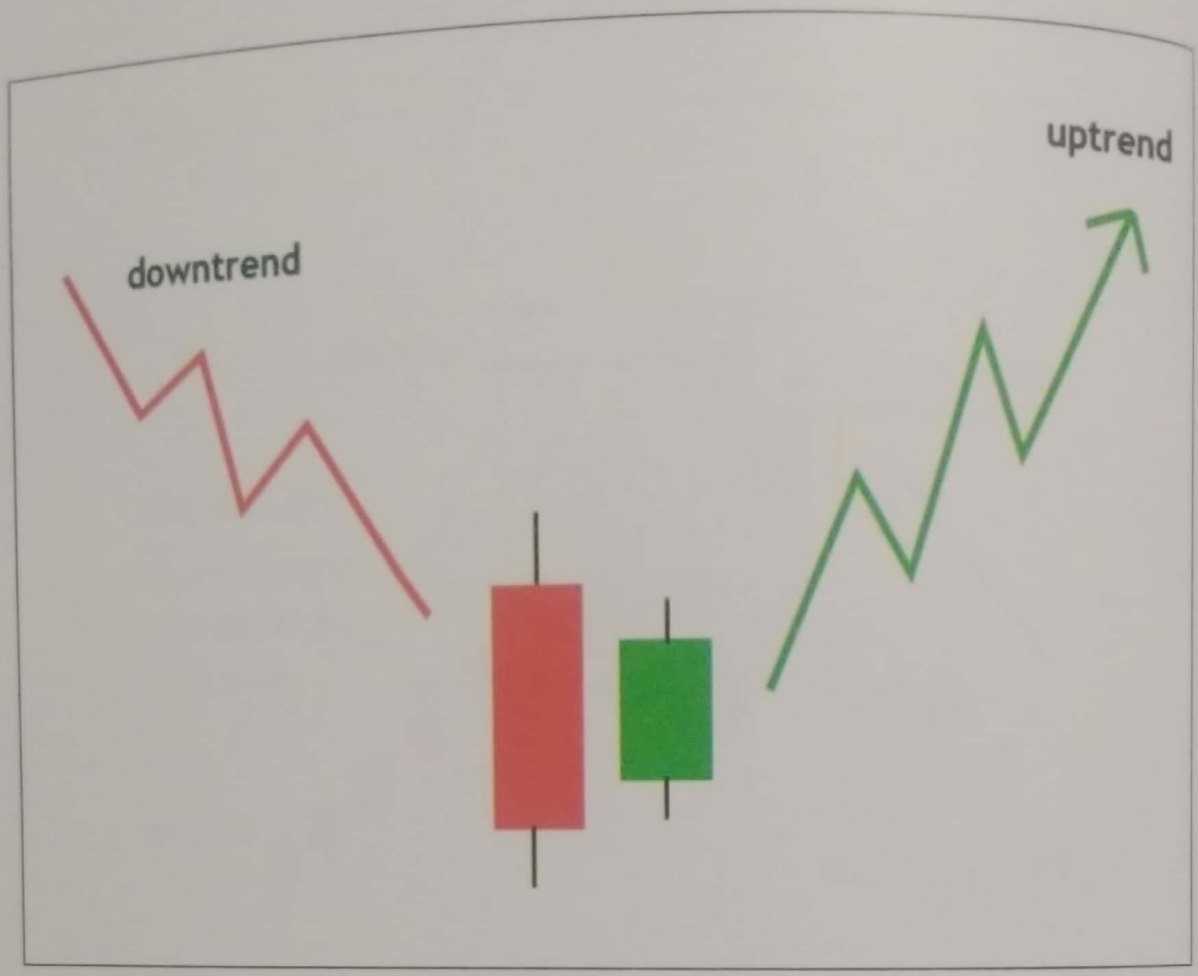

बुलिश हरामी एक २–कैंडलस्टिक पैटर्न है जो डाउनट्रेंड के अंत में बनता है और डाउनट्रेंड से अपट्रेंड मे संभवित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है। इसमें पहली बड़ी बेयरिश कैंडल और दूसरी छोटी बुलिश कैंडल होती है जो पहली रेड कैंडल के बॉडी के भीतर होती है। यह बेयरिश से बुलिश की ओर संभावित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है।

✓ पहली कैंडल एक बड़ी रेड कैंडल है जो दिखाती है कि बेयर्स नियंत्रण में हैं।

✓ अगली कैंडल गैप अप ओपन होती है। इससे सेलर्स पॅनिक होते है और शॉर्ट पोजिशन से बाहर निकलने लगते है।

Scanned with CamScanner

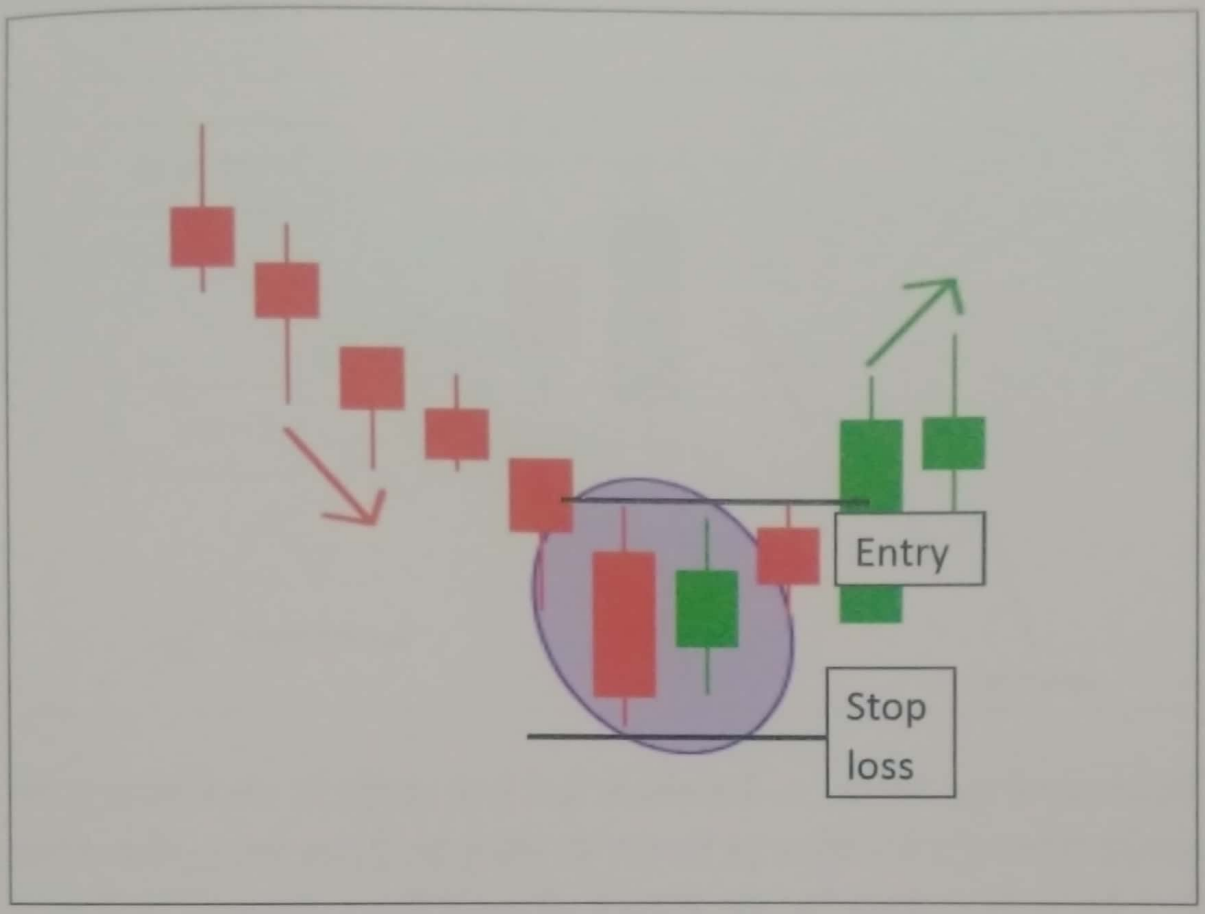

✓ यदि इससे अगली कैंडल उपर ओपन होती है, तो यह दर्शाता है कि खरीदार नियंत्रण प्राप्त कर रहे हैं और ट्रेंड बदल सकता है।

✓ पुष्टि आवश्यक है – पैटर्न की पुष्टि नेक्स्ट कैंडल के पैटर्न के ऊपर बंद होने पर होगी।

Scanned with CamScanner

२७) बेयरिश हरामी

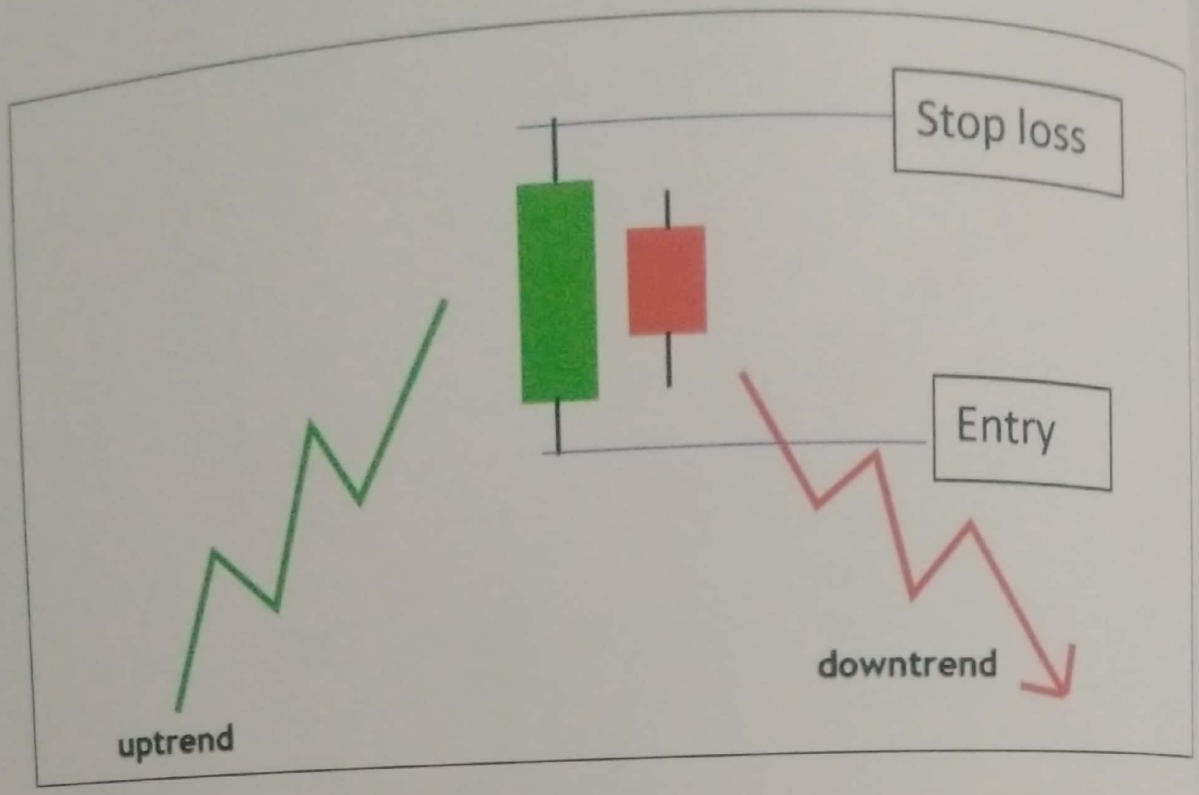

बेयरिश हरामी एक बेयरिश, २-कैंडलस्टिक पैटर्न है जो अपट्रेंड के अंत में बनता है और अपट्रेंड से डाउनट्रेंड में संभवित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है। यह एक २-कैंडलस्टिक पैटर्न है जहां पहली कैंडल बिग ग्रीन कैंडल है और दूसरी कैंडल, एक छोटी रेड कैंडल है जो पहली कैंडल के बॉडी के भीतर है। यह तेजी से मंदी की ओर संभवित ट्रेंड बदलणे का संकेत देता है।

✓ पहली कैंडल एक बडी ग्रीन कैंडल है, जो दिखाती है कि बुल्स नियंत्रण में है।

✓ अगली कैंडल गैप डाउन ओपन होती है। खरीदार (बुल्स) घबरा जाते हैं और अपनी लॉन्ग पोजीशन से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं।

✓ यदि उससे अगली कैंडल नीचे ओपन होती है, तो यह दर्शाता है कि सेलर्स नियंत्रण प्राप्त कर रहे हैं।

✓ यह अपट्रेंड के डाउनट्रेंड में बदलणे का संकेत देता है। सेल सिग्नल की पुष्टि - इस पैटर्न के लो के नीचे होगी।

Scanned with CamScanner

२८) डार्क क्लाउड कवर

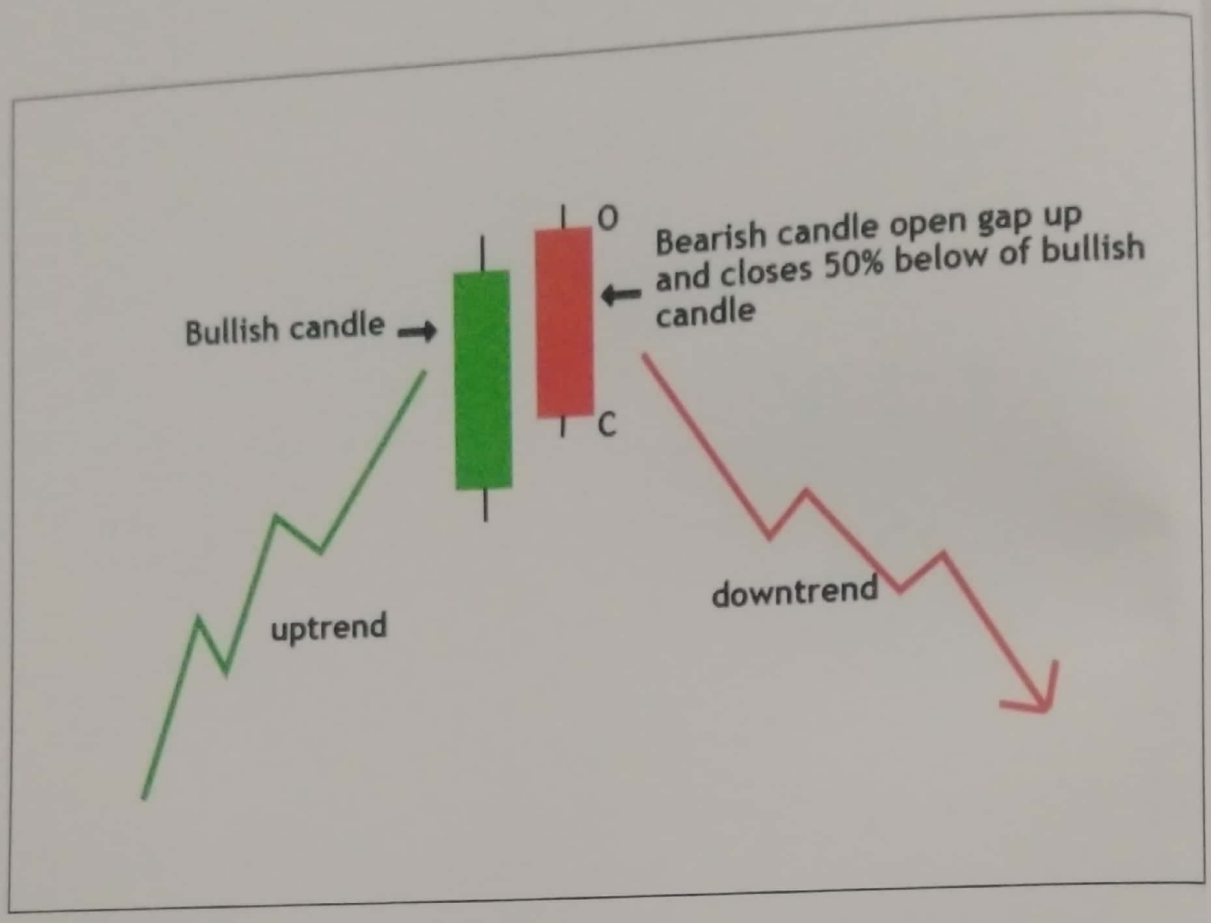

डार्क क्लाउड कवर एक २-कैंडलस्टिक बेयरिश पैटर्न है जो अपट्रेंड से डाउनट्रेंड में संभावित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है। पहली कैंडल बुलिश ग्रीन है और दूसरी कैंडल ऊपर की ओर गैप अप ओपन होती है लेकिन पहली कैंडल के मध्य बिंदु के नीचे बंद होती है।

✓ पहली कैंडल ग्रीन कलर की कैंडल है जो दर्शाती है कि बुल्स नियंत्रण में है।

✓ दूसरी कैंडल रेड है जो गैप अप ओपन होती है लेकिन पहली कैंडल के मध्य बिंदु के नीचे बंद होती है, यह दर्शाता है कि बुल्स अपना मोमेन्टम खो रहे हैं और बेयर्स नियंत्रण ले रहे हैं।

Scanned with CamScanner

Dark cloud cover

- ✓ यह अपट्रेंड के डाउनट्रेंड में बदलणे का संकेत देता है।
- ✓ सेल सिग्नल की पुष्टि – इस पैटर्न के लो के नीचे होगी।

Scanned with CamScanner

२९) इनवर्टेड हैमर

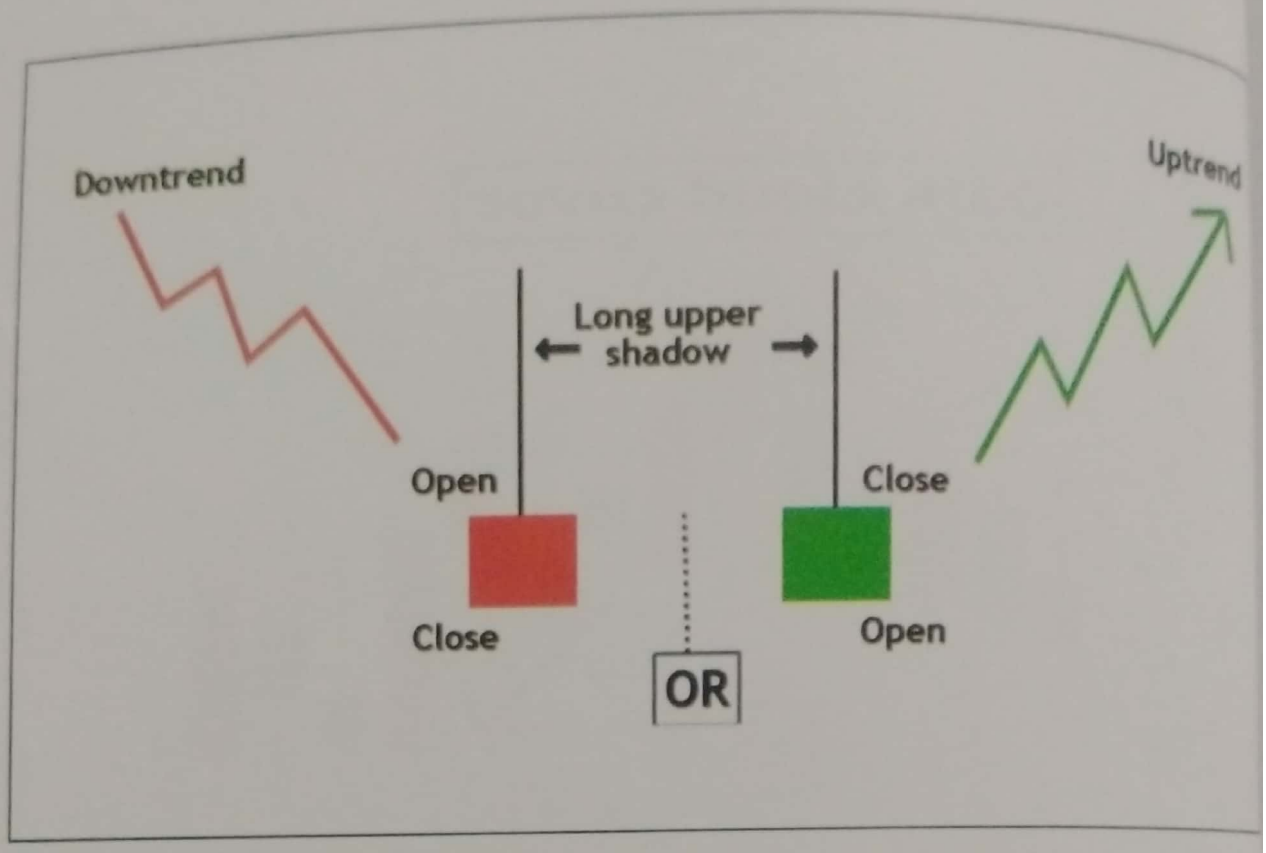

इनवर्टेड हैमर एक बुलिश सिंगल कैंडलस्टिक पैटर्न है जो डाउनट्रेंड के अंत में बनता है और संकेत देता है कि डाउनट्रेंड अपट्रेंड में रिवर्स हो सकता है। इसकी एक लंबी ऊपरी विक और छोटी बॉडी होती है।

- ✓ कॅन्डल का ओपन और क्लोज बहुत छोटी सीमा के भीतर होना चाहिए।
- ✓ डाउनट्रेंड में जब इनवर्टेड हैमर दिखाई देता है, तो इसे बुलिश सिग्नल माना जाता है।
- ✓ इनवर्टेड हैमर कैंडलस्टिक की ऊपरी विक, बॉडी की लंबाई से कम से कम दोगुनी होनी चाहिए।
- ✓ इस कॅन्डल को निचली विक नहीं होनी चाहिए।

Scanned with CamScanner

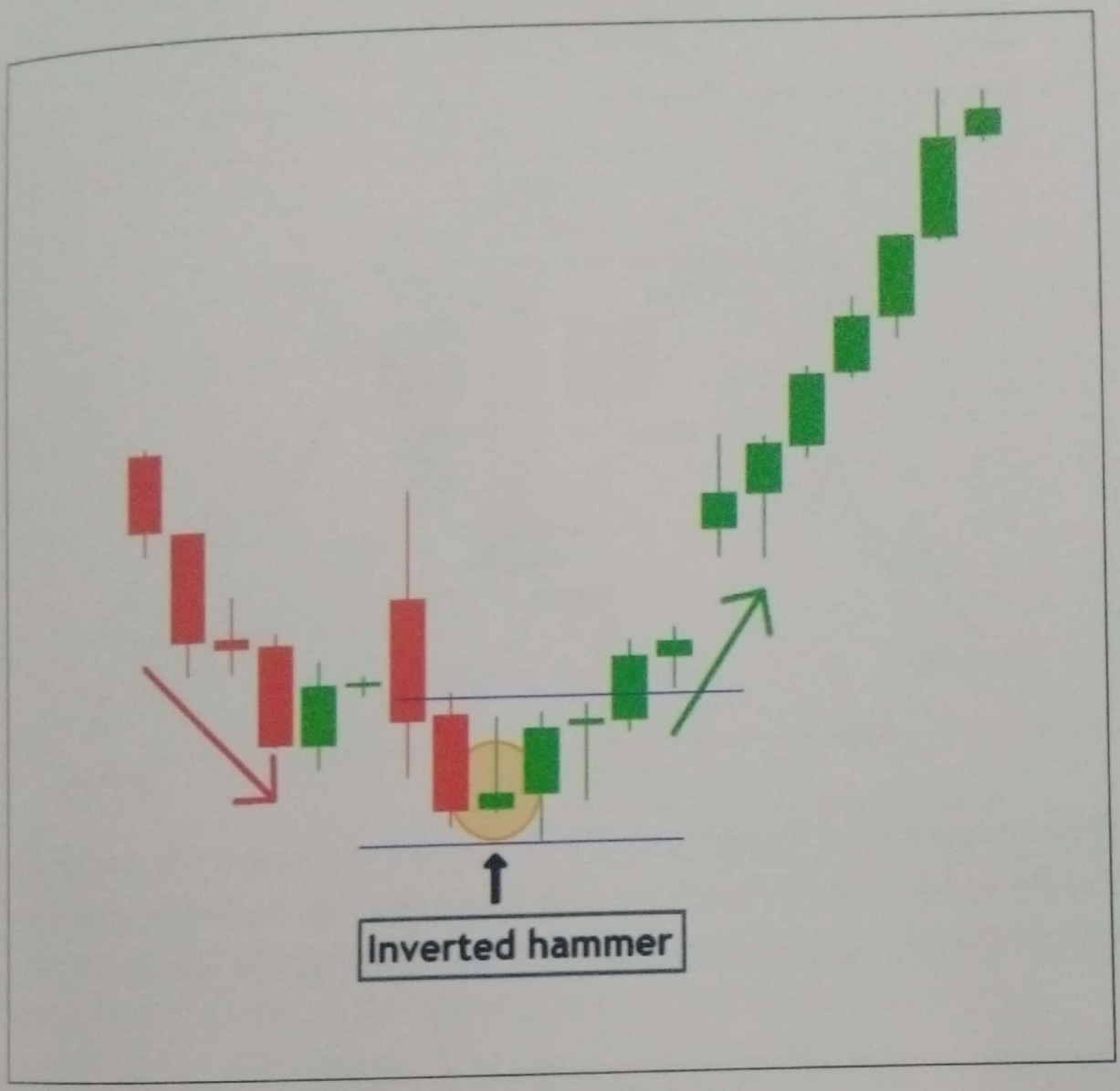

✓ हालांकि कॅन्डल ओपन प्राइस के पास बंद हो जाती है, पहले बायर कीमत को बढ़ाने में सक्षम थे। इससे पता चलता है कि यहा बायींग प्रेशर है और डाउनट्रेंड जल्द ही पलट सकता है।

✓ कैंडल का कलर महत्वपूर्ण नहीं है, वो ग्रीन या रेड भी हो सकता है।

Scanned with CamScanner

३०) हैंगिंग मैन

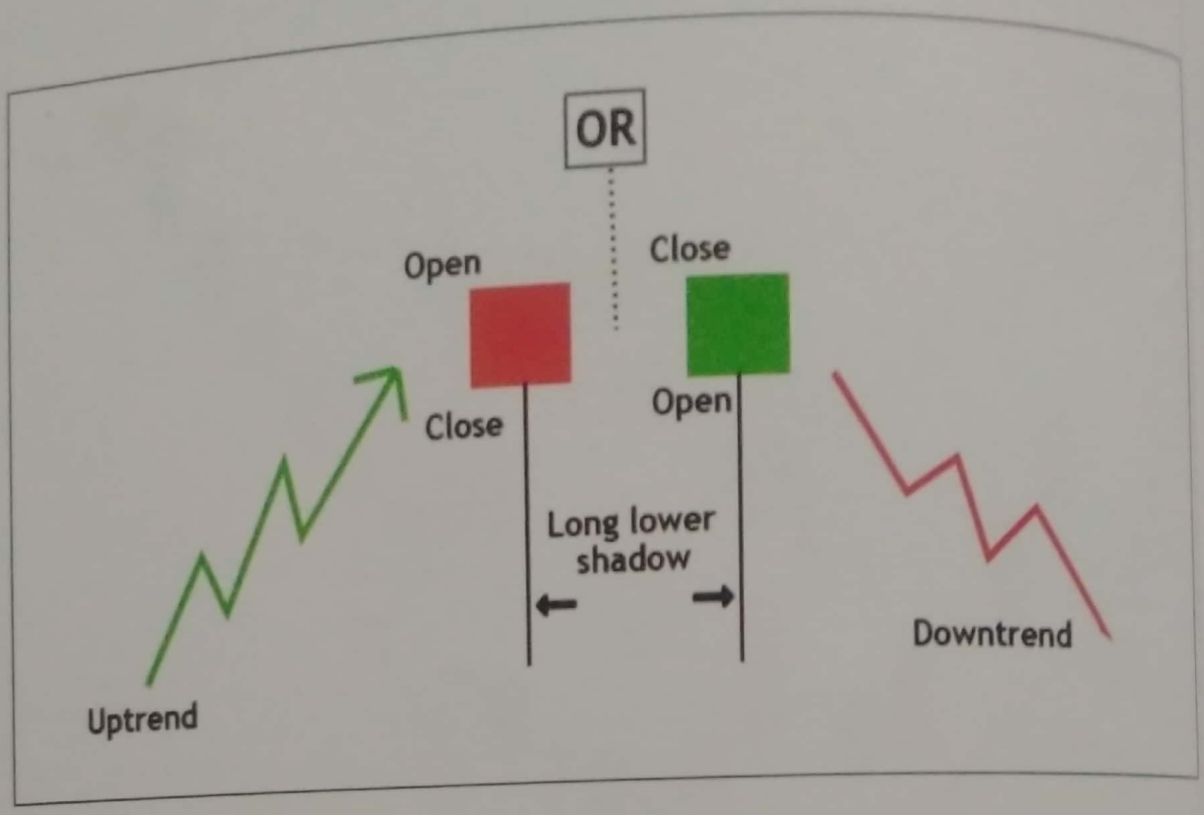

हैंगिंग मॅन एक बेयरिश कैंडलस्टिक पैटर्न है जो अपट्रेंड मे नजर आता है और संभवित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है। इसकी एक लंबी निचली विक और ऊपरी तरफ छोटी बॉडी होती है। जब हैमर एक अपट्रेंड में दिखाई देता है, तो इसे हैंगिंग मैन पैटर्न कहा जाता है।

✓ कॅन्डल का रंग मायने नहीं रखता। वो रेड या ग्रीन भी हो सकता है।

✓ हैंगिंग मॅन कैन्डल दर्शाती है कि हालांकि कॅन्डल ओपन प्राइस के पास ही क्लोज़ हो जाती है, पर पहले सेलर्स ने प्राइस को नीचे धकेला था। इससे पता चलता है कि बिकवाली का दबाव है और अपट्रेंड जल्द ही पलट सकता है।

✓ पैटर्न दर्शाता है कि ट्रेंड, अपट्रेंड से डाउनट्रेंड में बदल सकता है।

✓ पैटर्न के बाद प्राइस कैसे व्यवहार करती है इसपर पैटर्न के वैधता की पुष्टि हो सकती है।

Scanned with CamScanner

३१) ट्वीज़र टॉप

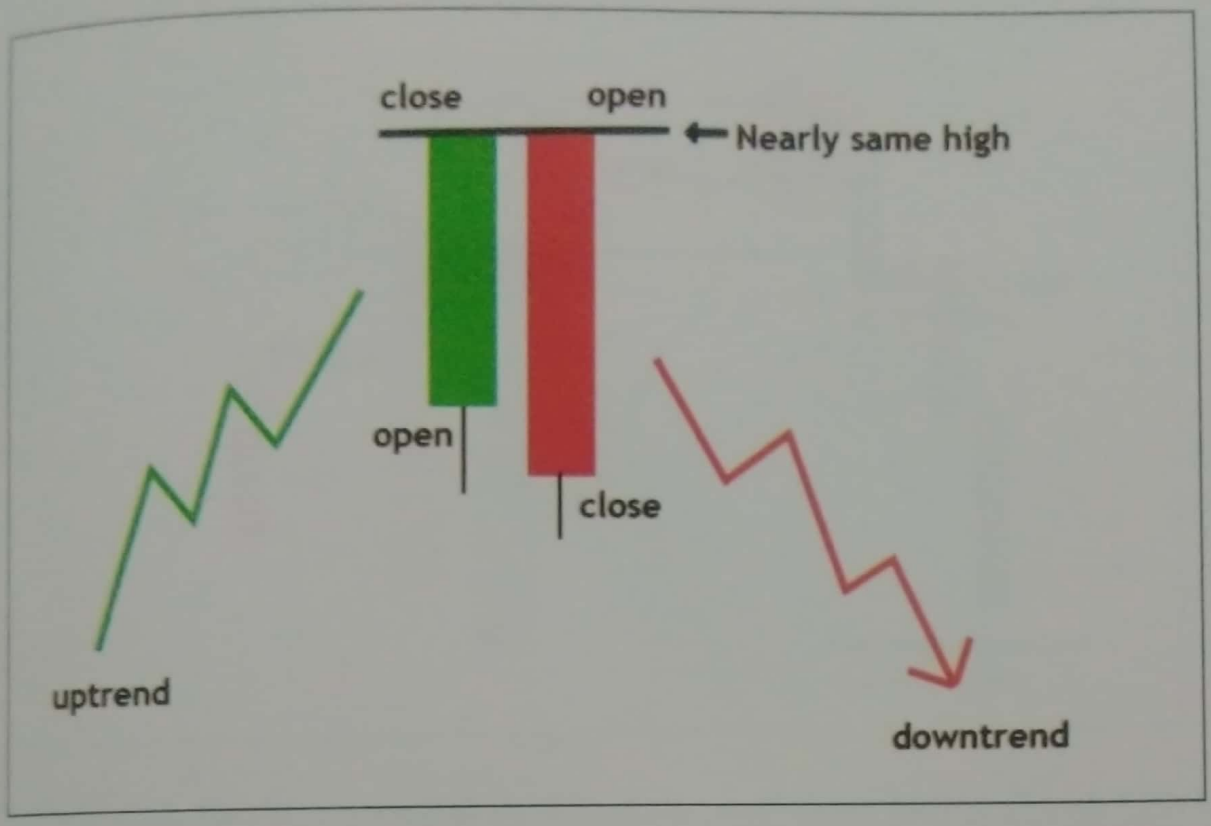

ट्वीज़र टॉप २–कैंडलस्टिक पैटर्न है जो एक अपट्रेंड में बनता है। इसमे २ कॅन्डल का हाय एक ही लेवल पर होता है। यह पॅटर्न बुलिश से बियरिश ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है।

✓ पहली कैंडल ग्रीन कैंडल है जो दर्शाती है कि बुल्स नियंत्रण में हैं। अगली कैंडल रेड है जिसका हाइ, ग्रीन कैन्डल के बराबर है। यह ये दर्शाता है कि बायर कीमतें बढ़ाने में असमर्थ हैं।

✓ यह पैटर्न दर्शाता है कि बेअर्स मार्केट में प्रवेश कर चुके हैं और ट्रेंड यहा से बदल सकता है

✓ अन्य तकनीकी विश्लेषण संकेतों के साथ ट्वीज़र टॉप पैटर्न का उपयोग किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

✓ पैटर्न की पुष्टि के लिए अगले कैंडल को पैटर्न के लो के नीचे बंद होणे की जरूरत है।

✓ समान हाय वाले पैटर्न में कई कॅन्डल हो सकती हैं।

✓ इस पैटर्न के लिए, कॅन्डल की ओपन और क्लोज प्राइस से ज्यादा लो और हाय प्राइस महत्वपूर्ण हैं।

✓ जब तक कॅन्डल के हाय समान हो, उनका आकार मायने नही रखता।

Scanned with CamScanner

३२) पियर्सिंग पैटर्न

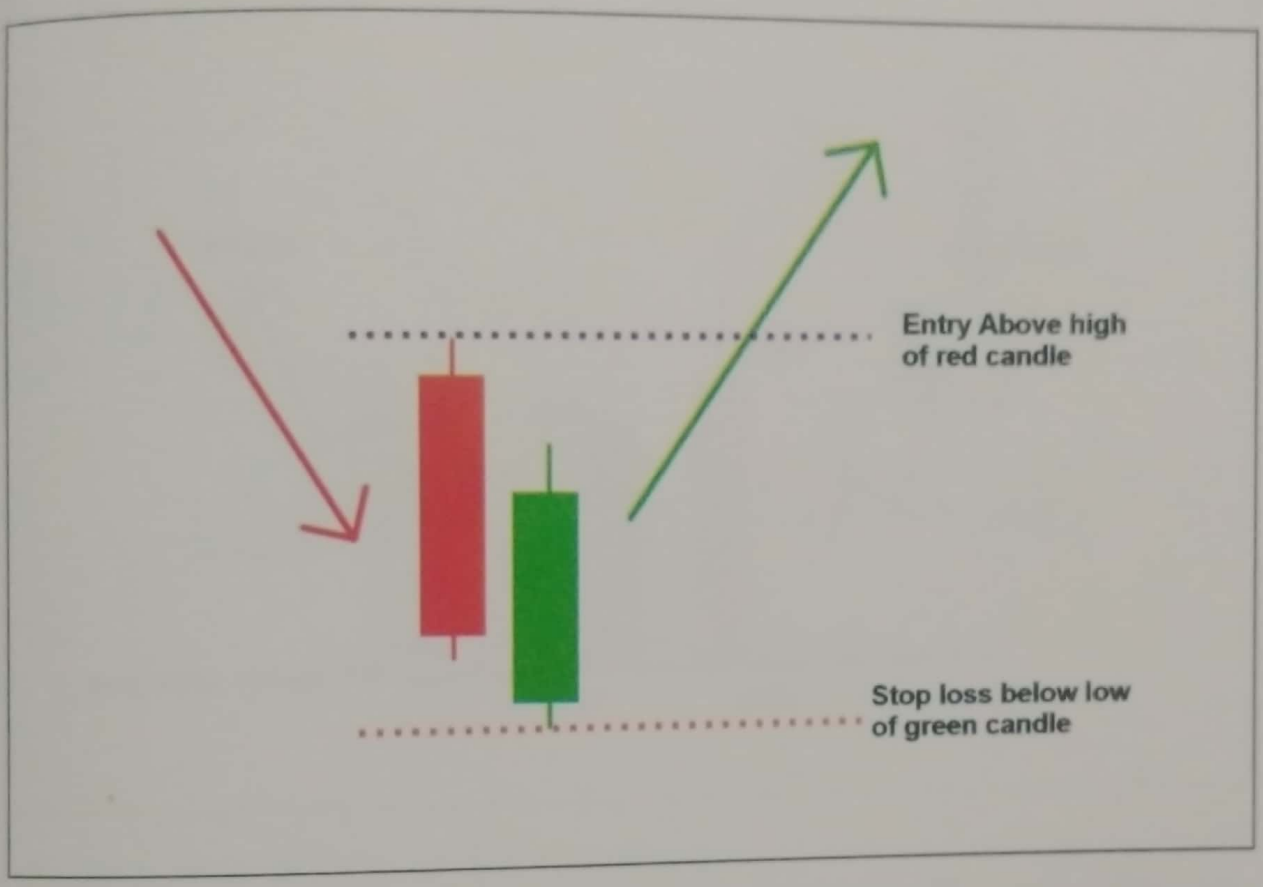

पियर्सिंग पैटर्न एक बुलिश कैंडलस्टिक ट्रेंड रिवर्सल पैटर्न है जो डाउनट्रेंड के अंत में नजर आता है। पहली कॅन्डल रेड है जो दर्शाती है कि बेअर्स नियंत्रण में हैं। दूसरी कैंडल गॅप डाऊन ओपन होती है लेकिन बुल्स वापस आते हैं और इसे रेड कैंडल के मध्य बिंदु पर या उससे ऊपर बंद कर देते हैं।

अगर रेड कैंडल के हाई के ऊपर एक कैंडल क्लोज दे दे, तो हम बाय ऑर्डर डालकर एंट्री ले सकते हैं। स्टॉप लॉस को ग्रीन कैंडल के नीचे रखा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

३३) ट्वीजर बॉटम

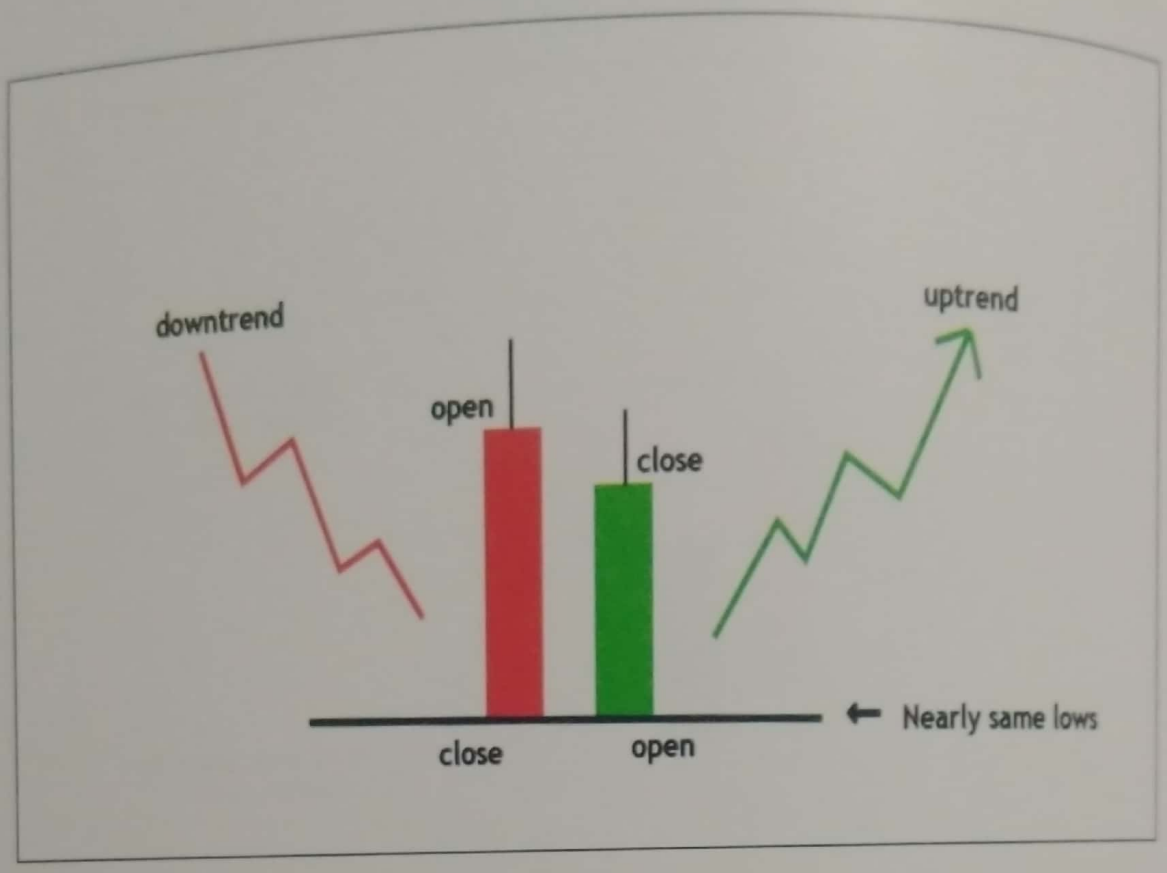

ट्वीजर बॉटम एक २–कैंडलस्टिक पैटर्न है जो २ कैंडल के समान लो होने पर डाउनट्रेंड में बनता है। यह बेयरिश से बुलिश की ओर संभवित ट्रेंड रिवर्सल का संकेत देता है।

✓ पहली कैंडल बेयरिश रेड कैंडल है जो दर्शाती है कि बेयर्स नियंत्रण में हैं। अगली कैंडल बुलिश है और उसका लो रेड कैंडल के बराबर ही है। यह दर्शाता है कि बेअर्स प्राइस को नीचे धकेल नहीं पा रहे है।

✓ यह दर्शाता है कि बुल्स मार्केट में प्रवेश कर चुके हैं और ट्रेंड बदल सकता है।

✓ पॅटर्न की पुष्टि, अगले कैंडल के पैटर्न के ऊपर बंद होने पर कर सकते है।

✓ पैटर्न में एक ही लो की, एक से जादा कैंडल हो सकती हैं।

Scanned with CamScanner

✓ इस पैटर्न के लिए, कॅन्डल की ओपन और क्लोज प्राइस से ज्यादा लो और हाय प्राइस महत्वपूर्ण हैं।

✓ जब तक कॅन्डल के लो समान हो, उनका आकार मायने नही रखता।

Scanned with CamScanner

३४) राइजिंग थ्रीमेथडस्

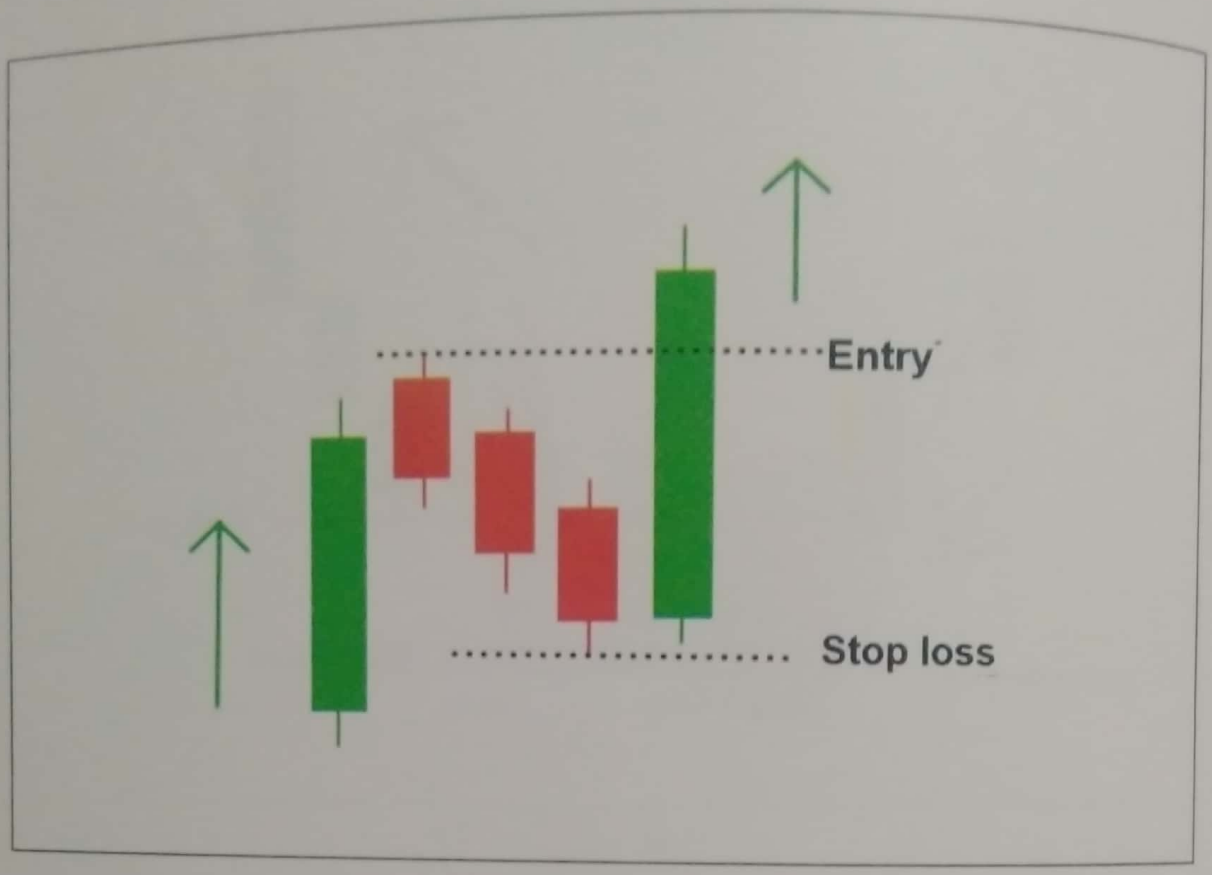

राइजिंग थ्रीमेथडस् बुलिश कंटीन्यूएशन पैटर्न है। पहली कैंडल एक बडी ग्रीन कॅन्डल है जो मजबूत अपट्रेंड दिखा रही है। फिर ३ छोटी रेड कैंडल दिखाई देती हैं जो प्रॉफिट बुकिंग के कारण मामूली सुधार दर्शाती है। फिर एक ओर ग्रीन कॅन्डल जो पिछली ३ रेड कैंडलस् के हाय के ऊपर बंद हो जाती है।

पिछली कैंडल्स के हाय से ऊपर बंद होना तेजी की पुष्टि करता है। यहा हम लॉन्ग पोजिशन बनाए रख सकते हैं या एक नई लॉन्ग पोजिशन भी ले सकते हैं और स्टॉप लॉस को पिछली छोटी रेड कॅन्डलस् के लो के नीचे रख सकते हैं।

Scanned with CamScanner

३५) फॉलिंग ३ मेथड्स

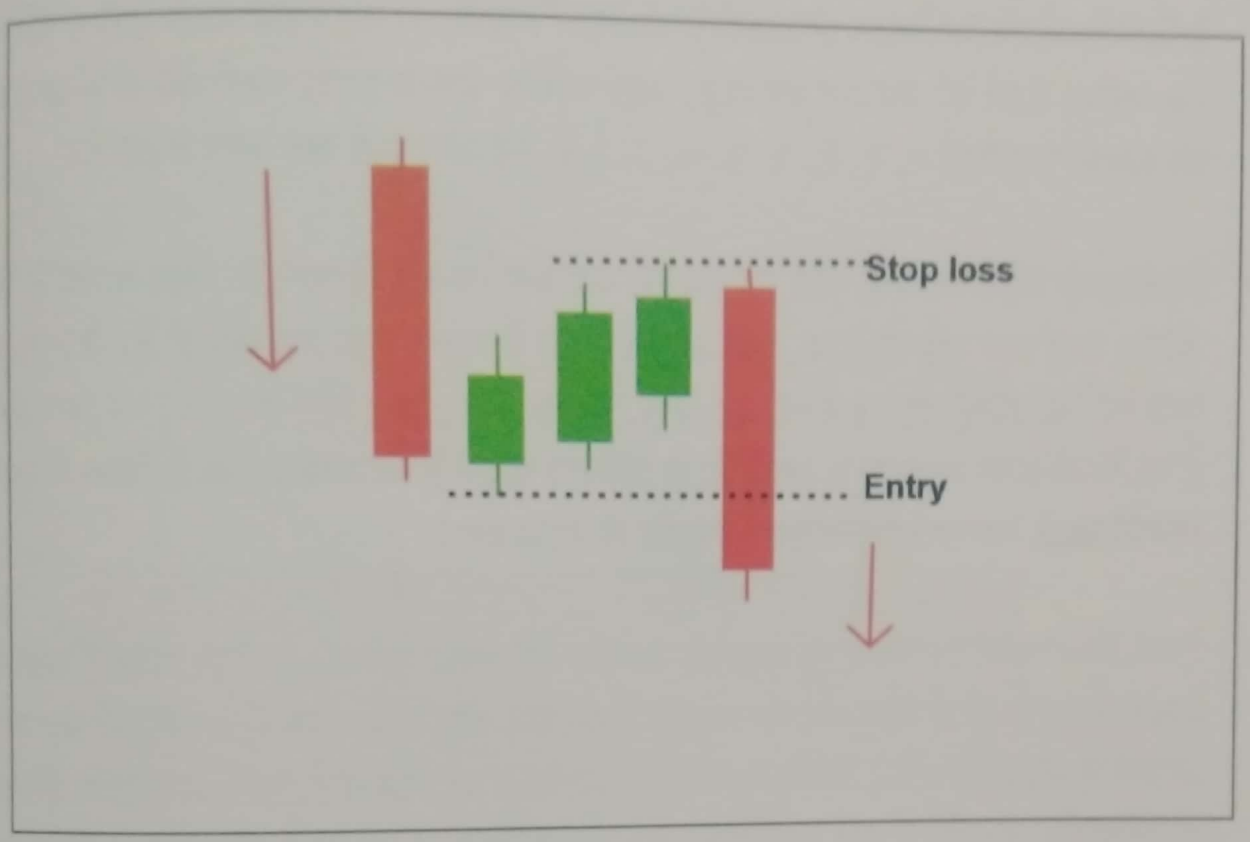

फॉलिंग ३ मेथड्स मंदी की निरंतरता का पैटर्न है। पहली कैंडल बिग रेड है जो मजबूत गिरावट दिखा रही है। फिर ३ छोटी ग्रीन कैंडल दिखाई देती हैं जो प्रॉफिट बुकिंग के कारण मामूली सुधार का संकेत देती हैं। फिर एक और रेड कैंडल जो पिछली ग्रीन कैंडल्स के स्विंग लो के नीचे बंद होती है।

पिछली ग्रीन कैंडल्स के लो के नीचे बंद होना मंदी के ट्रेंड की पुष्टि करता है। हम शॉर्ट पोजिशन बनाए रख सकते हैं या एक नई शॉर्ट पोजिशन ले सकते हैं। स्टॉप लॉस को पिछली छोटी ग्रीन कॅन्डल के स्विंग हाय के ऊपर रख सकते हैं।

Scanned with CamScanner

फिबोनाची रिट्रेसमेंट

✓ फिबोनाची रिट्रेसमेंट एक टूल है जिसका उपयोग यह अनुमान लगाने के लिए किया जाता है कि कीमत किस लेवल से ऊपर या नीचे जा सकती है। यह फिबोनाची सेरीज नामक एक गणित पैटर्न का उपयोग करता है, जहां प्रत्येक संख्या इससे पहले की दो संख्याओं का सम है। यह पैटर्न ०, १, १, २, ३, ५, ८, १३, २१ और इसी तरह आगे बढ़ता है।

✓ फिबोनाची रिट्रेसमेंट एक चार्ट पर लाइनों का उपयोग यह दिखाने के लिए करता है कि कीमत कहाँ रुक सकती है या, एक अलग दिशा में बढ़ना शुरू कर सकती है। ये लाइन्स कुछ निश्चित प्रतिशत (२३.६%, ३८.२%, ५०%, ६१.८%, और १००%) पर आधारित हैं जो फिबोनाची अनुक्रम से आती हैं। ये प्रतिशत बताते हैं कि मार्केट एक ही दिशा में जारी रहने से पहले अक्सर एक निश्चित अमाऊंट से रिट्रेस होगा।

✓ ट्रेडर्स फिबोनाची रिट्रेसमेंट लेवल्स का उपयोग ऐसे स्पॉट खोजने के लिए करते हैं जहां से प्राइस ऊपर या नीचे जाना बंद कर सकती है (सपोर्ट और रेसिस्टनस)। इससे उन्हें यह पता लगाने में मदद मिलती है कि एसेट को कब खरीदना या बेचना है। यदि अपट्रेंड मे कीमत फिबोनाची रिट्रेसमेंट लेवल तक गिरती है और वहीं रहती है, तो ट्रेडर सोच सकते हैं कि यह खरीदने का अच्छा समय है। यदि डाऊनट्रेंड मे कीमत एक फिबोनाची रिट्रेसमेंट लेवल तक रिट्रेस करती है और अधिक उपर नहीं जा पा रही है, तो ट्रेडर सोच सकते हैं कि यह बेचने का अच्छा समय है।

✓ हालांकि ५०% प्युअर फिबोनाची नंबर नहीं है,फिर भी ट्रेडर इसका सपोर्ट और रेसिस्टनस् के प्रमुख लेवल के रूप में उपयोग करते हैं क्योंकि इसे एक महत्वपूर्ण साइकॉलॉजिकल लेवल के रूप में देखा जाता है। इसे ट्रेण्ड के हाय और लो पॉइंट का मध्यबिंदु माना जाता है,और कई ट्रेडर का मानना है कि अगर प्राइस इस लेवल को पार कर जाती है, तो यह मार्केट की भावना या दिशा में संभावित बदलाव का संकेत दे सकता है। तो भले ही यह तकनीकी रूप से फिबोनाची नंबर नहीं है, फिर भी ५०% एक महत्वपूर्ण लेवल है जिस पर ट्रेडर्स की नजर रहती है।

Scanned with CamScanner

फिबोनाची रिट्रेसमेंट अपट्रेंड में

स्विंग हाई पर ० लेवल और स्विंग लो पर १ लेवल रखें और फिबोनाची ड्रॉ करे।

Scanned with CamScanner

डाउनट्रेंड के लिए 0 लेवल को स्विंग लो और 1 लेवल को स्विंग हाई पर रखें और फिबोनाची ड्रा करें।

करेक्शनस् और बाउंसेस्, मूल दिशा में जारी रहने से पहले अक्सर एक निश्चित अमाऊंट वापस जाते हैं। जबकि छोटे रिट्रेसमेंट भी होते हैं, अधिकांश ट्रेडर संभावित टर्निंग पॉइंट के लिए ३८.२%–६१.८% क्षेत्र (५०% के साथ) देखते हैं। यह क्षेत्र केवल एक संकेत है कि प्राइस दिशा बदल सकती है। इसकी पुष्टि करने के लिए अन्य संकेतों की भी आवश्यकता है।

Scanned with CamScanner

प्रॉफिट को राइड करणे के लीये स्टॉप लॉस कैसे स्थानांतरित करें

डाउनट्रेंड मे स्टॉप लॉस रीसन्ट स्विंग हाइ के ऊपर ट्रेल कर सकते है। (फॉर बेयरिश पोझिशन)

अपट्रेंड मे स्टॉप लॉस को रीसन्ट स्विंग लो के नीचे ट्रेल कर सकते है। (फॉर बुलिश पोझिशन)

Scanned with CamScanner

ब्रेकआउट्स के प्रकार

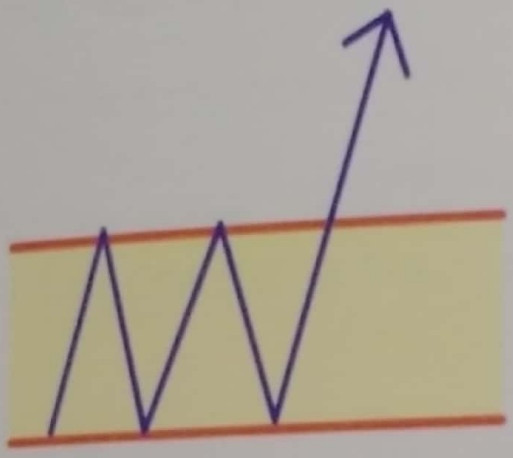

१. स्ट्रॉंग ब्रेकाउट:
इसमे बाइअर इतने स्ट्रॉंग होते है की वो रिटेस्ट लेवल पर एंट्री करने का चांस नहीं देते।

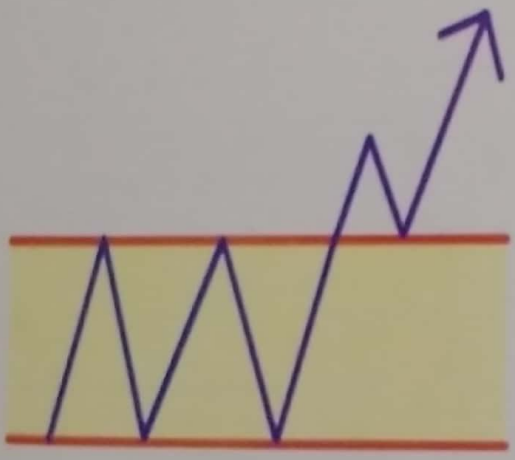

२. ब्रेकाउट और रिटेस्ट:
इसमे प्राइस ब्रेकाउट होने के बाद रेसिस्टन्स लेवल पर रिटेस्ट करती है और जब वो ब्रेकाउट मूव के दिशा मे जाने लगती है तो ब्रेकाउट कन्फर्म होता है ।

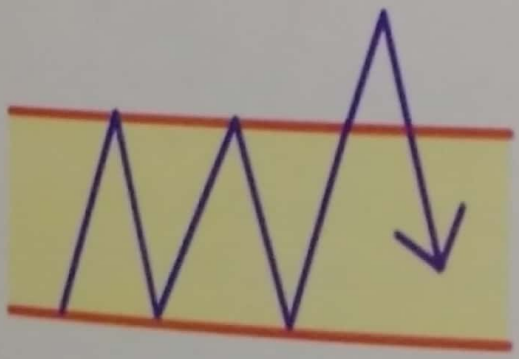

३. फॉल्स ब्रेकाउट:
इसमे प्राइस रेसिस्टन्स लेवल को ब्रेक करती है पर तुरंत ही रीवर्स आ जाती है।

Scanned with CamScanner

ब्रेकआउट को कैसे ट्रेड करें

१. ब्रेकआउट लेवल का तकनीकी महत्व होना चाहिए।

२. लेवल तोड़ने के बाद मार्केट को कुछ समय साइडवेज टाइम बिताने दिजीये।

३. कैंडल को ब्रेकआउट लेवल के ऊपर बंद होने का इंतज़ार करें।

४. ब्रेकआउट मुव की दिशा में ट्रेड ले।

५. इसका पालन करने से आप कुछ सिग्नलस् से चूक जाएंगे लेकिन लंबे समय में आपको लाभ होगा।

Scanned with CamScanner

इंडिकेटर्स

'जितने अधिक तकनीकी इंडिकेटर समान प्राइस एरिया में इकट्ठा होते हैं, सटीक पूर्वानुमान की संभावना उतनी ही अधिक होती है।'

१) मूविंग एवरेज

मूविंग एवरेज एक ऐसा टुल है जिसका उपयोग प्राइस मुव्हमेंट के मौजूदा ट्रेंड का पता लगाने के लिए किया जाता है। यह प्राइस के कुछ निश्चित पीरीअड का औसत निकालता है। मूविंग एवरेज लाइन के ट्रेंड का विश्लेषण करके, निवेशक और ट्रेडर यह पता लगा सकते हैं कि, असेट अपट्रेंड या डाऊनट्रेंड मे है । हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मूविंग एवरेज लैगिंग इंडिकेटर हैं, जिसका अर्थ है कि वे ट्रेंड चालू होणे के बाद ही सिग्नल देते है और ट्रेंड चालू होने से पहले नहीं। मूविंग एवरेज एक ट्रेंड की शुरुआत या अंत की भविष्यवाणी नहीं करते हैं, बल्कि इसकी दिशा और गति के बारे मे बताते है।

मूविंग एवरेज को कैन्डलस्टिक पैटर्न के साथ कम्बाइन करणे से बाजार की डायरेक्शन और momentum में मूल्यवान इनसाइट मिल सकती है, जो ट्रेडर को ट्रेड में एंट्री करने या बाहर निकलने के बारे में अधिक सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकता है। मूविंग एवरेज का उपयोग करके एक बार ट्रेंड की दिशा जानने के बाद, कैंडलस्टिक पैटर्न का उपयोग एंट्री और एक्जिट करणे के लीये किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

सिंपल मूविंग एवरेज: यह एक टूल है जिसका उपयोग किसी असेट के ॲवरेज क्लोजिंग प्राइस को calculate करणे के लीये किया जाता है। इस एवरेज को calculate करने के लिए हर एक पीरीअड के क्लोज़िंग प्राइस को मिला के उसे टोटल नंबर ऑफ पीरीअड से डीवाइड करना होगा। जो वैल्यू मिलेगी उसे चार्ट पर पहला एवरेज के रूप मे प्लॉट किया जाता है और मूविंग एवरेज बनाने के लिए इस प्रक्रिया को दोहराया जाता है।

वेटेड मूविंग एवरेज: यह सिंपल मूविंग एवरेज का एक प्रकार है, जहां एवरेज को calculate करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रत्येक प्राइस को निवेशक या ट्रेडर के preference के आधार पर एक अलग वेटेज(महत्व) दिया जाता है। आमतौर पर, जो रीसन्ट प्राइस है उसे पुरानी प्राइस से ज्यादा weight दिया जाता है।

एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज: यह सिंपल मूविंग एवरेज का एक और प्रकार है जो डेटाबेस में सभी पूर्व कीमतों को ध्यान में रखता है। यह सबसे रीसन्ट पीरीअड को अधिक महत्व देता है, जबकि पिछली कीमतों को कम weight देता है।

Scanned with CamScanner

सिंगल मूविंग एवरेज क्रॉसओवर मेथड

यह क्लोजिंग प्राइस की मूविंग एवरेज से तुलना करके मार्केट का विश्लेषण करने की एक तकनीक है। यदि क्लोजिंग प्राइस अपने मूविंग एवरेज से ऊपर उठता है, तो यह दर्शाता है कि बाजार तेजी के ट्रेंड में है और यह खरीदने का संकेत है। इसके विपरीत, यदि क्लोजिंग प्राइस मूविंग एवरेज से नीचे आता है, तो यह दर्शाता है कि मार्केट मंदी के ट्रेंड में है और यह बेचने का संकेत है।

यह पद्धति इस विश्वास पर आधारित है कि मार्केट में जो ट्रेंड है वो आमतौर पर जारी रहता है।

Scanned with CamScanner

✓ यदि बाजार में तेजी है (क्लोजिंग प्राइस मूविंग एवरेज से अधिक है), ट्रेडर्स को बुलिश कैंडलस्टिक पैटर्न की तलाश करनी चाहिए और खरीदने का विचार करना चाहिए। यदि तेजी का ट्रेंड बना रहता है, तो उन्हें अपने लॉन्ग पोजिशन को बनाए रखना चाहिए।

✓ दूसरी ओर, यदि बाजार में मंदी है (क्लोजिंग प्राइस मूविंग एवरेज से कम है), तो ट्रेडर्स को मंदी के कैंडलस्टिक पैटर्न की तलाश करनी चाहिए और बेचने का विचार करना चाहिए। यदि ट्रेंड मंदी का ही बना रहता है, तो उन्हें अपने शॉर्ट पोजिशन को बनाए रखना चाहिए।

डुअल मूविंग एवरेज क्रॉसओवर मेथड (Dual Moving Average Crossover Method):

✓ यह financial मार्केट का विश्लेषण करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक अन्य तकनीक है, जिसमें विभिन्न लंबाई के दो मूविंग एवरेज की तुलना करना शामिल है। इस पद्धति में, एक शॉर्ट टर्म मूविंग एवरेज की तुलना एक लॉन्ग-टर्म मूविंग एवरेज से की जाती है। यदि शॉर्ट-टर्म मूविंग एवरेज, लॉन्ग-टर्म मूविंग एवरेज के उपर जाता है, तो यह एक बुलिश रिवर्सल का संकेत देता है और खरीदने के लिए एक अच्छा समय दर्शाता है।

✓ इसके विपरीत, यदि लाँग टर्म मूविंग एवरेज, शॉर्ट टर्म मूविंग एवरेज से नीचे आता है, तो यह एक बेयरिश रिवर्सल का संकेत देता है और बेचने के लिए एक अच्छा समय दर्शाता है। यह मेथड इस विचार पर आधारित है कि शॉर्ट टर्म ट्रेंड, लॉन्ग टर्म ट्रेंड की तुलना में अधिक अस्थिर है, और दो मूविंग एवरेज को क्रॉस करना ट्रेंड की दिशा में बदलाव का संकेत दे सकता है।

Scanned with CamScanner

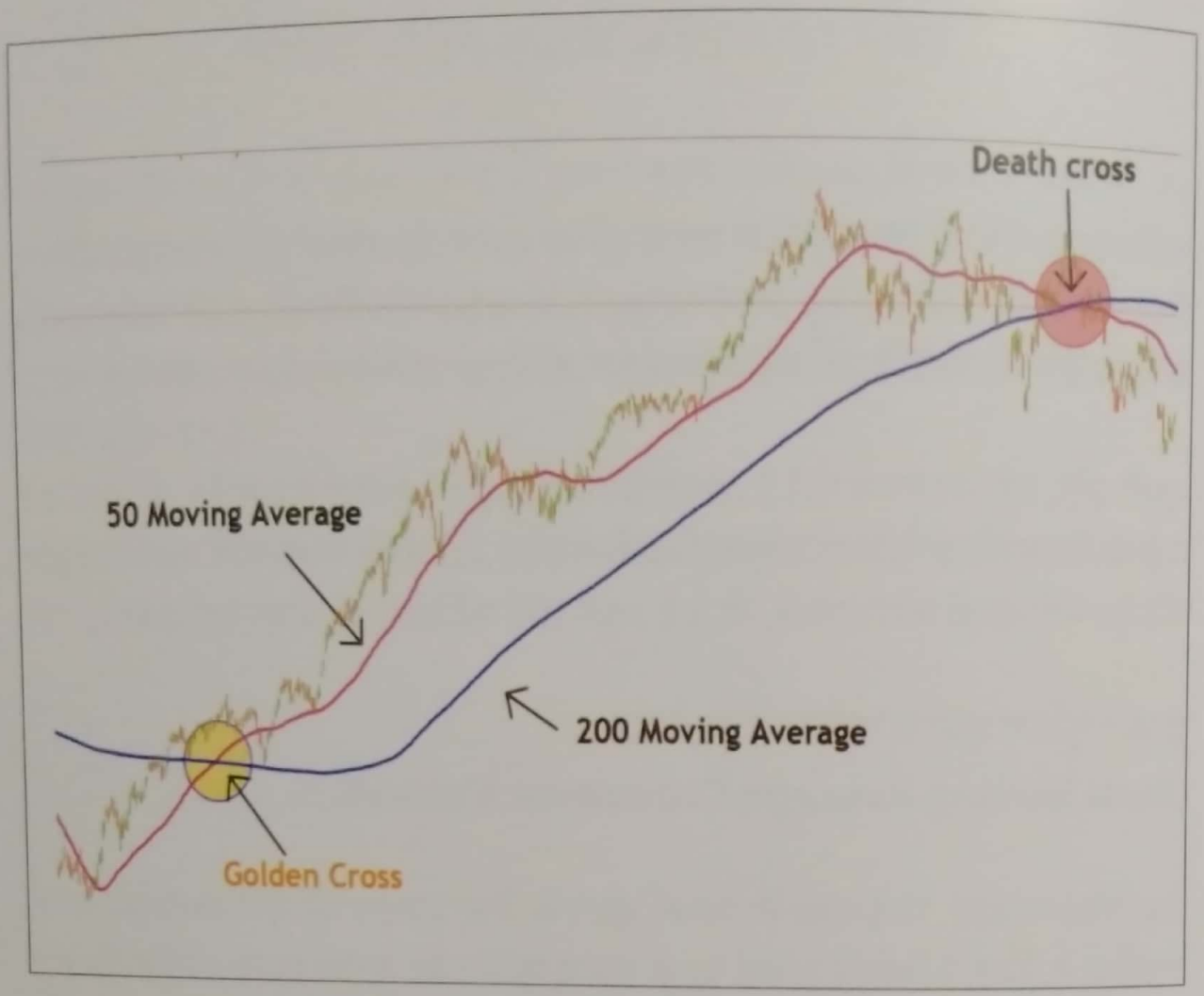

गोल्डन क्रॉस

यह एक तेजी का संकेत है। यह तब होता है जब ५०-दिवसीय मूविंग एवरेज २००-दिवसीय मूविंग एवरेज को क्रॉस करके ऊपर चला जाता है।

डेथ क्रॉस

यह एक मंदी का संकेत है। यह तब होता है जब ५०-दिवसीय मूविंग एवरेज २००-दिवसीय मूविंग एवरेज को क्रॉस करके नीचे चला जाता है।

Scanned with CamScanner

जब इंट्राडे ट्रेडिंग की बात आती है तो अलग-अलग ट्रेडर्स की, अपनी अनूठी प्राथमिकताएं, ट्रेडिंग रणनीतियां और रिस्क लेने की क्षमता होती है। नतीजतन, वे विभिन्न प्रकार की मूविंग एवरेज का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि आमतौर पर इंट्राडे ट्रेडिंग के लिए, नीचे दिए गए मूविंग एवरेज का उपयोग किया जाता है।

a) सिंपल मूविंग एवरेज (SMA) – ट्रेडर अक्सर २०-अवधि और ५०-अवधि के SMA का उपयोग करते हैं

b) एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (EMA)
यह हाल की कीमतों को अधिक महत्व देता है और SMA की तुलना में प्राइस चेंज के प्रति अधिक संवेदनशील माना जाता है। ट्रेडर अक्सर ९-अवधि और २१-अवधि के एचअ का उपयोग करते हैं

c) वेटेड मूविंग एवरेज (WMA)
यह SMA की तुलना में हाल की कीमतों को अधिक महत्व देता है लेकिन EMA की तुलना में कम महत्व देता है, और ट्रेडर १०-अवधि या ३०-अवधि के WMA का उपयोग कर सकते हैं।

इंट्राडे ट्रेडिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ मूविंग एवरेज का चुनाव व्यक्तिगत ट्रेडर की पसंद और ट्रेडिंग रणनीति पर निर्भर करता है। आपकी विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए सबसे उपयुक्त एक को खोजने के लिए विभिन्न मूविंग एवरेज का बैकटेस्ट करना महत्वपूर्ण है।

Scanned with CamScanner

2) MACD

(मूविंग एवरेज कन्वर्जेंस डाइवर्जेंस)

यह ट्रेंड को पहचानने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला इंडिकेटर है। यह सबसे प्रभावी होता है जब एक ट्रेंड की दिशा निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है, और लक्ष्य केवल MACD दिशा में ट्रेड करना है। एमएसीडी इंडिकेटर में दो लाइनें शामिल होती हैं। पहली लाइन दो एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (आमतौर पर १२-दिन और २६-दिन की औसत) के बीच के अंतर का उपयोग करती है, जबकि दूसरी लाइन एमएसीडी लाइन के सिग्नल लाइन के रूप में एक ओर एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (आमतौर पर ९-दिन का औसत) का उपयोग करती है।

दो लाइन की तुलना करके, ट्रेडर एक ट्रेंड की ताकत और दिशा निर्धारित कर सकते हैं और इस जानकारी का उपयोग सूचित ट्रेडिंग निर्णय लेने के लिए कर सकते हैं।

जब तेजी से चलने वाली MACD लाइन धीमी गति से चलने वाली सिग्नल लाइन को क्रॉस करके ऊपर जाती है तो एक बाय सिग्नल उत्पन्न होता है जो संभावित अपट्रेंड का संकेत देता है। यह दर्शाता है कि खरीदने का यह एक अच्छा समय हो सकता है।

Scanned with CamScanner

बुलिश ट्रेंड अगर (MACD > सिग्नल लाइन)
बेयरिश ट्रेंड (MACD < सिग्नल लाइन)

✓ जब लाइनें शून्य रेखा से महत्वपूर्ण रूप से ऊपर होती हैं, तो यह एक ओवरबॉट की स्थिति को दर्शाता है, जबकि शून्य रेखा से काफी नीचे एक ओवरसोल्ड स्थिति को दर्शाता है। सबसे अनुकूल बाइ सिग्नल तब होते हैं जब प्राइस शून्य रेखा से काफी नीचे होती हैं, जो ओवरसोल्ड स्थिति का संकेत देती हैं।

✓ डायवर्जेंस तब होता है जब MACD लाइनों का ट्रेंड, प्राइस से भिन्न होता है। एक बेयरिश डाइवर्जेंस, या नेगेटिव डाइवर्जेंस तब होता है, जब MACD लाइन्स शून्य रेखा से काफी ऊपर होती हैं (ओवरबॉट)और कमजोर होने लगती हैं, जबकि प्राइस ऊपर की ओर बढ़ती रहती हैं। यह अक्सर आगामी मार्केट टॉप की चेतावनी संकेत होता है। दूसरी ओर, एक तेजी से डायवर्जेंस, या सकारात्मक विचलन तब होता है जब MACD लाइनें शून्य रेखा से काफी नीचे होती हैं (ओवरसोल्ड)और प्राइस से पहले उठना शुरू हो जाती हैं। यह अक्सर मार्केट बॉटम का शुरुआती इंडिकेटर होता है।

Scanned with CamScanner

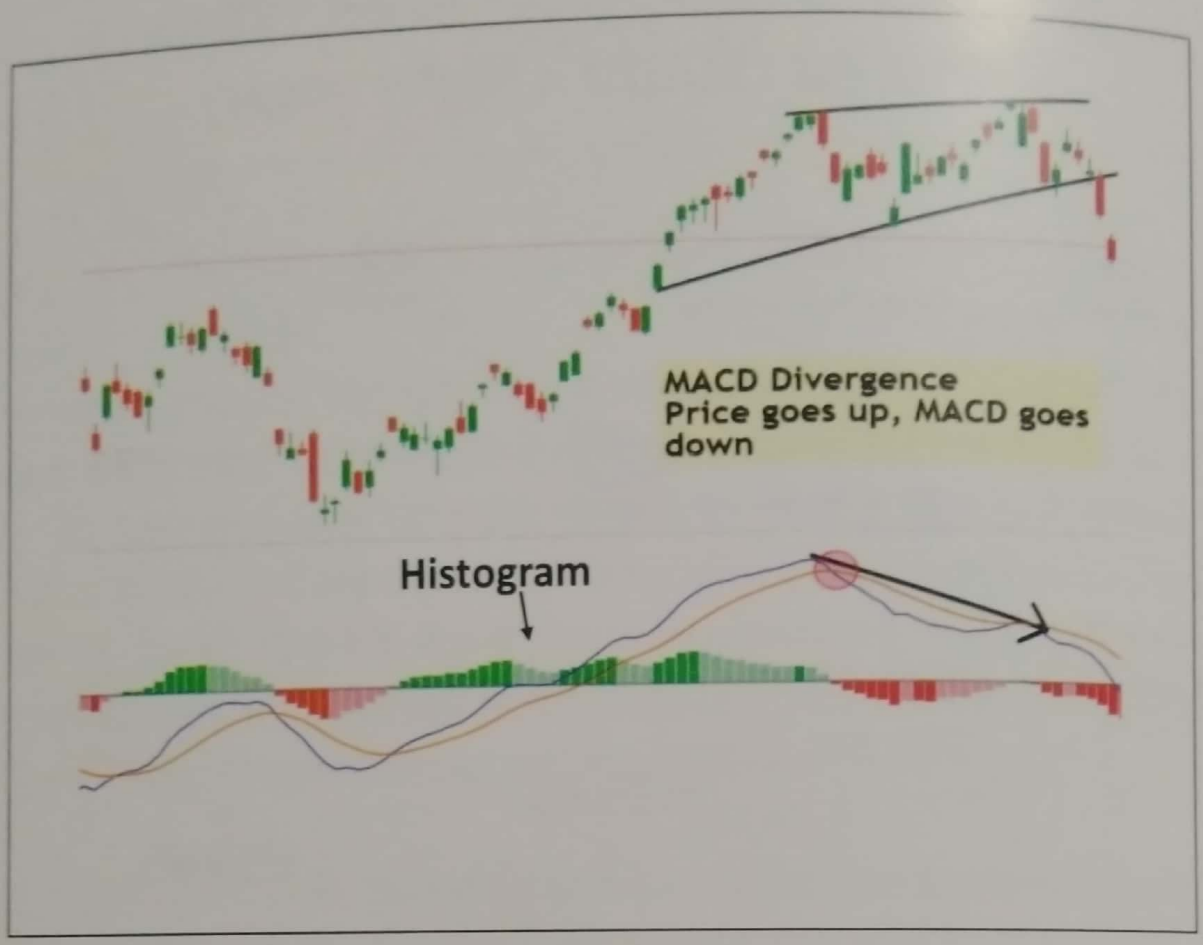

हिस्टोग्राम

यदि MACD लाइन सिग्नल लाइन को नीचे से क्रॉस करती है, तो हिस्टोग्राम ग्रीन हो जाता है और यदि MACD लाइन सिग्नल लाइन को उपर से क्रॉस करती है, तो हिस्टोग्राम रेड हो जाता है

Scanned with CamScanner

हिस्टोग्राम का आकार

✓ यदि MACD लाइन, सिग्नल लाइन को क्रॉस करता है और हिस्टोग्राम का आकार बढ़ता है, तो यह ट्रेंड के मोमेंटम में वृद्धि दर्शाता है।

✓ यदि सिग्नल लाइन और MACD लाइन आगे अलग हो जाती है, तो हिस्टोग्राम बड़ा हो जाता है और यदि २ लाइनें करीब आती हैं, तो हिस्टोग्राम छोटा हो जाता है।

✓ यदि मार्केट साइडवेज है, तो MACD गलत सिग्नल दे सकता है। हमें MACD का उपयोग ट्रेंडिंग मार्केट में और अन्य प्राइस ॲक्शन सिग्नलस् के साथ करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

3) RSI

रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स

- ✓ RSI एक टूल है जिसका उपयोग मार्केट की ओवरबॉट या ओवर्सोल्ड कंडिशन्स को पहचानने और ट्रेंड रीवर्सल के बारे मे अधिक जानकारी के लिए किया जाता है। इस जानकारी का उपयोग खरीदने या बेचने के बारे में निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है। RSI '0' और '१००'% के बीच ओस्किलेट करता है।

- ✓ जब RSI मूल्य ७०% तक पहुंचता है, या उससे अधिक हो जाता है, तो यह एक संकेत माना जाता है कि बाजार में अधिक खरीददारी की गई है। इसके विपरीत, यदि RSI ३०% से कम हो जाता है, तो इसे ओवरसोल्ड मार्केट माना जाता है।

Scanned with CamScanner

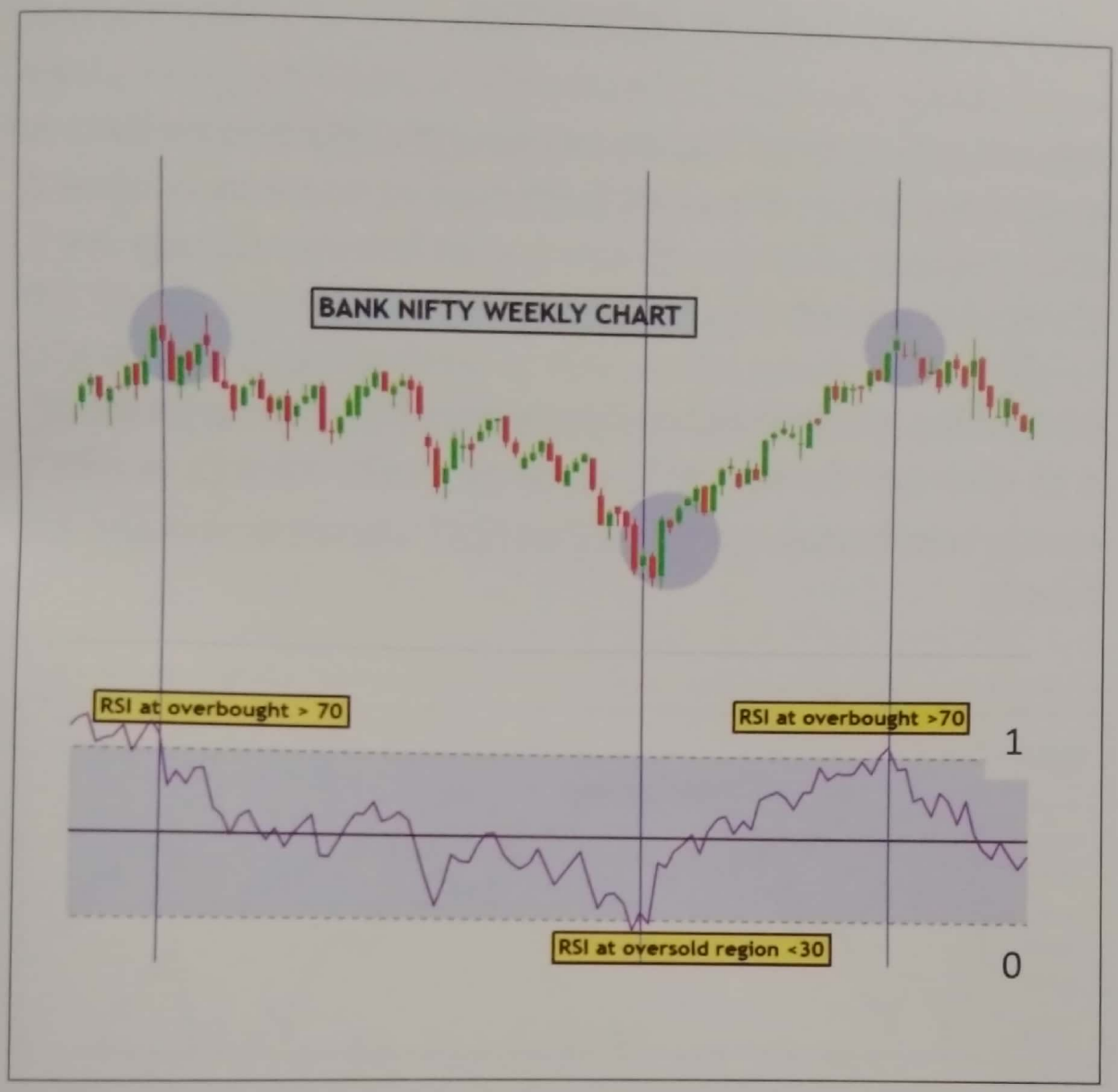

जब RSI ३० के स्तर से नीचे गिरता है और फिर इसके ऊपर वापस आता है, तो इसे अक्सर ट्रेडर द्वारा बाय सिग्नल के रूप में देखा जाता है। इसके विपरीत, यदि RSI ७० से ऊपर उठता है और फिर इसके नीचे गिरता है, तो इसे ओवरबॉट मार्केट में बेचने के संकेत के रूप में समझा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

एंट्री स्टेप्स

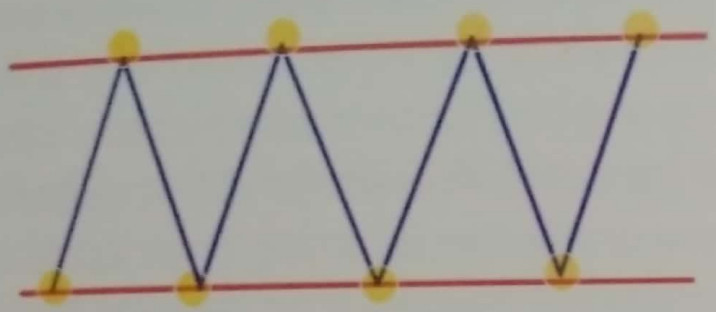

१. हाय और लो मार्क करो और उसे एक ट्रेंडलाइन से जोडके अपना एक झोन बनावो

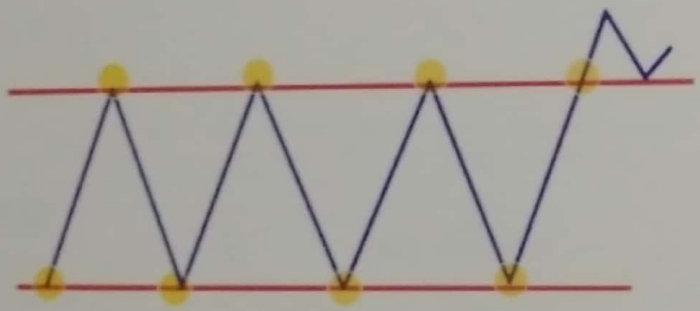

प्राइस को ट्रेंडलाइन ब्रेक करने दो और उसके रिटेस्ट की प्रतीक्षा करो

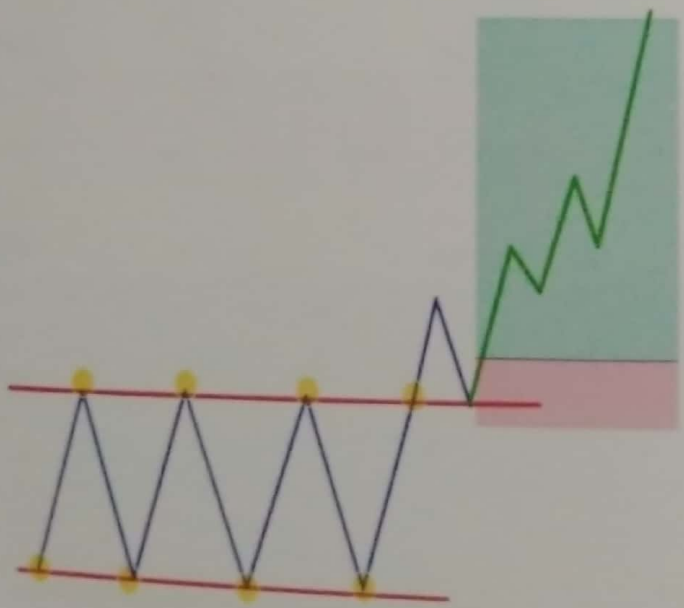

जब प्राइस रिटेस्ट करके उपर जा रहा होगा तब अच्छा रिस्क/ रिवॉर्ड रेशियो फिक्स करके एंटर करे और टार्गेट का संयम से इंतजार करे

Scanned with CamScanner

वॉल्यूम

- ✓ आम तौर पर, वॉल्यूम जितना अधिक होता है, प्राइस मुव्हमेंट उतना ही मजबूत होता है। यह वॉल्यूम को मार्केट में ब्रेकआउट मुव की पुष्टि करने के लिए एक महत्वपूर्ण टूल बनाता है।

- ✓ ट्रेडर यह देख सकते हैं कि वॉल्यूम बढ़ रहा है या घट रहा है। अगर वॉल्यूम बढ़ रहा है, तो इसे एक सिग्नल के रूप में देखा जाता है कि मौजूदा ट्रेंड जारी रहेगा। दूसरी ओर यदि वॉल्यूम घट रहा है और प्राइस ट्रेंड अभी भी चल रहा है तो ये यह संकेत दे सकता है कि ट्रेंड जारी नहीं रहेगा।

- ✓ वॉल्यूम का उपयोग बाजार में टॉप और बॉटम की पुष्टि करने के लिए भी किया जा सकता है। अगर प्राइस बढ़ रही है तो वॉल्यूम भी धीरे–धीरे बढ़ना चाहिए। यदि लंबी रैली के बाद वॉल्यूम अचानक बढ़ जाता है, तो यह संकेत दे सकता है कि बाजार एक्झहॉस्टेड है, और रिवर्सल होने की संभावना है। इसे बाईंग क्लायमॅक्स के रूप में जाना जाता है।

- ✓ इसके विपरीत, यदि कीमत गिर रही है, और वॉल्यूम अचानक असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में बढ़ जाता है, तो यह संकेत दे सकता है कि बाजार निचले स्तर पर पहुंच गया है और यहा से उपर उठ सकता है । इसे सेलिंग क्लायमॅक्स कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

रिस्क मैनेजमेंट

✓ ट्रेडिंग की सफलता के लिए रिस्क मैनेजमेंट महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ट्रेडर्स को संभावित जोखिमों को पहचानने, मूल्यांकन करने और कम करने में सक्षम बनाता है जो बाजार की अस्थिरता जैसे कारकों के कारण उभर सकते हैं।

✓ रिस्क–रिवार्ड रेशियो एक स्पेसिफिक ट्रेड के लिए संभवित रिवार्ड के संबंध में संभवित रिस्क का एक measure है। उदाहरण के लिए, १:३ रिस्क–रिवार्ड रेशियो का अर्थ है कि रिस्क के प्रत्येक १ पॉइंट के लिए प्रॉफ़िट के ३ पॉइंट की संभावना है।

✓ रिस्क मैनेजमेंट आपको अपने पैसे को सुरक्षित रखने, बड़े नुकसान को रोकने और लंबे समय में अधिक पैसा बनाने में मदद कर सकता है।

✓ रिस्क–रिवार्ड (RR) रेशियो, रिस्क मैनेजमेंट का एक मूलभूत पहलू है जिसका उपयोग ट्रेडर अपने ट्रेड एंट्री और एक्जिट को बेहतर बनाने के लिए कर सकते हैं। किसी ट्रेड के संभवित रिवार्ड के विरुद्ध संभवित रिस्क पर विचार करके, ट्रेडर अधिक सूचित निर्णय ले सकते हैं और अपने लॉस को कम करते हुए अपने प्रॉफिट को अधिकतम करने का लक्ष्य रखते हैं।

✓ रिस्क–रिवार्ड बनाम विन रेट % पर विचार करते समय, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वे विपरीत रूप से संबंधित हैं। इसका मतलब यह है कि अगर किसी ट्रेडर का रिस्क–रिवार्ड रेशियो कम है, तो उसे ब्रेक ईवन के लिए ज्यादा जीत दर की आवश्यकता होगी। इसके विपरीत, यदि किसी ट्रेडर का रिस्क–रिवार्ड रेशियो अधिक है, तो वे कम विन रेट % का रिस्क उठा सकते हैं और फिर भी ब्रेक इवन कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि किसी ट्रेडर का रिस्क–रिवार्ड रेशियो १:१ है और जीत की दर ५०% है, तो वे ब्रेक इवन होंगे। हालांकि, अगर वे अपने रिस्क–रिवार्ड रेशियो को १:२ तक बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें ब्रेक इवन के लिए कम से कम ३३.३% जीत दर की आवश्यकता होगी। दूसरी ओर, यदि किसी ट्रेडर का रिस्क–रिवार्ड रेशियो १:३ है, तो वे

Scanned with CamScanner

केवल २५% जीत दर के साथ ब्रेक ईवन कर सकते हैं।

✓ इसलिए, एक ट्रेडर को अपनी ट्रेडिंग रणनीति का मूल्यांकन करते समय और अपने ब्रेक इवन पॉइंट का निर्धारण करते समय रिस्क–रिवार्ड और विन रेट % दोनों पर विचार करना चाहिए। एक उच्च रिस्क–रिवार्ड रेशियो संभावित रूप से लंबे समय में अधिक प्राफिटबिलिटी का कारण बन सकता है, लेकिन इसके लिए कम जीत दर को स्वीकार करने की आवश्यकता हो सकती है।

रिस्क लेने के बारे मे हर एक ट्रेडर का अपना एक कंफर्ट लेवल होता है। इसलिए, ऐसा रिस्क–रिवार्ड रेशियो चुनना महत्वपूर्ण है, जो आपकी व्यक्तिगत ट्रेडिंग स्टाइल और विन रेट को सूट होता हो।

Scanned with CamScanner

रिस्क मैनेजमेंट पर महत्वपूर्ण पॉईंट्स

१) ट्रेडिंग करने से पहले, एक ऐसे प्लान का होना जरूरी है जो यह बताए कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं और आप इसे कैसे हासिल करेंगे। यह आपको तनावपूर्ण स्थितियों के दौरान शांत रहने में मदद कर सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि आप बहुत अधिक जोखिम नहीं उठा रहे हैं। एक योजना के बिना, आवेगी निर्णय लेना आसान होता है जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है।

२) प्रत्येक ट्रेडर के लिए रिस्क अलग होता है, और कोई एक दृष्टिकोण नहीं है जो सभी के लिए काम करता हो। अपनी व्यक्तिगत परिस्थितियों को समझकर, आप एक रिस्क मॅनेजमेंट प्लान बना सकते हैं जो आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप हो और आपके ट्रेडिंग लक्ष्यों को प्राप्त करने में आपकी मदद करे। याद रखें, एक ट्रेडर के लिए जो काम करता है वह दूसरे के लिए काम नहीं कर सकता है, इसलिए एक ऐसा दृष्टिकोण खोजना महत्वपूर्ण है जो आपकी अपनी अनूठी स्थिति के अनुरूप हो।

३) ट्रेडिंग करते समय आवेगी निर्णय लेने से बचने के लिए, हमे कुछ रुल्स का पालन करना होगा जिसे ट्रैडिंग सिस्टम कहते है। ट्रेडिंग सिस्टम आपको मार्केट के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में सावधानी से सोचने में मदद करता है। आपका सिस्टम अलग-अलग मार्केट कंडिशन्स में काम करता है यह सुनिश्चित करने के लिए , आपको इसका पूरी तरह से बैकटेस्ट और रिसर्च करना चाहिए। कुछ लोसेस के बाद अपने सिस्टम को न छोड़ें, क्योंकि ऐसा करने से लंबे समय में आपके और भी लोसेस हो सकते हैं। यदि आपके सिस्टम ने उसकी एज प्रूव की है, तो लगातार रिटर्न उत्पन्न करने और अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उस पर टिके रहें।

४) ट्रेडिंग करते समय संभवित नुकसान को सीमित करने के लिए, स्टॉप-लॉस ऑर्डर का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। यह ऑर्डर एक पूर्व निर्धारित प्राइस लेवल पर दिया जाता है और आपको अपनी ट्रेडिंग प्लान या सिस्टम पर टिके रहने में मदद करता है। यदि ट्रेड आपके खिलाफ जाता है और प्राइस पूर्व निर्धारित लेवल तक पहुंच जाती है, तो स्टॉप-लॉस ऑर्डर आपके नुकसान को सीमित करने के लिए स्वचालित रूप से उस ट्रेड को exit कर देगा। आपका ट्रेडिंग आयडिया और जिस पॉइंट पर यह इनव्हालीड हो जाएगा, उसके आधार पर स्टॉप-लॉस लेवल चुनना महत्वपूर्ण है। इससे आपको रिस्क को मॅनेज करने और बड़े नुकसान को रोकने में मदद मिल सकती है।

Scanned with CamScanner

५) ट्रेडिंग करते समय रिस्क को मॅनेज करने के लिए, योग्य पोजिशन सायझिंग का उपयोग करना महत्वपूर्ण है ताकि आप किसी एक ही ट्रेड में बहुत अधिक रिस्क न लें। चूंकि ट्रेडिंग में संभावनाएँ शामिल होती हैं, इसलिए आम तौर पर यह सबसे अच्छा होता है कि आप अपना सारा पैसा एक ट्रेड में लगाने से बचें। इसके बजाय, अपने जोखिम को कई ट्रेडों में फैलाएं। अपने पोजिशन साइज को मॅनेज करके, आप संभावित हानियों को सीमित कर सकते हैं और अपने सक्सेस के चांसेस को बढ़ा सकते हैं।

६) ओवर ट्रेडिंग या रिवेंज ट्रेडिंग न करें:

जब ट्रेडर्स को लॉसेस होते है, तो वे अपने लॉस को रिकवर करने के लिए अधिक रिस्क लेने के लिए प्रलोभित हो सकते हैं। हालाँकि, यह एक अच्छा विचार नहीं है।

ट्रेडिंग करते समय भावनाओं को महसूस करना सामान्य है, लेकिन सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बजाय भावनाओं के आधार पर निर्णय लेना खतरनाक हो सकता है। अगर आपको लगता है कि आपकी भावनाएं आड़े आ रही हैं, तो ट्रेडिंग से ब्रेक लें।

७) ट्रेडिंग जर्नल को मैन्टैन रखना:

ट्रेडिंग जर्नल को मैन्टैन रखने का अर्थ है अपने ट्रेडों का रिकॉर्ड रखना और अपने ट्रेडिंग स्किल को बेहतर बनाने के लिए उनका विश्लेषण करना। नियमित रूप से अपने ट्रेडिंग जर्नल की समीक्षा करके, आप अपनी गलतियों, कमजोरियों और शक्तियों की पहचान कर सकते हैं। इससे आपको बेहतर रणनीति विकसित करने और भविष्य में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है। अनिवार्य रूप से, ट्रेडिंग जर्नल एक सेल्फ रिफ्लेक्शन और इम्प्रूवमेंट के लिए महत्वपूर्ण टूल है।

Scanned with CamScanner

महत्वपूर्ण सायकॉलॉजीकल पॉईंट्स

१. जिस दिन आपका प्रॉफ़िट हो गया है उस दिन आपको प्रॉफिट के अमाऊंट पर रिस्क लेना चाहिए और प्रॉफिट से अधिक का लॉस नहीं करना चाहिए।

२. ट्रेड करने से पहले आपको उसका प्लान बना लेना चाहिए। ट्रेडिंग करने से पहले एंट्री, स्टॉप लॉस, एग्जिट, रिस्क पर डे, प्रॉफिट स्ट्रैटेजी का प्लान बनाना चाहिए।

३. शुरुआत में १० ह –२० ह कैपिटल का उपयोग करके ट्रेडिंग सीखना चाहिए। कैपिटल तभी ऐड करना चाहिए जब आप २–३ महीने के लिए प्रॉफिटेबल हों। पहले ट्रेडिंग करके कुछ प्रॉफ़िट अकाउंट मे ऐड करना चाहिए और बाद में ही कैपिटल ऐड करने के बारे मे सोचना चाहिए।

४. यदि आपने कोई नई चीज या strategy सीखते हो, तो आपको पहले उसका बॅकटेस्ट करना चाहिए और उसके बाद ही उसे ट्रेडिंग में लागू करना चाहिए।

५. शुरुआत में मार्केट से रिटर्न की उम्मीद थोड़ी कम रखनी चाहिए क्योंकि यह सीखने का टाइम होता है।

६. कभी भी मार्केट के साथ माच्चो मॅन जैसा बरताव मत करो। जैसे की कभी भी ओवरट्रेड न करें या अचानक बड़ी quantity ना ले।

७. आपको हर दिन ट्रेडिंग जर्नल लिखना चाहिए। यह सभी सफल ट्रेडर्स की कॉमन आदत है। ट्रेडिंग जर्नल में आगे दिये गये पॉईंट्स शामील किये जा सकते है – दिन, समय, quantity, एंट्री पॉइंट, एंट्री रीजन , एक्जिट पॉइंट , गलती कया हुई etc.

८. यदि आप लगातार ३ लॉस करते हैं, तो उस दिन के लिए ट्रेडिंग बंद कर देंना चाहिए।

Scanned with CamScanner

९. हर ट्रेड और हर मार्केट की स्थिति युनिक होती है। एक ट्रेड दूसरे के समान कार्य नहीं कर सकता।

१०. ट्रेड करने से पहले हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि प्राइस हमारे स्टॉप लॉस लेवल को हिट कर सकती है और यह कोई समस्या नहीं है क्योंकि मेरी स्ट्रैटिजी लॉंग टर्म मे काम करेगी।

११. हर ट्रेड जीतने की जरूरत नहीं है। उदाहरण के लिए यदि आप अपने ट्रेडों मे से ५०% टाइम्स लॉस करते है , तब भी आप लंबे समय में प्रॉफीटेबल हो सकते हैं यदि आप १:२ रिस्क या उससे ज्यादा रिस्क/रिवार्ड रेशियो का उपयोग करते हैं।

१३. मार्केट सर्वोच्च है। कभी भी कुछ भी हो सकता है। इसलिए, यदि मार्केट आपके विपरीत काम कर रहा है, तो लॉस को स्वीकार करें और ट्रेड से बाहर निकलें।

१४. आपने कमाए हुए प्रॉफिट पर रिस्क लेकर ही आपका बड़ा प्रॉफिट आएगा न कि कॅपिटल के अमाउन्ट पर रिस्क से। इसलिए प्रॉफिट को अकाउंट में जमा करने की कोशिश करें और उन पर रिस्क ले।

१५. अपने लॉस वाले ट्रेड को जल्दी कट करना सीखे और अपने प्रॉफिट के ट्रेड की सवारी करें!

१६. जहां स्टॉप लॉस बहुत कम होता है और प्रॉफिट की संभावना अधिक होती है इस प्रकार के संधि का लाभ ले।

१७. तीन चीजों की जांच करें जो आपके पक्ष में जा रही हैं और फिर ट्रेड करें

१) बायर और सेलर का असंतुलन

२) चार्ट

३) मार्केट टोन (न्यूज)

Scanned with CamScanner

१८. अगर आपका कोई बड़ा लॉस हो गया है तो उस दिन ब्रेक लें, अगला ट्रेड करने से पहले कुछ और चीज करें। लॉस और अगले ट्रेड के बीच कुछ समय लगाएं।

१९. आप जो सही या गलत कर रहे हैं, उस पर नज़र रखें। ट्रेडिंग टिप्पणियों को लिखिए।

२०. पोजिशन साइजिंग ऐसी होनी चाहिए कि बड़ा गैप अप/गैप डाउन महत्वपूर्ण रूप से अफेक्ट न करे।

२१. अनएक्सपेक्टेड कभी-कभी हो सकता है। अनएक्सपेक्टेड का स्वीकार करें।

२२. आपमें जबरदस्त फलेक्सिबिलिटी होनी चाहिए। जैसे की जल्दी से रॉन्ग साइड को छोड़ देना और दुसरी साइड को जॉइन करना।

२३. कैपिटल का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए आपको अपनी पोजिशन साइज सही तरह से सेट करनी चाहिये।

२४. हमारा फोकस पैसा कमाने पर नही बल्की हमारे पास जो कॅपिटल है उसको प्रोटेक्ट करने पर होना चाहिये।

Scanned with CamScanner

"It's Not Whether You're Right Or Wrong That's Important, But How Much Money You Make When You're Right And How Much You Lose When You're Wrong."

X001SQOK8L
Guide To Trading Chart ...tors & Risk Management | New

MRP. 350

Scanned with CamScanner